राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार
- 12

वैश्वीकरण का अंत करीब स्वदेशी को टाल नहीं सकते
- 12

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमरा
- 13

रणजी में जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश ने बनाए 237 रन
- 14


आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

8.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.01

सूर्यास्त 05.50

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 66, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

# यूजीसी बिल पर सुप्रीम रोक

## शीर्ष कोर्ट ने कहा- हस्तक्षेप नहीं किया तो समाज में विभाजन पैदा होने के साथ खतरनाक प्रभाव पड़ेगा | अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू रहेंगे, केंद्र सरकार को नया ड्राफ्ट तैयार करने के दिए निर्देश

- पीठ का सुझाव, प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, (केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाए।

सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें, तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 में यह अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में ओबीसी, एससी, एसटी समुदाय से तथा दिव्यांग एवं महिला सदस्य शामिल होने चाहिए। नया विनियम यूजीसी विनियम, 2012 का स्थान लेने के लिए अधिसूचित किया गया था। 2012 के नियम मुख्य रूप से परामर्श वाली प्रकृति के थे।

इन याचिकाओं में इस विनियम को इस आधार पर चुनौती दी गई कि जाति-आधारित भेदभाव को सिर्फ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में ही परिभाषित किया गया है। याचिकाओं में कहा गया है कि जाति-आधारित भेदभाव के दायरे को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित करके यूजीसी ने प्रभावी रूप से सामान्य या गैर-आरक्षित श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों को संस्थागत संरक्षण और शिकायत निवारण से वंचित कर दिया है जिन्हें उनकी जातिगत पहचान के आधार पर उत्पीड़न या पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल और राहुल दीवान की ओर से दायर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

### आवारा कुत्तों से संबंधी पूर्व के आदेश में संशोधन वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मामले में पहले दिए गए आदेशों में संशोधन का अनुरोध करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अग्रवाल ने पीठ के समक्ष पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भी सुनी, जिसमें 7 नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

# भारत उच्च वृद्धि की राह पर, जीडीपी 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र में गुरुवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत है। देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-2027 में 7.2% रहने का अनुमान है।

सीतारमण ने कहा, भू-राजनीतिक विखंडन व आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। एनएसओ (एनएसओ) के अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। समीक्षा के अनुसार, जीएसटी में बदलाव और अन्य सुधारों ने वैश्विक अनिश्चितता को एक अवसर में बदल दिया है और अगला वित्त वर्ष समायोजन का वर्ष होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था इन बदलावों के अनुकूल होगी। समीक्षा के अनुसार, ज्यादातर वर्षों में, बाहर से भेजा जाने वाला मनी ऑर्डर (रेमिटेंस) एफडीआई से अधिक रहा है। यह बाह्य वित्त पोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में इसके महत्व को बताता है। परिणामस्वरूप, 2025-26 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 0.8 प्रतिशत पर बना हुआ है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत मार्च 2025 तक 55 करोड़ दो लाख बैंक खाते खोले गए हैं। वर्ष 2005 से 2024 के दौरान देश का वैश्विक व्यापार निर्यात एक प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर 1.8 प्रतिशत हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू उड़ान बाजार बना, हवाई अड्डों की संख्या 2014 से 74 से बढ़कर 2025 में 164 हुई।

### वित्त मंत्री ने संसद में पेश किया आर्थिक रिपोर्ट कार्ड

लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण पेश करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

### नौ बार बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री होंगी

**नई दिल्ली।** सीतारमण रविवार को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसा करने वाली वह देश की पहली महिला वित्त मंत्री होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी. चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन वह लगातार नहीं कर सके।

### दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभरा भारत

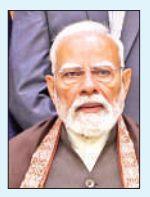

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने ईयू के साथ हुए एफटीए का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी।

## ब्रीफ न्यूज

### नौसेना सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल

**नई दिल्ली।** इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना ने सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी श्रेणी में महाराष्ट्र ने गणेशोत्सव की थीम पर आधारित अपनी झांकी के लिए पहला पुरस्कार जीता।

### दिल्ली दंगा में जमानत याचिका खारिज

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में तीन आरोपियों- सलीम मलिक, अतहर खान और आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की जमानत याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दीं। इन पर 2020 के दंगों में संलिप्तता के आरोप लगाए गए हैं।

### जम गई झील

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में गुरुवार को जमकर बर्फबारी हुई, इस दौरान यहां स्थित पराशर झील बर्फ की परत से ढंक गई।

# दीवार फांद 2 बंदी फरार, जेल अधीक्षक समेत 7 निलंबित

संवाददाता, अयोध्या कार्यालय

- अयोध्या में विशेष बैरक में निरुद्ध थे दोनों, रोशनदान की ईंट निकाल पहुंचे जेल की दीवार तक
- कंबल व मफलर की रस्सी बना पेड़ के सहारे कूदे, सुबह 6 बजे गिनती के समय हुई जानकारी

**अमृत विचार :** जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जनपद में हड़कंप मच गया। फरार बंदियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया है।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह छह बजे तब हुई, जब बंदियों व कैदियों की गिनती की जा रही थी। इस दौरान विशेष बैरक नंबर एक की कोठरी नंबर चार में एक साथ बंद शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौंदी कला जिला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी लापता मिले। जब उनके बैरक की जांच की गई तो उसका रोशनदान टूटा मिला। उसमें से 15-20 ईंटे निकली हुई थीं। पता चला कि दोनों बंदी इसमें से निकलकर जेल की दीवार तक गए व बाहर लगा इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए।

### लापरवाही स्वीकारी संबल, सरिया बरामद

डीआईजी जेल ने जेल प्रशासन की भारी लापरवाही को स्वीकार किया। मौके से एक संबल, सरिया, बांस बरामद हुआ है। निलंबित किए गए सातों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बंदी शेर अली हत्या के एक मामले में दो साल व गोलू पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे में जिला कारागार में निरुद्ध थे।

# चांदी चार लाख के पार, सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी

- मेटल की कीमतों में गुरुवार को आई तूफानी तेजी

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी की कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गईं, जबकि सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में तेज उछाल और सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मजबूत मांग के कारण हुई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही और यह 19,500 रुपये, या 5.06 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। चांदी बुधवार को 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 12,000 रुपये, या 7.02 प्रतिशत बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

### सोने की वैश्विक मांग 5,000 टन से अधिक

**मुंबई।** वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2025 में 5,000 टन से अधिक होकर एक नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। विश्व स्वर्ण परिषद की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष यह मांग 4,961.9 टन थी।

**कैबिनेट बैठक** | शिक्षा जगत से जुड़े 15 लाख लोगों को राहत, योगी मंत्रिपरिषद ने 32 में से 30 प्रस्तावों को दी मंजूरी

# माध्यमिक, बेसिक व संस्कृत शिक्षकों-कार्मिकों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने समय से भुगतान और नई चीनी मिलें खोलने पर भी लगी मुहर
- शहरी विकास, आवास, सड़क औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से बढ़ेगा रोजगार

**अमृत विचार :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 32 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद 30 को मंजूरी दे दी गई, जबकि चौथा और 17वां प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। सबसे अहम फैसला 15 लाख से अधिक शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए रहा।

बेसिक, माध्यमिक और संस्कृत शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त सरकारी, गैर-सरकारी और अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों समेत अन्य कर्मियों को सपरिवार 5 लाख रुपये तक का कैशलेस मेडिकल बीमा कवर मिलेगा। इसके साथ ही चीनी मिलें खोलने, क्षमता बढ़ाने व समय से भुगतान समेत शहरी विकास, आवास, सड़क, औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से रोजगार सृजन को नई दिशा दी गई। मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने पत्रकारों को फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद व संस्कृत शिक्षा परिषद के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित, स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञ व मानदेय शिक्षक सहित) इस सुविधा के दायरे में आएंगे। योजना के तहत आईपीडी (अंतःरोगी) इलाज की कैशलेस सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ साचीज़ से जुड़े निजी अस्पतालों में भी उपलब्ध होगी। इलाज की दरें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप होंगी। योजना का लाभ कर्मियों के आश्रितों को भी मिलेगा। इसमें शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डेन, पूर्णकालिक/अंशकालिक शिक्षक-शिक्षिकाओं व प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों को भी योजना में शामिल किया गया है। अनुमान है कि बेसिक शिक्षा परिषद के 11.95 लाख से अधिक शिक्षक-कर्मी इससे लाभान्वित होंगे। प्रति कर्मी लगभग 3 हजार रुपये वार्षिक प्रीमियम के हिसाब से बेसिक शिक्षा पर 358.61 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। समग्र रूप से बेसिक-माध्यमिक शिक्षा से जुड़े करीब 15 लाख कर्मियों पर लगभग 448 करोड़ रुपये का वार्षिक व्यय अनुमानित है।

लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

### सत्यापन के बाद योजना का लाभ

स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को सत्यापन के बाद योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित होंगी। जो कर्मी पहले से किसी अन्य केंद्र/राज्य स्वास्थ्य योजना (आयुष्मान भारत/मुख्यमंत्री जन आरोग्य) से आच्छादित हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

### यूपी विधानमंडल का बजट सत्र नौ से

योगी मंत्रिपरिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी से आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। अब इसपर अंतिम निर्णय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लेंगी।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

आप सभी को

# गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

## विकास की ओर अग्रसर निघासन ब्लॉक

## चार वर्षों में बदली 65 ग्राम पंचायतों की तस्वीर, बुनियादी सुविधाओं को मिली नई धार

निघासन ब्लॉक की 65 ग्राम पंचायतों की दशा और दिशा सुधारने की दिशा में ब्लश्वक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह एवं खंड विकास अधिकारी जयेश कुमार के संयुक्त प्रयासों से उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। बीते चार वर्षों में ब्लॉक क्षेत्र में विकास की रफ्तार को नई गति मिली है, जिससे ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाओं का सीधा लाभ प्राप्त हुआ है। ब्लॉक क्षेत्र में ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व रखने वाले रामदास बाबा स्थल पर कराए गए विकास कार्यों को क्षेत्र की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में खड़ंजा निर्माण, नाली निर्माण, इंटरलॉकिंग सड़कों सहित अन्य आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्यों को प्राथमिकता दी गई, जिससे आवागमन सुगम हुआ और स्वच्छता व्यवस्था में भी सुधार देखने को मिला। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह ने अपने मृदुल स्वभाव, सरल व्यवहार और विकास के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण से क्षेत्र में अलग पहचान बनाई है। पंचायत सचिवों एवं ग्राम प्रधानों के साथ समन्वय बनाकर योजनाओं को धरातल पर उतारने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। खंड विकास अधिकारी जयेश कुमार के प्रशासनिक सहयोग से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो सका। ग्रामीणों का कहना है कि पहले जहां गांवों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, वहीं अब सड़कों, नालियों और सार्वजनिक स्थलों के विकास से जीवन स्तर में सुधार आया है। विकास कार्यों की निरंतरता से निघासन ब्लॉक आज विकास की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है।

**प्रस्तुति– के.के. मौर्य**
**तहसील प्रभारी, निघासन खीरी**
**मोबाइल – 9918877840**

# अमन दीप सिंह

## ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि

# जयेश कुमार

## खंड विकास अधिकारी, निघासन

**सुनील पंकज**
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खण्ड निघासन

**वीरपाल सिंह**
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खण्ड निघासन

**नवीन राठौर**
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खण्ड निघासन

**विनय कुमार मौर्य**
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खण्ड निघासन

**पवन कुमार द्विवेदी**
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खण्ड निघासन

**राजेश कुमार**
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खण्ड निघासन

**शालिनी पाण्डेय**

**मालती प्रसाद**

**शिवा मिश्रा**

**आशीष कुमार**

**धन देवी वर्मा**
ग्राम विकास अधिकारी
विकासखंड निघासन खीरी

## जिले में आज

- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- शहर और बीसलपुर में बार काउंसिल सदस्य पद को लेकर मतदान सुबह 10 बजे से।
- सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा मुहिम के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 11 बजे से।
- पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली बिल राहत शिविर सुबह 10 बजे से।

## न्यूज ब्रीफ

### 31 जनवरी को खमरिया दलेलगंज में लगेगा शिविर

**पीलीभीत, अमृत विचार :** प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के तहत जनपद के मछुआरों, नाविको व सभी प्रकार की मत्स्य गतिविधियों से जुड़े लोगों के लिये तहसील अमरिया क्षेत्र के ग्राम खमरिया दलेलगज में 31 जनवरी को वृहद शिविर लगाया जाएगा। इसमें एनएफडीपी में पंजीकरण कराया जा सकेगा। इसके लिए बैंक की पासबुक, आधार कार्ड, मोबाइल लाना जरुरी होगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीमेन्द्र नाथ ने बताया कि इसकी तैयारी कर ली गई है।

### खाई में गिरकर बाइक सवार घायल

**बरखेड़ा, अमृत विचार :** गजरौला क्षेत्र के ग्राम पिपरिया भजा के रहने वाले लाल बिहारी, भगवान दास और धर्मेंद्र कुमार गुरुवार शाम को बाइक पर सवार होकर बरखेड़ा आ रहे थे। बरखेड़ा-गजरौला मार्ग पर मसीत और दौलतपुर गांव के बीच पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में चली गई। इसमें करीब चार फीट पानी भरा हुआ था। ग्रामीणों और राहगीरों ने उन्हें बाहर निकाला। हादसे में घायल लाल बिहारी और भगवानदास को सीएचसी भर्ती कराया है।

### दंपती पर हमला करने वाले दो गिरफ्तार

**दियोरियाकलां, अमृत विचार :** बता दें कि खेत पर लगे यूकेलिप्टिस के पेड़ काटने का विरोध करने पर तीन लोगों ने दंपति की पिटाई कर दी थी। घटना 21 जनवरी को हुई थी। गांव बढ़ेपुरा निवासी प्रेमा देवी पत्नी प्यारे लाल ने गांव के ही मैकूलाल, रामकृष्ण, कन्हई लाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि आरोपी उसके खेत पर लगे पेड़ काट रहे थे। विरोध करने पर हमला कर दिया था। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को आरोपी मैकूलाल और रामकृष्ण को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

# हीरपुर में फंदे से लटका मिला युवती का शव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

**अमृत विचार :** संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की मौत हो गई। उसका शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। परिवार ने हत्या की आशंका जताई।

थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव हीरपुर निवासी राजेश की 20 वर्षीय पुत्री सूरती का शव गुरुवार सुबह गांव के बाहर एक पेड़ पर फंदे से लटका मिला। कुछ ग्रामीणों ने शव देखा तो शोर मच गया। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। परिवार वाले भी आ गए। शव की स्थिति और पेड़ की ऊंचाई को देखकर चर्चाएं शुरू हो गईं। हत्या की आशंका जताई गई। परिजन का कहना था कि जिस डाल के सहारे शव लटका था, वहां तक युवती का अकेले पहुंचना और स्वयं फंदा लगाना आसान नहीं। सूचना मिलने पर पर पहुंचे सीओ प्रतीक दहिया ने मौका मुआयना किया। फारेंसिक टीम को भी बुलाया गया। जिसने काफी देर घटनास्थल पर सुरागरसी की। मृतका चार भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। उसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। घटना के बाद परिवार में चीख पुकार मची रही। एसओ सेहरामऊ उत्तरी संजय सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के मोबाइल को कब्जे में लिया गया है। उसकी मदद से जानकारी जुटाई जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

## पीलीभीत टाइगर रिजर्व : रोमांचित दिखे सैलानी, सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो वायरल

# भालू के पीछे दौड़ा बाघों का कुनबा, दिखा रोमांचक नजारा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- कुछ देर तक बाघों और भालू ने एक दूसरे के सामने लिया मोर्चा

**अमृत विचार :** पीलीभीत टाइगर रिजर्व में गुरुवार सुबह सैलानी उस वक्त खासे रोमांचित दिखे, जब तीन बाघों का कुनबा एक भालू का पीछा करते हुए सफारी वाहनों के आगे से गुजर गया। हालांकि कुछ देर तक बाघों और भालू ने एक दूसरे के सामने मोर्चा भी लिया, मगर कुछ देर बाद ही अपने-अपने रास्ते चले गए। इस रोमांचक नजारे को कुछ सैलानियों ने अपने कैमरे में कैद भी किया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपने मजबूत कद-काठी को लेकर देश ही नहीं बल्कि विदेशी धरती पर भी मशहूर हैं। टाइगर साइटिंग के नाम पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व अन्य टाइगर रिजर्वों को पछाड़ता नजर आ रहा है। पिछले पर्यटन सत्र के दौरान आने वाले 90 फीसदी सैलानियों ने बाघों के दीदार किए थे, जबकि उससे पूर्व पर्यटन सत्र के दौरान 80 फीसदी सैलानियों को टाइगर साइटिंग को मौका मिला था। वर्तमान पर्यटन सत्र में भी आने वाले सैलानियों को बाघ समेत अन्य दुर्लभ वन्यजीवों के दीदार हो रहे हैं। स्थिति यह है कि वीकेंड पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में सैलानियों की भीड़ के आगे सफारी वाहन भी कम पड़ रहे हैं। गुरुवार सुबह पीलीभीत टाइगर रिजर्व में

पीलीभीत टाइगर रिजर्व।

पहुंचे सैलानियों के लिए जंगल सफारी उस वक्त यादगार लम्हा बन गई, जब सैलानियों ने एक साथ तीन बाघों का कुनबा देखा। दरअसल, गुरुवार सुबह सफारी मार्ग पर एक भालू चहलकदमी करता दिखा। सफारी मार्ग से भालू को गुजरता देख सफारी वाहनों के पहियों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई। सफारी वाहनों पर सवार सैलानी भालू की तस्वीर लेने के लिए कैमरे सीधे कर ही रहे थे कि इस बीच पीछे एक बाघ भी झाड़ियों से निकलकर सफारी मार्ग पर आ खड़ा हुआ।

टाइगर रिजर्व प्रशासन ने पर्यटन क्षेत्र में बढ़ाई निगरानी

भालू के पीछे बाघ को देख रहे सैलानी उस वक्त खासे रोमांचित हो उठे, जब पीछे से दो अन्य भारी-भरकम बाघ भी एक-एक कर सफारी मार्ग पर आ खड़े हुए। एक तरफ तीन बाघ और दूसरी तरफ एक भालू। कुछ देर तक दोनों ओर से गुर्राने की आवाज सुनाई देती रही और फिर मोर्चा संभाले भालू अचानक भाग खड़ा हुआ। हालांकि इस दौरान बाघों एवं भालू के बीच कोई संघर्ष नहीं हुआ। इस पूरे वाक्या को देख सैलानी खासे उत्साहित दिखे। कुछ सैलानियों ने बकायदा इस मूवमेंट के फोटो और वीडियो भी कैमरे में कैद किए, जो कि गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इधर मामला संज्ञान में आने पर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने संबंधित पर्यटन क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है।

> पर्यटन क्षेत्रों में वन्यजीवों एवं सैलानियों की सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। नियमित गश्त के माध्यम से वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। सफारी चालकों एवं नेचर गाइडों को नियमों का पालन करने को निर्देशित किया गया है, ताकि कोई अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े।
> – मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, पीटीआर

# बुजुर्ग पर तेंदुआ का हमला, खेत में खींचकर निवाला बनाने की कोशिश

## सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम नवदिया दुर्जनपुर का मामला, साइकिल पर था किसान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार :** पूरनपुर तहसील क्षेत्र में खेत पर साइकिल से जा रहे बुजुर्ग किसान पर तेंदुआ ने हमला कर दिया। हमले में बुजुर्ग किसान नीचे गिर पड़े। इस दौरान तेंदुआ ने किसान को गन्ने के खेत में खींचकर ले जाने का भरसक प्रयास भी किया। मगर बुजुर्ग किसान ने हिम्मत नहीं हारी और तेंदुआ से के चंगुल से खुद को छुड़ा लिया। हालांकि इस दौरान तेंदुआ ने किसान के एक हाथ को बुरी तरह चबा डाला। घायल किसान को परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों द्वारा घायल किसान का इलाज किया जा रहा है।

घटना पूरनपुर तहसील क्षेत्र के थाना सेहरामऊ उत्तरी के गांव नवदिया दुर्जनपुर में गुरुवार को हुई। गांव निवासी 70 वर्षीय किसान विंदर सिंह सुबह करीब 10 बजे घर से साइकिल पर सवार होकर खेत देखने के लिए निकले थे। खेत गांव से करीब एक किमी की दूरी पर

तेंदुआ के हमले में घायल विंदर सिंह।

### बर्रामऊ गांव में भी डेरा जमाए रहा था एक तेंदुआ

बरखेड़ा क्षेत्र के गांव बर्रा मऊ में बीते दिनों एक तेंदुआ पहुंच गया था। वह गांव के नजदीक ही युकेलिप्टिस के बाग और उससे सटे गन्ने के खेतों में डेरा जमाए रहा था। तेंदुआ की बढ़ी सक्रियता को देखते हुए शासन के निर्देशानुसार उसे पकड़ने के लिए वन एवं वन्यजीव प्रभाग की स्थानीय रेंज द्वारा पिंजरा भी लगाया गया था। 24 घंटे निगरानी के लिए तीन टीमों का गठन किया गया। इस दौरान तेंदुआ ने गांव में घुसकर कुत्तों के बच्चों को भी निवाला बनाया था। कई दिनों तक निगरानी चली और फिर तेंदुआ की लोकेशन नहीं मिली थी और फिर उसके जंगल वापस लौटने की आशंका जिम्मेदार जताते रहे। करीब दस दिन से अधिक समय तक कोई लोकेशन न मिलने पर पिंजड़ा भी हटा दिया गया था।

- बमुश्किल किसान ने खुद को छुड़ाया, घायल को सीएचसी लेकर पहुंचे परिजन

है। विंदर सिंह साइकिल पर सवार होकर खेत की ओर जा रहे थे कि इस बीच रास्ते में उन पर गन्ने के खेत से निकले तेंदुआ ने हमला कर दिया। तेंदुआ के हमले से विंदर सिंह साइकिल समेत नीचे गिर पड़े। किसान के जमीन पर गिरते ही तेंदुआ उन पर हमलावर हो गया। तेंदुआ के चंगुल में फंसे किसान ने सहायता के लिए जोर-जोर से चीखना चिल्लाना शुरू कर दिया। बताते हैं कि उस दौरान आसपास खेतों में कोई अन्य व्यक्ति मौजूद ही नहीं था। तेंदुआ ने किसान को गन्ने के खेत में खींचकर ले जाने का प्रयास करना शुरू कर दिया। बताते हैं कि इस बीच बुजुर्ग किसान ने हिम्मत बटोरते हुए हाथों से तेंदुआ को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। दोनों के बीच कुछ देर तक खींचतान चलती रही। बुजुर्ग किसान द्वारा लगातार खुद को छुड़ाने का प्रयास चलता रहा और आखिरकार तेंदुआ किसान को छोड़कर चला गया। हालांकि इस दौरान तेंदुआ ने किसान के एक हाथ को बुरी तरह से चबा डाला। घायल किसान ने किसी तरह घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। तेंदुआ के हमले की जानकारी लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। आनन फानन में परिजन घायल बुर्जुग को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां चिकित्सकों द्वारा घायल किसान का इलाज किया जा रहा है। इस संबंध में सामाजिक वानिकी प्रभाग पूरनपुर रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सोवरन सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में जानकारी नहीं है। जो घटनास्थल बताया जा रहा है वह शाहजहांपुर प्रभाग की खुटार रेंज के अंतर्गत आता है।

## कार की टक्कर से बाइक सवार दंपती और बच्चे घायल

**बरखेड़ा, अमृत विचार :** ब्लॉक तिराहे पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपती और दो बच्चे घायल हो गए। इस दौरान राहगीरों की भीड़ लग गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसा सीसीटीवी में कैद हो गया। इसका वीडियो वायरल होता रहा। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

कस्बे के वार्ड नंबर पांच के रहने वाले जमील अहमद पुत्र कदीर अहमद बुधवार को पत्नी मेहनाज बी, दो वर्षीय पुत्री साबिया और छह साल की भतीजी शाहिदा के साथ बाइक पर सवार होकर अपनी बहन की ससुराल में दावत में गए थे। बीसलपुर पीलीभीत मार्ग पर ब्लॉक तिराहे पर सड़क क्रॉस करते वक्त पीलीभीत की ओर से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपति समेत चारों लोग घायल हो गए।

इस दौरान राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। हादसा सीसीटीवी में कैद हो गया। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

# यातायात नियमों का पालन करने की दिलाई गई शपथ

यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाते एआरटीओ वीरेंद्र सिंह व अन्य।

संवाददाता, पीलीभीत

- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत चलाया अभियान, लोगों को किया जागरूक

**अमृत विचार :** राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत चलाए जा रहे अभियान में गुरुवार को भी नियम पालन करने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। इसके अलावा चेकिंग कर चालान किए गए।

मरौरी ब्लॉक सभागार में एआरटीओ वीरेन्द्र सिंह, यातायात प्रभारी राघवेन्द्र सिंह ने पंचायत स्तरीय सड़क सुरक्षा बैठक की। जिसमें ग्राम प्रधानों को विभागीय निर्देश, योजनाओं आदि की जानकारी दी। यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। ललौरीखेड़ा ब्लाक में ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार, एआरटीओ और यातायात पुलिस के दरोगा सुरेन्द्र सिंह ने ग्राम प्रधानों को यातायात के नियमों के पालन करने की शपथ दिलाई। इसके बाद मुख्य चौराहों पर भी वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए जागरुक किया गया। टीएसआई ने बताया कि नियम उल्लंघन पर 145 वाहनों का चालान कर 159500 रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। 35 डग्गामार वाहनों पर भी कार्रवाई की गई है।

# औषधि निरीक्षक समेत 30 कर्मचारी गैर हाजिर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जिला अधिकारी ने उपस्थिति रजिस्टर पंजिका का किया औचक निरीक्षण
- कर्मचारियों का वेतन काटने और जवाब-तलब करने के दिए निर्देश

**अमृत विचार :** सरकारी कार्यालयों में अफसर -कर्मचारियों की लेटलतीफी की आदत दूर नहीं हो सकी है। इसकी हकीकत एक बार फिर उजागर हो गई। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने गुरुवार सुबह 10.10 बजे वरिष्ठ कोषाधिकारी, प्रभारी अधिकारी (खाद्य), जिला पूर्ति अधिकारी, प्रभारी अधिकारी (संयुक्त कार्यालय) और नजारत कार्यालय की उपस्थिति रजिस्टर पंजिका का औचक निरीक्षण तो हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई। अफसर-कर्मचारी समेत 30 जिम्मेदार गैरहाजिर मिले। डीएम ने सख्ती करते हुए अनुपस्थिति कर्मचारियों का वेतन काटने और जवाब तलब करने के निर्देश दिए हैं।

डीएम ने सर्वप्रथम वरिष्ठ कोषाधिकारी कार्यालय उपस्थिति रजिस्टर पंजिका की जांच की। इस दौरान लेखाकार राजेन्द्र कुमार, अंकुर अग्रवाल, आशुतोष मिश्रा, जितेन्द्र कुमार, अरविन्द कुमार, सहायक लेखाकार ठाकुर सिंह, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हरिमोहन अनुपस्थित पाए गए। डीएम ने वरिष्ठ कोषाधिकारी को अनुपस्थित कर्मचारियों का नो वर्क-नो पे के आधार पर वेतन काटने और की गई कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रभारी अधिकारी खाद्य कार्यालय की उपस्थिति रजिस्टर पंजिका की जांच की गई। इस दौरान औषधि निरीक्षक नेहा वैश्य, खाद्य सुरक्षा अधिकारी शान्तनु कुमार, सतीश कुमार अनुपस्थित पाए गए। उन्होंने प्रभारी अधिकारी (खाद्य) को निर्देश दिए कि अनुपस्थित कर्मचारियों का स्पष्टीकरण जारी कर तीन दिन में आख्या उपलब्ध कराई जाए। जिला पूर्ति कार्यालय की उपस्थिति रजिस्टर पंजिका की जांच में कनिष्ठ सहायक मुकेशो कुमारी गैरहाजिर मिली। इस पर जिला पूर्ति अधिकारी को अनुपस्थित कर्मचारी का स्पष्टीकरण जारी कर तीन दिन में आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा प्रभारी अधिकारी संयुक्त कार्यालय में सीआरए कैलाश चन्द्र राठौर, आरआरके मेराज अहमद, सीआरके संजीव कुमार सक्सेना, डीएलआरसी छेदालाल, एसीआरए हेमा गुप्ता, एकता उर्फ पुष्पा देवी, अनीता वर्मा, शशीबाला, विपिन कुमार पाण्डेय, नायब नाजिर कान्ता प्रसाद, जैडएसी बालकृष्ण शर्मा, लिपिक निखिल कुमार, राकेश कुमार भी गैर हाजिर मिले। वहीं, नजारत में वीरेन्द्र कुमार, विजय कुमार, प्रेम प्रकाश, विजय पाल, हरीश कुमार और गोकरनलाल गैरहाजिर मिले। इनका भी जवाब तलब कर तीन दिन में आख्या मांगी है। डीएम की औचक कार्रवाई से खलबली मची रही।

## जुआ खेलते छह आरोपी गिरफ्तार

**पीलीभीत, अमृत विचार :** थाना न्यूरिया में तैनात दरोगा देवेंद्र सिंह ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। उन्हें सूचना मिली कि कस्बे के खंडहरनुमा रेलवे क्वार्टर में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। इस पर पुलिस बल के साथ छापा मारा। मौके से छह आरोपी मोहल्ला खेड़ा निवासी एजाज पुत्र रियाज, मोहल्ला ठाकुरद्वारा निवासी आरिफ पुत्र फैयाज, मोईन पुत्र मकसूद हुसैन, मोहल्ला अंसार नगर निवासी जाहिद पुत्र अकबर हुसैन, तनवीर पुत्र शकील अहमद और सोहन पुत्र नफीस अहमद निवासी नई बस्ती को पकड़ा। 27900 रुपये और ताश की गड्डी बरामद की गई। जुआ अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

# संचालकों की बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा

बीसलपुर में हुई बैठक में मौजूद संचालक। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

**अमृत विचार :** सहकारी गन्ना समिति परिसर में गन्ना विकास समिति के संचालकों की बैठक गुरुवार को हुई। जिसमें कई प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया।

गन्ना समिति परिसर में स्थित संचालक मंडल कक्ष में हुई बैठक की शुरुआत अध्यक्ष राजेश सिंह ने कराई। एजेंडा के अनुसार संचालकों द्वारा गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार किया गया। इसके पश्चात समिति के वर्ष 2026 - 27 के बजट के लिए सभी संचालकों ने आपस में विचार विमर्श कर बजट के बारे में मंथन किया। बीते महीनों में समिति द्वारा किए गए व्यय के अनुमोदन पर भी विचार किया गया। अंत में संचालक मंडल के अध्यक्ष की अनुमति से अन्य कई बिंदुओं पर मंथन हुआ। इस मौके पर उपाध्यक्ष शीला देवी, संचालक सुनीता शर्मा, माया देवी, राधेश्याम, स्नेह लता, अनिल सिंह, प्रांजल शर्मा, राजू भैया शर्मा, राधेश्याम आदि मौजूद रहे। बैठक का संचालन समिति के सचिव राजेश कुमार ने किया।

# समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन

बीसलपुर मंडी में विरोध प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

- मंडी सचिव के खिलाफ की नारेबाजी, जिला अधिकारी को भेजा शिकायती पत्र

**अमृत विचार :** धान खरीद लक्ष्य पूरा कर अंतिम चरणों में पहुंच चुकी है, लेकिन बीसलपुर मंडी समिति में किसानों की समस्याएं कम नहीं हो सकी है। किसान परेशान होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सुधार नहीं हो सका है। पिछले कई दिनों से धान की तौल का इंतजार कर रहे कुछ किसानों ने क्रय केंद्र प्रभारी के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। शिकायत पत्र भी डीएम को कार्रवाई की मांग करते हुए भेजा है।

मंडी समिति परिसर में गुरुवार को किसान एकत्र हुए। उनका कहना था कि करीब सप्ताह भर से मंडी परिसर में उनका धान है। मगर, उसकी तौल नहीं की गई है। क्रय केंद्रों के प्रभारियों द्वारा उनका धान नहीं लिया जा रहा है। जिससे वह खुले आसमान में सर्दी के बीच ट्रालियों पर ही धान की रखवाली करने को मजबूर हैं। किसानों ने मंडी समिति सचिव और क्रय केंद्र प्रभारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस संबंध में एक शिकायती पत्र डीएम को भेजा है। जिसमें कई दिनों से मंडी परिसर में स्थित उनके धान की तौल कराने की गुहार लगाई है। इस मौके पर राम प्रसाद, दामोदरदास, रामस्वरूप, लाल सिंह, गोकर्ण लाल, सर्वेश कुमार, सोहनलाल, महेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, राजीव पाल, सुरेंद्र प्रताप, नत्थू लाल आदि किसान थे।

# जालसाजी कर ग्रामीण के खाते से उड़ाए 27 हजार रुपये

संवाददाता, बरखेड़ा

- सिम पोर्ट कराने के नाम पर की धोखाधड़ी
- एसपी के आदेश पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

**अमृत विचार :** एक ग्रामीण से सिम पोर्ट कराने के नाम पर धोखाधड़ी की गई। यूपीआई से हजारों की ठगी कर ली गई। एसपी के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना क्षेत्र के गांव बेलाडाड़ी निवासी महेंद्रपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार जनवरी को उसके गांव में सिम पोर्ट करवाने वाला एक अज्ञात व्यक्ति आया। कई लोगों ने सिम पोर्ट कराई। उसने भी अपनी सिम पोर्ट करने के लिए उक्त व्यक्ति को दे दी। पीड़ित की सिम उसने अपने पास रख ली। फिर एक सिम नई जिओ कंपनी की उसे दे दी और बोला सिम पोर्ट हो गई है। यह सिम नौ जनवरी को चालू हो जाएगी। पीड़ित ने विश्वास करके सिम रख ली। पोर्ट की गई सिम नौ जनवरी को भी नहीं चलने पर उसने सिम पोर्ट करने वाले व्यक्ति के मोबाइल पर काल की जिस पर वह बोला चालू हो जाएगी अभी परेशान ना हो। वह अपने काम से बैंक ऑफ़ बडौदा शाखा मधवापुर थाना कोतवाली दियोरियाकलां 12 जनवरी को गए। रुपये निकालने के लिए फॉर्म भरा तब पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके खाते से यूपीआई के द्वारा 27 हजार रुपये निकाल लिये हैं। इसमें उसके सिम की आईडी लगी है। सिम पोर्ट करने वाले व्यक्ति पर ठगी का आरोप लगाया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

## अमरिया में हुई सड़क सुरक्षा संगोष्ठी

**पीलीभीत, अमृत विचार:** सड़क सुरक्षा अभियान के तहत अमरिया में सड़क सुरक्षा संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुरुवार को हुए कार्यक्रम में एआरटीओ वीरेंद्र सिंह एवं यात्रीकर अधिकारी बर्डिस चतुर्वेदी ने ग्राम प्रधानों, पंचायत सदस्यों एवं पंचायत सचिवों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन करने के लिए जागरूक किया।

बताया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं ओवर स्पीडिंग, लापरवाही पूर्वक ओवरटेकिंग, क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर वाहन चलाना, नशा करके वाहन चलाना आदि से हो रही हैं। ऐसे में ग्राम पंचायतों में सड़क सुरक्षा संबंधी बैठक आयोजित करते हुए ग्राम वासियों को जागरूक किया जाए। संगोष्ठी में 58 ग्राम प्रधानों, पंचायत सदस्यों एवं सचिवों ने हिस्सा लिया।

# डीएम व एसपी ने बंदियों से किया संवाद, सुनीं समस्याएं

जेल का निरीक्षण कर वापस आते डीएम और एसपी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार :** डीएम ज्ञानेंद्र सिंह और डीआईजी/एसपी अभिषेक यादव ने गुरुवार को जिला कारागार का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखी। बंदियों से वार्ता कर मुहैया कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जाना। उनकी समस्याएं पूछी और निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान डीएम-एसपी किशोर बैरक, महिला समेत अन्य बैरकों में पहुंचे। जेल अस्पताल में पहुंचकर बीमार बंदियों से बातचीत की गई। उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। वहां मौजूद चिकित्सक को निर्देश दिए कि बीमार बंदियों की स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बंदियों से उनकी समस्याएं पूछी गई। सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जेल के अधिकारियों निर्देशित किया कि मानक के अनुरूप बंदियों को सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साफ सफाई को लेकर भी और बेहतर इंतजाम करने के निर्देश दिए गए।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026



## न्यूज ब्रीफ

### खरीदारी करने गए ग्रामीण से मारपीट

**बिलसंडा, अमृत विचार :** क्षेत्र के गांव रूरिया घुरिया के रहने वाले रजनीश की कहासुनी के बाद पिटाई कर दी गई। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह 28 जनवरी की शाम करीब सात बजे गांव की दुकान पर सामान खरीदने गए थे। तभी गांव के ही अनिल, हरिओम, गुलशन, इंद्रपाल और रामौतार ने गाली गलौज की। विरोध करने पर हमला कर पिटाई कर दी। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

### बाइक से गिरकर बुजुर्ग घायल, किया रेफर

**बीसलपुर, अमृत विचार :** बाइक से गिरकर एक वृद्धा घायल हो गई। क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा चतुर्राह निवासी जगन्नाथ की पत्नी जामवती अपनी नाति राकेश कुमार के साथ बाइक से बीसलपुर आ रही थी। रास्ते में सड़क के गड्ढे में बाइक का पहिया जाते ही झटका लगा और जामवती गिरकर घायल हो गई। उन्हें सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

### मंदिर का दानपात्र चोरी पुलिस से शिकायत

**पीलीभीत, अमृत विचार :** जहानाबाद क्षेत्र के मिश्रनटोला निवासी रुपलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह बस स्टैंड के अधिक दुर्गा मंदिर की पूजा-अर्चना और देखभाल करते हैं। बुधवार रात चोर ताला तोड़कर मंदिर में घुसे और दान पात्र चोरी कर लिया। इससे पहले भी दानपात्र चोरी हो चुका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### कांच के टुकड़े लगने से ट्रेन यात्री घायल

**पीलीभीत, अमृत विचार :** गुरुवार सुबह पीलीभीत-मैलानी पैसेंजर ट्रेन पर अज्ञात व्यक्ति ने पत्थर फेंका। घटना सेहरामऊ स्टेशन के पास विलबूड़िया गांव के समीप हुई। इस दौरान खिड़की का शीशा टूटने से पास बैठा यात्री कांच के टुकड़े लगने से घायल हो गया। अचानक हुई घटना से डिब्बे में अफरातफरी मच गई। यात्री सहम गए। बताते हैं कि अचानक पत्थर खिड़की के शीशे से टकराया और कांच के टुकड़े यात्री को लगे। घायल यात्री को मौके पर प्राथमिक सहायता दी गई। हालांकि जिम्मेदार मामला संज्ञान में ना होने की बात कह रहे हैं।

# सवर्ण समाज का प्रदर्शन जारी, भीम आर्मी बिल के समर्थन में

## यूजीसी 2026 के विरोध में बड़ी संख्या में जुटे लोग, कलेक्ट्रेट में हुई नारेबाजी, शहर से लेकर पूरनपुर और बिलसंडा में सौंपे गए ज्ञापन

संवाददाता, पीलीभीत/बिलसंडा

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने पहुंचे भीम आर्मी के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

बिलसंडा में यूजीसी के विरोध में जुलूस निकालकर प्रदर्शन करते सवर्ण समाज के लोग। ● अमृत विचार

पूरनपुर में एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को ज्ञापन देते सवर्ण समाज के लोग।

**अमृत विचार :** भले ही सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी करने के साथ ही, फिलहाल यूजीसी के नए रेगुलेशन पर रोक लगा दी हो। मगर, जिले में सवर्ण समाज की ओर से विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। बिलसंडा और पूरनपुर में जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपे गए। वहीं, मुख्यालय पर भीम आर्मी ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। इसमें यूजीसी से जुड़ी विभिन्न मांगों को रखते हुए इसे दबाव में वापस लेने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

यूजीसी के विरोध में पूरनपुर में सवर्ण समाज के लोग गांधी पार्क में एकत्र हुए। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, माहौर वैश्य समाज, कुमार तनय सभा, चित्रांश परिवार, क्षत्रिय संघ आदि संगठनों ने सामूहिक रूप से एकत्रित होकर के यूजीसी के नए कानून के खिलाफ आवाज बुलंद की। यहां से जुलूस निकालते हुए सभी तहसील पहुंचे। प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को सौंपा। इसमें कहा कि यूजीसी के एक-पक्षीय सवर्ण समाज विरोधी ड्राफ्ट रेगुलेशन को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। इसके अतिरिक्त नीति निर्धारण समितियों में सभी सामाजिक वर्गों का संतुलित और पारदर्शी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। यूजीसी के प्रस्तावित कानून को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की गई। आग्रह किया गया कि देश के युवाओं के भविष्य, सामाजिक समरसता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अतिशीघ्र समस्या का निराकरण किया जाए। इस मौके पर पंडित हरगोविंद बाजपेई, नवनीत मिश्रा, डॉ. सुधीर शर्मा, राम अवतार शर्मा, निरंकार पाण्डेय, अश्वनी शुक्ला, आलोक मिश्रा, संजय गुप्ता, सौरभ सक्सेना, महेन्द्र सिंह, मनोज गुप्ता, अरविन्द सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह ध्रुव, चैतन्य देव मिश्रा, गोपाल मिश्रा, गौरव दीक्षित, मानस शुक्ला, महेश मिश्रा, सतीश मिश्रा, सुशील मिश्रा, अवनीश शुक्ला, अश्वनी मिश्रा, रूद्र मिश्रा, राहुल अवस्थी, अनूप गुप्ता, शिवराम पांडेय, गोल्डी जोशी, सिद्धार्थ शुक्ला, रिशु मिश्रा, रमन शुक्ला, प्रशांत मिश्रा, हर्षित अग्निहोत्री, हरीश अवस्थी आदि मौजूद रहे।

### वापस लिया तो होगा आंदोलन : भीम आर्मी

भीम आर्मी के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष सौरभ भारतीय की अगुवाई में जमा हुए। कचहरी तिराहे से जुलूस के रुप में डीएम कार्यालय नारेबाजी करते हुए पहुंचे। इसके बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को सौंपा। इसमें मुख्य रूप से मांग की गई कि यूजीसी के नए नियमों के तहत प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में समता समिति गठित की जाए। छात्रों के साथ हो रहे भेदभाव की शिकायत के लिए यूजीसी स्तर पर 24 घंटे राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जाए। देश के सभी आईआईटी और आईआईएम में भी यूजीसी के ये नियम लागू किए जाएं। समस्त 45 केंद्रीय विश्व विद्यालयों में एससीएसटी और ओबीसी की जनसंख्या अनुपात में उपकुलपति नियुक्त हो। विश्व विद्यालयों में सालों से लंबित एससीएसटी ओबीसी बैकलॉग पदों को भरा जाए। यूसीजी को वापस न लिया जाए। ये भी कहा कि अगर किसी दबाव में वापस लिया जाता है ते आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर छेदालाल, मंगली प्रसाद, ज्ञानेंद्र मित्रा, हरीश गंगवार, अब्दुल, पुष्पेंद्र कुमार, पुरुषोत्तम कुमार, सूरजपाल, राजपाल गौतम, चंदन, नंदकिशोर, तौहीद खान आदि मौजूद रहे।

### यूजीसी का पुतला फूंका, एसओ को सौंपा ज्ञापन

बिलसंडा में यूजीसी के विरोध में सवर्ण समाज के लोगों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को एक मेडिकल स्टोर के बाहर लोग एकत्र हुए। इसके बाद जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए कमल पार्क पहुंचे। यूजीसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। इसके बाद यूजीसी का पुतला फूंककर विरोध जताया। अधिवक्ता आशीष सक्सेना ने कहा कि नए नियमों में छात्र छात्राओं का भविष्य खतरे में है। इस नियम का विरोध जरूरी है। क्षत्रिय समाज के अक्षय सिंह भदौरिया ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम निंदनीय है। इससे भविष्य में सवर्ण समाज के छात्र छात्राओं का शोषण होगा। एसओ बिलसंडा सिद्धांत शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फिर सवर्ण समाज ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसओ बिलसंडा को सौंपा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, हिंदू युवा वाहिनी, राष्ट्रीय हनुमान दल, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल समेत कई संगठनों के कार्यकर्ता शामिल हुए। तिकुनिया पार्क पर नारेबाजी कर विरोध जताया गया। यूजीसी का पुतला फूंका। इस मौके पर डॉ. अवधेश शर्मा, नरेंद्र मोहन सक्सेना, रामदास पाठक, पंकज मिश्रा, बृजेश मिश्रा, संजीव अवस्थी, संजू सिंह, ठाकुर मनीष सिंह, गौरव शुक्ला, बागेश मिश्रा, अनुपम दीक्षित, वैभव सक्सेना, रामलखन शुक्ला, मुकेश सक्सेना, विकास शर्मा, प्रवेश सिंह, जागेश मिश्रा, पप्पू सिंह भदौरिया, अनुज मिश्रा, अमित मिश्रा, पवन शर्मा, सुधाकर मिश्रा, सौरभ मिश्रा, प्रतीक दुबे, अनुंजय मिश्रा, कल्लू वर्मा, मनोज मिश्रा आदि मौजूद रहे।

# सीसीटीवी फुटेज होगी चेक सीएमएस से मांगी रिपोर्ट

**पीलीभीत, अमृत विचार :** मेडिकल कॉलेज परिसर में आवारा कुत्ते के नवजात का शव लेकर घुसने के मामले में दूसरे दिन भी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हो सकी है। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज चेक कराई जाएगी। इसके लिए महिला और पुरुष अस्पताल के सीएमएस को जिम्मेदारी दी गई है। उनसे जांच कर रिपोर्ट मांगी गई है। बुधवार को एक आवारा कुत्ता मेडिकल कॉलेज परिसर में इमरजेंसी के नजदीक पहुंचा था। कुछ लोगों का कहना था कि कुत्ता मुंह में नवजात के अधखाए शव को दबाए था जबकि कोई मांस का टुकड़ा होने की बात कहता रहा। पूर्व में भी नवजात के शव को आवारा कुत्ते द्वारा उठाकर ले जाने की घटना हो चुकी है। ऐसे में जिम्मेदार इस घटना की सत्यता का पता लगाने में जुट गए हैं। पूरे मामले को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने बताया कि स्थिति स्पष्ट करने के लिए परिसर में लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जाएगी। इसके लिए दोनों सीएमएस को जिम्मेदारी देते हुए रिपोर्ट मांगी है।

# मांगों का निस्तारण न होने पर आंगनबाड़ी वर्कर ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय परिसर में नारेबाजी कर प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी। ● अमृत विचार

● प्रधानमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को सौंपा

**अमृत विचार :** मांगों का निस्तारण न होने पर आंगनबाड़ी वर्कर गुरुवार को भड़क उठीं। आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहायिका संघ के बैनर तले एकत्र हुई। आंगनबाड़ी वर्करों ने कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस दौरान आंगनबाड़ी वर्करों ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में 7 मार्च तक मांगों पर कोई ठोस निर्णय न लेने पर 8 मार्च को लखनऊ कूच करने की चेतावनी दी है।

प्रदेशीय आह्वान पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहायिका संघ के बैनर तले जनपद भर की आंगनबाड़ी वर्कर गुरुवार को एकत्र हुई। संघ के पदाधिकारियों के नेतृत्व में सभी आंगनबाड़ी कलेक्ट्रेट स्थित डीएम कार्यालय पहुंची। यहां आंगनबाड़ी वर्करों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। बाद में सभी आंगनबाड़ी वर्कर नारेबाजी करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचीं। यहां भी उन्होंने मांगों को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। कहा कि आंगनबाड़ी वर्करों को नाममात्र का मानदेय दिया जा रहा है। कम मानदेय मिलने के बावजूद उनसे विभागीय कार्य के अलावा अन्य कार्य करवाए जा रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान आंगनबाड़ी वर्करों ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को सौंपा। जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकत्री को 24 हजार एवं सहायिका को 12 हजार रुपये मानदेय एवं सरकारी कर्मचारी का दर्जा देते हुए भविष्य निधि, मेडिकल अवकाश आदि लाभ देने, आंगनबाड़ी से मुख्य सेविका एवं सहायिका को कार्यकत्री के पद पर योग्यता एवं वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति, पोषण ट्रेकर ऐप के संचालन के लिए मोबाइल फोन खरीदने के लिए कम से कम 20 हजार रुपये देने, प्रोत्साहन राशि के भुगतान में व्याप्त भ्रष्टाचार को देखते हुए नियमित मानदेय में शामिल करने, आंगनबाड़ी को 10 प्रतिशत एवं सहायिका को पांच प्रतिशत इंक्रीमेंट लगाकर मानदेय देने, समस्याओं के समाधान एवं योजना के प्रभावी संचालन के लिए संघ के साथ नियमित बैठक करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि यदि मांगों पर 7 मार्च तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंगनबाड़ी वर्कर 8 मार्च लखनऊ कूच करेंगी। ज्ञापन देने वालों में शकुंतला, मीना, बबिता, कुसुमलता, चंपा देवी, गायत्री देवी, अनीता चौहान, लक्ष्मी देवी, पंकज, प्रीति, मिथलेश, सरोजा सिंह, सुनीता, कृष्णा देवी, राजकुमारी, उर्मिला देवी, कृष्णा गंगवार, गीता देवी, नीतू पांडेय, सोमवती, रामवती, पुष्पा आदि आंगनबाड़ी शामिल रहीं।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
• CARE FOR SURE •
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 1 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

## ड्रमंड कॉलेज में विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी 31 को

**पीलीभीत, अमृत विचार :** जिला विज्ञान क्लब जनपद की ओर से 31 जनवरी को पीएमश्री ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज में विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन सुबह दस बजे से किया जाएगा। इसमें जनपद के वित्तविहीन, सहायता प्राप्त व राजकीय विद्यालयो के कक्षा नौ से 12 तक के छात्र छात्राएं प्रतिभाग कर सकते हैं। जिला समन्वयक चंद्रपाल गंगवार ने बताया कि जनपद स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार विजेता को क्रमशः पांच हजार, तीन हजार, दो हजार और एक हजार रुपये नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। जनपद स्तरीय मूल्यांकन समिति द्वारा कुल 15 मॉडलों का चयन किया जाएगा जो मंडल स्तर पर प्रतिभाग करेंगे। प्रत्येक मंडल से चयनित सर्वश्रेष्ठ पांच मॉडल राज्य स्तर पर प्रतिभाग करेंगे। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः 50 हजार, 40 हजार और 30 हजार रुपये से सम्मानित किया जाएगा।

## उपाधि कॉलेज में आयोजित होगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर कार्यशाला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार:** उपाधि महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज की आवश्यकता, कल की चुनौती रखा गया है।

कार्यशाला के संयोजक डॉ. अमित कुमार ने बताया कि वर्तमान दौर में एआई का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ वक्ता कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वर्तमान उपयोग, शिक्षा एवं वाणिज्य क्षेत्र में इसके बढ़ते प्रभाव और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालेंगे। साथ ही, इससे जुड़ी तकनीकी और नैतिक चुनौतियों के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर विनय कुमार गर्ग ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को एआई की व्यावहारिक समझ प्रदान करना है। बदलते तकनीकी परिवेश में स्वयं को अपडेट रखना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.दुष्यंत कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों से आह्वान किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यशाला में उपस्थित हों। इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों के कौशल विकास में मदद मिलेगी और वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकेंगे।

# कर्मचारियों को मिलेगा कैशलेस इलाज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● शिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर शासन ने लगाई मुहर

● सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में भी बिना भुगतान मिलेगा उपचार

**अमृत विचार :** बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर बड़ी राहत दी गई है। शासन ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा से संबंधित आदेश जारी कर दिया है। इससे जिले के शिक्षकों और अन्य कार्मिकों में खुशी की लहर है।

जिले में बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अब इलाज के लिए आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। शासन के आदेश के बाद जिले के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तैनात पात्र कार्मिकों को उनके परिवार सहित कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। बीएसए रोशनी सिंह ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों के साथ-साथ सहायता प्राप्त और स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों और उनके आश्रितों को सरकारी और निजी अस्पतालों में आईपीडी (भर्ती उपचार) की सुविधा दी जाएगी। इसके तहत इलाज के समय नकद भुगतान की आवश्यकता नहीं होगी। इस योजना में जिले के शिक्षक, शिक्षामित्र, विशेष शिक्षक, अनुदेशक, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डन और स्टाफ के अलावा प्रधानमंत्री पोषण योजना में कार्यरत रसोइयों को भी शामिल किया गया है। लंबे समय से शिक्षक संगठनों द्वारा निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा देने की मांग की जा रही थी, जिसे शासन ने अब स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि योजना का संचालन साचीज संस्था के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए प्रति कार्मिक करीब तीन हजार रुपये का वार्षिक प्रीमियम निर्धारित किया गया है। इस योजना के तहत जिले के कार्मिकों को उन सभी निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी, जो साचीज या आयुष्मान भारत योजना से संबद्ध हैं। इससे कर्मचारियों को बेहतर और समय पर इलाज मिल सकेगा।

## एसआरएम टीम ने सीएचसी का किया निरीक्षण

संवाददाता, बरखेड़ा

बरखेड़ा सीएचसी में निरीक्षण करने पहुंची टीम। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का एसआरएम (स्टेट रिव्यू मिशन) टीम ने गुरुवार को निरीक्षण किया। करीब एक पखवाड़ा पूर्व नीति आयोग की टीम के द्वारा किये गये निरीक्षण में मिली खामियों को बारीकी से देखा गया और निर्देश दिए।

बता दें कि लखनऊ के स्टेट ट्रांसफार्मेसन कमीशन (नीति आयोग) के रिसर्च ऑफीसर डॉ. राजेश कुमार ने 12 जनवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर लैब, ऑपरेशन थिएटर, लेबर रूम, फार्मेसी, रेन बसेरा, वार्ड, ओपीडी, इमरजेंसी आदि का निरीक्षण किया था। उनके साथ जिला मुख्यालय से एमएच कंसल्टेंट नितिन गंगवार भी थे। उनके द्वारा किए गए निरीक्षण में कई खामियां मिली थी। उन्होंने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोकेश कुमार को शीघ्र ही कमियों को दूर करने के निर्देश दिए थे। उपरोक्त खामियों को देखने के लिए मुख्यालय से एसआरएम की दो सदस्यीय टीम गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। टीम में डॉ. आलमगिरी और मुनाइद रजा शामिल रहे। टीम ने इमरजेंसी, ओपीडी, महिला वार्ड, ऑपरेशन थिएटर का गहनता से निरीक्षण किया। निरीक्षण में टीम को काफी सुधार मिला। करीब दो घंटे तक निरीक्षण के बाद टीम वापस लौट गई। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोकेश कुमार भी मौजूद रहे।

## रहस्मय ढंग से छात्र लापता, रिपोर्ट दर्ज

**पीलीभीत, अमृत विचार :** थाना गजरौला क्षेत्र के गांव सिसैया निवासी सीमा देवी पुत्री रामकृष्ण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका 17 वर्षीय भाई अजय वर्मा पुत्र रामकृष्ण पढ़ाई के सिलसिले में थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती में किराए पर कमरा लेकर रह रहा था।

नौ जनवरी की सुबह करीब पांच बजे अजय अपने कमरे से बिना बताए कहीं चला गया। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने अपने स्तर से उसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन सुराग नहीं लग सका। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। किशोर की तलाश की जा रही है।

# जनपद का बढ़ाया मान वीरपाल को मिला सम्मान

संवाददाता, पीलीभीत

वीरपाल को पुरस्कृत करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

● उत्तर प्रदेश वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पाया प्रथम स्थान

**अमृत विचार:** शहर से सटे गांव हिम्मतनगर के निवासी रामपाल के पुत्र वीरपाल ने उत्तर प्रदेश वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में प्रतिभाग किया। ये चैंपियनशिप 12 से 14 जनवरी तक मोदीनगर में हुई थी। वीरपाल ने 60 किग्रा भार वर्ग की प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान पाया। इसी कैटेगरी में सीनियर वर्ग में द्वितीय स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों और खेल विभाग में हर्ष की लहर रही। जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने बताया कि डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने वीरपाल को कार्यालय बुलाकर मेडल पहनाकर व खेल किट देकर सम्मानित किया है।

## न्यूज ब्रीफ

### करंट लगने से युवक झुलसा, हालत गंभीर

**अमरिया, अमृत विचार :** टिनशेड डालते वक्त एक युवक हाइटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल भर्ती कराया गया है। हादसा कस्बे में गुरुवार शाम करीब पांच बजे हुआ। ग्राम अंडरायन निवासी इमरान दुकान के आगे टिनशेड डाल रहा था। इस दौरान ऊपर से गुजर रही हाइटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। मौजूद लोग उसे निजी अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर उसे रेफर कर दिया गया।

### हक मांगने पर पिता ने किया हमला

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** रोजा थाना क्षेत्र के अहमदपुर निवासी फराना ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसके चाचा नौशाद की मृत्यु होने के बाद जमीन के बटवारे को लेकर घर में विवाद हुआ। उसने पिता नवी हुसैन से कहा कि जमीन में उसका भी हक है। आरोप है कि हिस्सा मांगने पर पिता ने जान से मारने की नीयत से गर्दन पर हसिया रख दिया और डीजल डालकर चेहरा जला दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

### टावर से बैटरी चोरी की एफआईआर दर्ज

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव गुनारा निवासी अंकित कुमार ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि वह टावर में इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। उसके गांव में टावर है। 09 जनवरी को वह टावर में ताला बंद करके चला गया था। 11 जनवरी को टावर पहुंचा तो कमरे का ताला टूटा हुआ था। उन्होंने बताया कि चोर पांच बैटरी, 60 लीटर डीजल तथा जनरेटर की क्रेकिंग चोरी हो गयी है।

### गुमशुदगी दर्ज

**शाहजहांपुर, अमृत विचार :** कांट थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार की रात में उसकी 16 वर्षीय पुत्री कहीं चली गयी। उन्होंने पुत्री को तलाश किया और नहीं मिली। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है। पुलिस लापता की तलाश कर रही है।

### वोट बनवाने जुटे लोग

**अमरिया, अमृत विचार :** ब्लॉक परिसर में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नो मैपिंग वाले मतदाता नोटिस मिलने के बाद अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए पहुंच रहे हैं। गुरुवार को भी इसे लेकर भीड़ लगी रही। अधिकांश लोगों ने सहयोग न मिलने की बात कहते हुए नाराजगी जताई।

# एमआरएफ सेंटर में शुरू हुई रीसाइक्लिंग

## अब बेचने की तैयारी, लंबे प्रयास के बाद शुरू हुआ काम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार :** लंबे इंतजार और सतत प्रयासों के बाद आखिरकार एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर में कचरे की रिसाइकिलिंग प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ी। हालांकि अभी संसाधनों की कमी के चलते कचरे की छंटाई पूरी तरह मैनुअल तरीके से की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद प्लास्टिक, कागज, धातु और अन्य उपयोगी सामग्री को अलग-अलग किया जा रहा है। छंटाई के बाद अब इस रिसाइकिल योग्य सामग्री को बेचने की तैयारी भी शुरू हो गई है, जिससे न केवल नगर पालिका को अतिरिक्त आय होगी। अब पालिका शासन की शर्तो को पूरा करने वाले खरीदार की तलाश कर रही है।

बता दें कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर में कूड़ा निस्तारण के लिए मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर बनाने के लिए वर्ष 2020 में फैसला लिया गया था। शासन द्वारा करीब 33.50 लाख रुपये का बजट भी आवंटित किया गया था। शेल्टर होम के पीछे खाली पड़ी सरकारी जगह पर इसका निर्माण कराया गया। इसका निर्माण कई साल पहले ही पूरा हो चुका था। मगर जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते इसका संचालन शुरू नहीं हो सका। कहने को तो शासन ने इस सेंटर को चलाने के लिए मशीनें भी मुहैया कराई है। अभी भी उन मशीनों को प्रयोग नहीं हुआ। इसको लेकर शिकायतें हुई। इधर, स्वच्छता सर्वेक्षण में भी नगर पालिका की रैंकिंग लुढ़क गई। इसके बाद भी एमआरएफ सेंटर का संचालन शुरू करने रणनीति बनाई गई। अभी कन्वेयर बेल्ट शुरु नहीं हो सकी हैं। अन्य मशीनों को चालू कर दिया गया है। वर्तमान समय में चार आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो कूड़े से प्लास्टिक, कांच, पॉलिथीन, बोतल आदि को अलग-अलग एकत्र करते हैं। अभी तक सिर्फ कागजों और योजनाओं तक सीमित रहा, लेकिन अब यह केंद्र जमीन पर काम करता नजर आ रहा है, जहां रोजाना निकलने वाले सूखे कचरे की छंटाई कर उसे दोबारा उपयोग के लिए तैयार किया जा रहा है।

कूड़े से रिसाइकिल कर अलग-अलग किया सामान। ● अमृत विचार

कूड़े से एकत्र की गई प्लास्टिक की बोतलें। ● अमृत विचार

● फिलहाल अभी मैनुअल तरीके से ही हो रही कूड़े की छंटाई

कुछ माह पहले नगरपालिका की ओर से करीब 10 हजार रुपये का कबाड़ बेचकर पालिका की आय बढ़ाई थी। शहर से प्रतिदिन करीब 65 मीट्रिक टन कूड़ा निकलता है। इसमें रिसाइकिल वाले उपकरण भी करीब 50 फीसदी शामिल रहते हैं। ऐसे में वार्डो में घूमकर कूड़ा एकत्र करने वाली गाड़ियां यहां कूड़ा लेकर पहुंचती है, जहां उनका रिसाइकिल किया जाता है। वर्तमान समय में करीब 10 क्विंटल से अधिक कबाड़ निकला है। जिससे पालिका बिक्री करेगी। इसको लेकर शासन की ओर से निर्धारित की गई शर्तो को पूरा करने वाले खरीदारों को ही यह कबाड़ बेचा जाएगा।

> एमआरएफ सेंटर का संचालन शुरू कर दिया गया है। यहां चार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो कूड़े का रिसाइकिल करते हैं। पूर्व में एकत्र किए गए कबाड़ को बेचा जा चुका है। अब करीब 10 क्विंटल से अधिक कबाड़ और एकत्र किया गया है। इसे बेचने की तैयारी चल रही है। जल्द ही इसको बेचकर पालिका के राजस्व में जमा कराया जाएगा।
>
> – संजीव कुमार, ईओ नगर पालिका पीलीभीत

# ससुरालियों ने बंधक बनाकर 1.78 करोड़ रुपये निकाले

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● माधोटांडा क्षेत्र के बलकरनपुर गांव के फार्मर ने एसपी से की शिकायत, कार्रवाई की मांग

**अमृत विचार :** विवाद के बाद पत्नी से अलग रह रहे व्यक्ति ने ससुरालियों पर संगीन आरोप लगाए। उनका कहना है कि पत्नी व उसके मायके वालों ने उसे अगवा कर बंधक बनाकर रखा और बैंक खाते से 1.78 करोड़ रुपये निकाल लिए। एसपी से शिकायत कर कर्रवाई की मांग की है।

माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव बलकरनपुर निवासी कमलजीत सिंह ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह पत्नी से अलग शहर में अपनी मुंहबोली पुत्री के साथ रहते थे। 25 मई को उसकी पत्नी और साले ने अपने साथियों के साथ मिलकर वल्लभ नगर कॉलोनी के पास से उन्हें असलहों के बल पर अगवा कर लिया। आरोप है कि उसे नशीला इंजेक्शन देकर बेहोश किया गया और बाद में सितारगंज स्थित एक ढाबे के कबाड़नुमा कमरे में जंजीरों से बांधकर रखा गया। इस दौरान उसका मोबाइल, नकदी और जरूरी दस्तावेज भी छीन लिए। आरोपियों ने जबरन बीमा और बैंक से जुड़े कागजों पर हस्ताक्षर कराए। इसके लिए उसे बिजली के झटके देकर मानसिक और शारीरिक यातनाएं दी गईं। पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए उसे उत्तराखंड और दिल्ली के विभिन्न नशा मुक्ति केंद्रों में जबरन भर्ती करा दिया। 22 जनवरी को जब उसे एक नशा मुक्ति केंद्र से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था, तभी सहारनपुर–मुजफ्फरनगर रोड पर टोल प्लाजा के पास वाहन रुकने का फायदा उठाकर वह किसी तरह बचकर भाग गए। पीलीभीत लौटने पर पता चला कि उसकी गैरमौजूदगी में जालसाजी करके उसके एक्सिस बैंक खाते से करीब एक करोड़ 78 लाख 32 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं। उसकी कार, बुलेट बाइक और स्कूटी भी आरोपियों ने ले ली है। एसपी से शिकायत कर आरोपियों पर कार्रवाई कराकर न्याय की गुहार लगाई है।

# वतन वापसी के बाद कार्रवाई करने की मांग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार :** विदेश में अच्छी नौकरी का झांसा देकर लाखों की रकम ठगने वाले जालसाज पर कार्रवाई की मांग की गई है। किर्गिस्तान में फंसे लोगों ने वतन वापसी के बाद अब अपने साथ धोखाधड़ी करने वाले पर सख्त कार्रवाई के लिए केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद से शिकायत की है। जिसमें मानव तस्करी कराने का आरोप भी जालसाल पर लगाया है।

बता दें कि बीते दिनों जिले के करीब दर्जनभर से अधिक लोग विदेश में अच्छी नौकरी करने की चाहत में बुरे फंस गए थे। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों के बाद उनकी वतन वापसी हो सकी थी। गुरुवार को पीड़ित लोगों ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद को संबोधित शिकायत पत्र क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक देवस्वरुप पटेल को सौंपा है। जिसमें कहा कि उनके साथ बंडा शाहजहांपुर के ग्राम चांदपुर निवासी जालसाज ने ठगी की थी। प्रति व्यक्ति 1.90 लाख रुपये लिए गए थे। पहले रसिया भेजने के नाम पर रुपये लिए और फिर किर्गिस्तान भेज दिया था। वहां पर सुनगढ़ी क्षेत्र के वसुंधरा कॉलोनी निवासी एजेंट दंपति ने किर्गिस्तान के एक ठेकेदार के हाथ सौंदा कर दिया था। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के प्रयास से 14 पीड़ितों की वापसी हो सकी थी। इस मामले को मानव तस्करी से जोड़ते हुए आरोपियों पर सख्त कार्रवाई कराने की मांग की है। किसान नेता देवस्वरुप पटेल ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों के रहने वाले पीड़ित लोगों ने शिकायत पत्र दिया है। इसे केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद को भेजा जाएगा।

किसान नेता को अपना शिकायत पत्र देते पीड़ित लोग। ● अमृत विचार

● पीड़ित युवकों ने केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को संबोधित शिकायत पत्र किसान नेता को सौंपा

# पोषहार वितरण में दो ब्लॉकों की स्थिति मिली खराब

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार :** डीएम की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक हुई। जिसमें बाल विकास विभाग के मासिक कार्यों की समीक्षा के साथ जनपद के पोषण कार्यक्रम पर बिंदुवार चर्चा की गई। इस दौरान चेहरा प्रमाणीकरण प्रक्रिया से पुष्टहार वितरण में पूरनपुर एवं अमरिया ब्लाक की स्थिति खराब मिलने पर खासी नाराजगी जताई और लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के निर्देश दिए।

गांधी सभागार में गुरुवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा बिंदुवार कार्यों की प्रगति डीएम के समक्ष प्रस्तुत की गई। इस दौरान डीएम ने टीकाकरण, चेहरा प्रमाणीकरण की स्थिति, पुष्टाहार का वितरण, ब्लाकवार एनआरसी भर्ती स्थिति, हाटकुक्ड फूड वितरण, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना की प्रगति, आकांक्षात्मक ब्लाक पूरनपुर में शौचालयों की स्थिति आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने शौचालयों की मरम्मत, साफ सफाई तथा पेयजल व्यवस्था दुरूस्त कराये जाने के निर्देश दिए गए। कहा कि गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का टीकाकरण कराया जाए तथा नियमित फीडिंग कराई जाए। चेहरा प्रमाणीकरण से पुष्टाहार वितरण में पूरनपुर एवं अमरिया की प्रगति कम पाए जाने पर नाराजगी जताते हुए लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, सीएमओ डॉ. आलोक कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल किशोर सांगुड़ी, समेत सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर आदि मौजूद रहे।

गांधी सभागार में बैठक के दौरान समीक्षा करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

● जिला पोषण समिति की बैठक में जिला अधिकारी ने समीक्षा में जताई नाराजगी

# सनातन संस्कृति की रक्षा को जागरूक हो हिंदू समाज : वीरेंद्र

● ग्राम जसौली में एक स्कूल परिसर में आयोजित किया हिंदू सम्मेलन

संवाददाता, बीसलपुर

**अमृत विचार :** क्षेत्र के ग्राम जसौली में एक स्कूल परिसर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कुटुंब प्रबोधन प्रमुख (ब्रजप्रांत) वीरेंद्र मिश्र पहुंचे। उन्होंने सनातन संस्कृति को भारत का गौरव बताते हुए इसकी रक्षा के लिए हिंदू समाज को जागरूक होने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि भारत ऋषि मुनियों का देश है। यहां की सनातन संस्कृति पूरे विश्व से श्रेष्ठ है। हमें अपने बच्चों को सनातन संस्कृति से जोड़कर उनके अंदर देश सेवा की भावना जागृत करनी चाहिए। न्यूरानपुर मुड़िया मढ़ी के महन्त योगी हनुमान नाथ महाराज ने कहा कि हिंदू समाज को संगठित होने की जरुरत है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बरेली मंडल के सह विभाग कार्यवाह भद्रपाल गंगवार ने कहा कि विघटनकारी शक्तियां हिंदू समाज को क्षति पहुंचाने के लिए तरह-तरह का षड्यंत्र रच रही हैं। सचेत रहने लिए जागरूक होना पड़ेगा। जिला व्यवस्था प्रमुख अंकुर गुप्ता, संजय कुमार, शेर सिंह, विजेंद्र गोपाल मिश्रा, संजय गंगवार, सर्वेश कुमार, प्रधानाचार्य सत्यवती, प्रबंधक राज बहादुर आदि ने भी विचसार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनानाथ ने की।

सम्मेलन को संबोधित करते संघ के सह प्रांत कुटुंब प्रबोधन प्रमुख वीरेंद्र मिश्र।

# बार काउंसिल सदस्य पद पर मतदान आज

संवाददाता, बीसलपुर

**अमृत विचार:** उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की चुनाव प्रक्रिया के तहत शुक्रवार व शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। पीलीभीत मुख्यालय सहित बीसलपुर मुंसिफ कोर्ट में मतदान को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई हैं। बार काउंसिल के निर्देश पर मतदान केंद्रों पर न्यायिक अधिकारियों को पीठासीन अधिकारी बनाया गया है।

शुक्रवार को यूपी बार काउंसिल के 25 सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ने वाले 333 प्रत्याशियों के लिए मतदान होगा। चुनाव में कई माह से यूपी बार काउंसिल के सदस्य प्रत्याशियों द्वारा अधिवक्ताओं से संपर्क करके वोट व सहयोग देने के लिए कई बार संपर्क किया जा चुका है। बता दें कि जो अधिवक्ता वकालत व्यवसाय कर रहे हैं

● मतदान केंद्रों पर न्यायिक अधिकारियों को पीठासीन अधिकारी बनाया

जिनके पास सीओपी सर्टिफिकेट है केवल उन्हीं को मतदान में भाग लेने का अधिकार प्राप्त होगा। जिन अधिवक्ताओं के पास सीओपी सर्टिफिकेट नहीं है उन्हें मतदान का अधिकार नहीं होगा। बीसलपुर सिविल बार एसोसिएशन के महासचिव सुशील सिंह तोमर एडवोकेट ने बताया कि चुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। और मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम रहेंगे। सभी अधिवक्ता मतदान करने के लिए अपना परिचय पत्र या सीओपी सर्टिफिकेट साथ लेकर मतदान करने आएं। बीसलपुर मुंसिफ कोर्ट में 286 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

# महिला को गोली मारकर किया घायल, रिपोर्ट

**शाहजहांपुर, अमृत विचार:** सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला महमंद जलालनगर निवासी राजकुमारी ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि 23 जनवरी को सुबह सात बजे बृजेश, दुर्गेश, नीरज आदि संतू के घर के बाहर तमंचे से फायरिंग कर रहे थे। राजकुमारी अपने दरवाजे पर खड़ी थी और गोली उसके सिर में लगती हुई निकल गयी। आरोपी महिला से पुरानी रंजिश मानते है।

आरोपी पीड़िता के पति को कई बार मार चुके है। पुलिस ने घायल महिला का डाक्टरी परीक्षण कराया। आरोपी पीड़िता को जान से मारने की धमकी दे रहे है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी बृजेश, दुर्गेश और नीरज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

# ट्रैफिक पुलिस के सिपाही पर इको चालक ने किया हमला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● नौगवां चौराहा पर गुरुवार रात हुई घटना, आरोपी हिरासत में

**अमृत विचार :** शहर के नौगवां चौराहा पर इको चालक ने चालान से गुस्साकर ट्रैफिक सिपाही पर हमला कर दिया। रॉड से वार कर सिपाही को घायल कर दिया। आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है। घायल सिपाही का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

बता दें कि शहर के नौगवां चौराहा से अवैध तरीके से इको का संचालन लंबे समय से हो रहा है। रोडवेज के कर्मचारी भी इसके खिलाफ आंदोलन कर चुके है। कई बार रोडवेज स्टाफ और इको चालकों में मारपीट भी हो चुकी है। इन सब के बावजूद भी सख्ती नहीं हो सकी है। इन सब के बीच एक और वारदात हो गई। जिसमें विवाद पुलिस से हुआ। बताते है कि ट्रैफिक पुलिस के सिपाही उपेंद्र नौगवां चौराहा पर ड्यूटी पर थे। इस दौरान उन्होंने इको का चालान कर दिया। इसी बीच इको चालक सिपाही से भिड़ गया। इतना ही नहीं व्यस्ततम चौराहा पर सिपाही पर रॉड से हमला कर दिया। घटना के बाद भीड़ जमा हो गई। पुलिस भी सूचना मिलने पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। जिसके बाद टीएसआई राघवेंद्र सिंह भी पहुंच गए। उन्होंने घटना की जानकारी की। घायल सिपाही को जिला अस्पताल लेकर पुलिस रात दस बजे के बाद लेकर पहुंची और मेडिकल परीक्षण कराया। टीएसआई ने बताया कि नौगवां चौराहा पर एक इको का चालान किया गया। इसी दौरान इको चालक ने सिपाही पर हमला कर दिया। आरोपी पकड़ा गया है। मामले में कार्रवाई कराई जा रही है।

# कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कई गांवों में लगाई चौपाल

ग्रामीणों संग चौपाल लगाए कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार:** कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा ने गुरुवार को पूरनपुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम चित्तरपुर, डगा, ककरुआ आदि गांवों मे चौपाल लगाई। मनरेगा का नाम और मूल योजना बदलाव की जानकारी दी गई। जिलाध्यक्ष ने भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा योजना में किए गए बदलाव की जानकारी लोगों को दी। इस अवसर पर जिला सचिव कय्यूम खान उर्फ गुड्डू, पूरनपुर ब्लॉक क्षेत्र अध्यक्ष जाहिद खान, बरखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र अध्यक्ष हरीश कुमार सिंह मौर्य, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा, कलीनगर क्षेत्र अध्यक्ष जुल्फिकार आदि मौजूद रहे।

# 31 को चलाया जाएगा विशेष अभियान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● मतदान केंद्रों पर बनेगी हेल्प डेस्क, मतदेय स्थलों पर उपस्थिति रहेंगे बीएलओ

**अमृत विचार :** विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 31 जनवरी को मतदाताओं की सुविधा के लिए 31 जनवरी को जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ दावे-आपत्तियों से संबंधित सभी फार्मों के साथ मौजूद रहेंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क भी बनाई जाएगी। जिसके माध्यम से मतदाताओं को फार्म भरने में सहुलियत दी जाएगी। इस बाबत जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ने दिशा निर्देश जारी किए हैं।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत बीती 06 जनवरी को सभी चारों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया गया था। वहीं 6 जनवरी से दावे-आपत्तियां लेने की प्रक्रिया चल रही है। इधर आयोग के निर्देशनुसार जनपद में 31 जनवरी को विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 31 जनवरी को होने वाले विशेष अभियान के दौरान सभी बीएलओ आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची के साथ दावे और आपत्तियों से संबंधित फार्म 6, 6ए, 07,08 के साथ मतदेय स्थलों पर मौजूद रहेंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क भी स्थापित की जाएगी। हेल्प डेस्क पर नए मतदाताओं का नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6, नाम विलोपन के लिए फॉर्म-7 और स्थानांतरण या संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरवाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि 31 जनवरी को जनपद के सभी शिक्षण संस्थान, विद्यालय एवं अन्य भवन, जिनमें मतदेय स्थल हैं, सुबह 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक खुलेंगे। इस दौरान एसआईआर में तैनात किए गए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अन्य सभी जिला स्तरीय अधिकारी आवंटित मतदेय स्थलों के मतदान क्षेत्रों में पर्यवेक्षण करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने 31 जनवरी को होने वाले विशेष अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार कराने के निर्देश दिए हैं।

# शादी की वर्षगांठ के दिन युवक ने की खुदकुशी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● दिन में हुए पत्नी से विवाद के बाद युवक कहता रहा देंगे सरप्राईज

**अमृत विचार :** शादी की वर्षगांठ के दिन एक युवक ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। शव कमरे में फंदे से लटका देख परिवार में कोहराम मच गया। बताते है कि युवक का दिन में पत्नी से हुए विवाद के बाद से ही सरप्राईज देने की बात कह रहा था।

सुनगढ़ी क्षेत्र के नई बस्ती के रहने वाले 30 वर्षीय आवास गंगवार का शव गुरुवार शाम को कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजन कमरे में पहुंचे और शव फंदे से लटका देख होश उड़ गए। शोर पर आसपास के लोग भी जमा हो गए। आनन फानन में फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और जानकारी की। इधर, जानकारी करने पर पता चला है कि गुरुवार को ही आवास की शादी की वर्षगांठ थी। घर में इसे लेकर हर्ष का माहौल था। दिन में उसकी पत्नी प्रीति से किसी बात पर अनबन हो गई थी। शहर में ही पत्नी का मायका है। उसने पत्नी से कहा था कि सरप्राइज़ देगा, जिसे वह याद रखेगी। किसी को नहीं पता था कि आवास के मन में चल क्या रहा है। मगर देर शाम वह हुआ जिसने खुशी का माहौल मातम में तब्दील कर दिया। सुनगढ़ी पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज पड़ताल कर रही है।

# ई-रिक्शा को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

**कलान, अमृत विचार:** मेला रामनगरिया ढाई घाट से गंगा स्नान कर ई-रिक्शा से घर लौट रहे श्रद्धालुओं का ई-रिक्शा बृहस्पतिवार शाम करीब चार बजे हादसे का शिकार हो गया। स्टेट हाईवे मुरादाबाद-फर्रुखाबाद पर नौगमा मुबारिकपुर पेट्रोल पंप के पास किसी अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में चालक समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए। दुर्घटना में घायल हुए लोगों में बृजमोहन शाक्य निवासी सथरी, विकास गुप्ता निवासी बालाजी नगर भर्रामई नगर पंचायत कलान, अमन गुप्ता निवासी मोहल्ला दुर्गा नगर नगर पंचायत कलान, वीरेंद्र, उसका पुत्र शिवकांत तथा पत्नी ओमवती निवासी नयागांव सहवेगपुर थाना कलान शामिल हैं।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

खीरी

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह

B.A.M.S.

(आयुर्वेदाचार्य)

स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ

30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त

ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए

परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी

भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे

शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं

- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

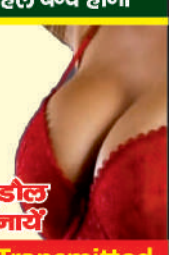

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease

सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में विपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब

आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक

दिनांक :-

11 जनवरी 2026, रविवार

25 जनवरी 2026, रविवार

निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली

9837069463

7599211076

# लोक कला शिविर में थारू जीवन पर आधारित कृतियों का सृजन

## चार दिवसीय शिविर में प्रदेशभर से जुटे वरिष्ठ और युवा कलाकार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

**अमृत विचार** : कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल के तहत राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश व जंगल हेरिटेज के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय लोक कला शिविर का आरंभ जंगल हेरिटेज परिसर में हुआ। यह आयोजन इसलिए भी विशेष महत्व रखता है, क्योंकि जिले में पहली बार राज्य ललित कला अकादमी द्वारा इस स्तर का लोक कला शिविर आयोजित किया है।

शिविर में मुख्य अतिथि राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा, विशिष्ट अतिथि आरएसएस विभाग प्रचारक अभिषेक, गजेंद्र सिंह व डॉ. सुनील कुमार कुशवाहा बतौर अतिथि रहे। इस दौरान पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति से जुड़ाव का

चित्रकला का प्रशिक्षण देते हुए। ● अमृत विचार

संदेश भी दिया गया। डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि यह लोक कला शिविर थारू जनजाति की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और ग्रामीण जीवन को कलात्मक अभिव्यक्ति देने का सशक्त माध्यम बनेगा। कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल स्थानीय संस्कृति संरक्षित होती है, बल्कि कलाकारों के बीच सृजनात्मक संवाद को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य ललित कला अकादमी का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक अंचल की लोक कला और सांस्कृतिक परंपराओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है, और लखीमपुर खीरी में यह शिविर उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शिविर में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से चयनित 15 कलाकार प्रतिभाग कर रहे हैं। शिविर में सभी कलाकार थारू जनजाति के लोक जीवन, वेशभूषा, परंपराओं, ग्रामीण परिवेश, प्रकृति और सामाजिक जीवन को अपने-अपने कैनवास पर सजीव रूप में उकेर रहे हैं।

### प्रतिभाग करने वाले वरिष्ठ कलाकार

गोरखपुर से डॉ. कुमुद सिंह, लखनऊ से डॉ. गरिमा रानी, मुजफ्फरनगर से मनोज कुमार सिंह, लखीमपुर से मोहम्मद सलीम खान और वाराणसी से मानती शर्मा शामिल हैं। वहीं, युवा कलाकारों में जिले से शिवा देवी, शिवम वर्मा, अशोक कुमार शर्मा, अरविंद ओझा, संजीव गुप्ता, कृष्ण मिश्रा, चंदौली वाराणसी से डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता, लखनऊ से हर्षिका सिंह, अयोध्या से दीपा रघुवंशी और बलरामपुर से तारा प्रतिभाग कर रहे हैं।

## महिला से छेड़छाड़ और दुष्कर्म करने के प्रयास का आरोप

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचार:** खीरी थाना क्षेत्र में पड़ोसी युवक ने एक महिला को दबोच लिया। उसके साथ छेड़छाड़ की। आरोप है कि दुष्कर्म करने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित महिला ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे वह अपने घर के बरामदे में बिस्तर पर लेटी हुई थी। इसी दौरान पड़ोसी आलोक रस्तोगी वहां आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। आरोप है कि आरोपी ने गालियां दीं और जबरन दुष्कर्म करने की कोशिश करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उसके कपड़े भी फाड़ दिए। शोर-शराबा और छीना-झपटी के दौरान पीड़िता का 13 वर्षीय पुत्र मौके पर पहुंचा और आरोपी को धक्का देकर अपनी मां को छुड़ाया। बेटे के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकला। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच एसआई संजय कुमार यादव को सौंपी गई है। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## प्रशिक्षुओं को बांटी यूनिफार्म, खिले चेहरे

छात्रों को यूनिफार्म देतीं प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धार्वे। ● अमृत विचार

संवाददाता, पसगवां

- प्रशिक्षु आईएएस ने छात्रों के कॅरियर, एफेक्टिव कम्युनेशन व डिजिटल रेडनेस के गुण बताए

**अमृत विचार** : डीसीएम श्रीराम स्किल एकेडमी से प्रशिक्षणार्थी छात्रों को प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धार्वे ने यूनिफार्म वितरित कीं। उन्होंने छात्रों के कॅरियर, परिचय, एफेक्टिव कम्युनेशन, सेफ्टी आन वर्कप्लेस और डिजिटल रेडनेस के गुण बताए।

कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल उनकी तकनीकी दक्षता में वृद्धि होती है, बल्कि वे उद्योगों में बेहतर रोजगार के योग्य भी बनते हैं। डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन की ओर से संचालित डीसीएम श्रीराम स्किल एकेडमी में इलेक्ट्रिकल एवं सोलर तकनीक का छठा बैच शुरू हुआ है जिसमें 26 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर अजबापुर शुगर यूनिट हेड पीके सिंह, एचआर हेड केएन राय, लीगल हेड सुनील कुमार सिंह स्किल एकेडमी हेड सत्यवीर सिंह उपस्थित रहे।

## अंग्रेजी व्याकरण को मजबूत करेगी हैंडबुक ऑफ ग्रामर एंड कम्पोजिशन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

**अमृत विचार** : माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा और व्याकरण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, प्रयागराज द्वारा विकसित हैंडबुक ऑफ ग्रामर एंड कम्पोज़िशन राइटिंग फॉर सेकेंडरी क्लासेज से खीरी सहित मंडल के सभी जिलों के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को बहुत जल्द सीधा लाभ मिलने वाला है। यह हैंडबुक उत्तर प्रदेश बोर्ड से संबद्ध विद्यार्थियों की व्याकरण संबंधी समझ को मजबूत करेगी।

संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मंडल कार्यालय के मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि यह हैंडबुक अंग्रेजी शिक्षकों को कक्षा शिक्षण में सहयोग देने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इससे विद्यार्थियों की भाषा दक्षता में सुधार हो सके। उन्होंने बताया कि लखनऊ मंडल के खीरी सहित सभी छह जनपदों के राजकीय हाईस्कूल एवं इंटर कॉलेजों तक इसकी एक प्रति पहुँचाई जा रही है। खीरी के 54, लखनऊ जनपद के 55, हरदोई के 55, सीतापुर के 62, रायबरेली के 45 तथा उन्नाव जनपद के 40 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को यह हैंडबुक मिलेगी। उन्होंने बताया कि आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, प्रयागराज द्वारा लखनऊ मंडल के लिए कुल 311 हैंडबुक्स भेजी जा रही हैं। वहीं संयुक्त शिक्षा निदेशक, लखनऊ मंडल डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि आवंटित संख्या के अनुरूप विद्यालयों तक हैंडबुक उपलब्ध कराई जाए, ताकि शिक्षक इसे नियमित शिक्षण में प्रयोग कर सकें। डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि बहुत जल्द ही यह हैंडबुक संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट www.eltiup.org पर भी उपलब्ध होगी, जिससे प्रदेश के किसी भी विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी इसे निःशुल्क डाउनलोड कर लाभ ले सकेंगे।

## राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने का मिलेगा अवसर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- खीरी के विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री वडनगर स्थित विद्यालय में सीखने का मिलेगा अवसर

**अमृत विचार** : विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों और अनुभवात्मक शिक्षा के विकास को उद्देश्य बनाकर केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रेरणा-द एक्सपीरिएंशल लर्निंग प्रोग्राम के तहत जिले के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलने जा रहा है। यह कार्यक्रम वर्तमान सत्र ने कक्षा 8 से कक्षा 11 तक अध्यनरत के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

कार्यक्रम के अंतर्गत चयन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की जाएगी। प्रथम चरण में विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा, जिसमें शैक्षिक उपलब्धि, अनुशासन, व्यवहार और नेतृत्व गुणों के आधार पर बच्चों को चुना जाएगा।

चयनित विद्यार्थी दूसरे चरण में प्रवेश करेंगे। द्वितीय चरण में जिला स्तरीय प्रतियोगिता नवोदय विद्यालय में आयोजित की जाएगी, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए चयनित छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। यहां विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल और सोच का मूल्यांकन किया जाएगा। अंतिम चरण में जिले से एक छात्र और एक छात्रा का चयन किया जाएगा। चयनित दोनों विद्यार्थियों को गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर स्थित उस विद्यालय में आयोजित प्रेरणा कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी।

इस कार्यक्रम में देशभर से आए विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण, जीवन मूल्यों और नेतृत्व विकास से जुड़े अनुभव साझा करेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि प्रेरणा कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि डीसी मध्यमिक विजय कुमार को सभी विद्यालयों से समन्वय स्थापित कर समय से विद्यार्थियों के पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है, ताकि जिले के होनहार छात्र-छात्राएं इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का लाभ उठा सकें।

### प्रेरणा कार्यक्रम के तहत पंजीकरण प्रक्रिया शुरू

प्रेरणा कार्यक्रम के तहत वर्तमान सत्र में कक्षा 8 से कक्षा 11 तक के छात्र-छात्राओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी प्रेरणा के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपना आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण के लिए छात्र-छात्राओं को https:// prerana.education.gov.in वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है, जिसमें विद्यार्थियों का विवरण विद्यालय के माध्यम से सत्यापित किया जाएगा।

## एम्बुलेंस चालक की पिटाई कर फोड़ा सिर, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- आधी रात घर के बाहर घेरा सीसीटीवी में कैद हुई घटना

**अमृत विचार** : कोतवाली सदर में एक एम्बुलेंस चालक के साथ सामूहिक रूप से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपियों की पिटाई से एंबुलेंस चालक का सिर फूट गया और वह लहूलुहान हो गया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मोहल्ला बरखेरवा निवासी आफताब ने बताया कि वह एम्बुलेंस चालक है। रात करीब 11 बजे ड्यूटी से लौटकर अपने किराये के मकान पर पहुंचा था। आरोप है कि दौरान सुऐब पुत्र अब्दुल सलाम निवासी शमशेर नगर, सोऐब पुत्र जुबेर, सद्दीक पुत्र अज्ञात निवासी हिदायतनगर सहित पांच अज्ञात व्यक्ति चार पहिया वाहन से उसके घर के सामने पहुंचे और उसे रोककर गाली-गलौज करने लगे। जब उसने गाली देने से मना किया तो उसकी लाठी-डंडों व ईंट-पत्थरों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। पीड़ित के शोर मचाने पर हमलावर वाहन में बैठकर मौके से फरार हो गए। हमले में आफताब के सिर में गंभीर चोट आई हैं, जिससे वह लहूलुहान हो गया। पीड़ित का कहना है कि पूरी घटना पास स्थित एक अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई है। पुलिस ने घायल चालक की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

## प्रतियोगिताओं में केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज का रहा दबदबा

संवाददाता, पसगवां

दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बच्चे। ● अमृत विचार

विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथिगण। ● अमृत विचार

- एसआर डिग्री कॉलेज में आयोजित हुई खेल प्रतियोगिताएं

**अमृत विचार** : जंगबहादुरगंज स्थित एसआर डिग्री कॉलेज में विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओंकी दौड़, खो-खो, बैडमिंटन, कैरमबोर्ड, शतरंज और स्पून रेस जैसे विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं।

100 मीटर दौड़ में एसआर डिग्री कॉलेज के जितिन गुप्ता प्रथम, आकाश शुक्ला द्वितीय और आकाश गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिकाओं में कामना मिश्रा प्रथम,अनामिका द्वितीय और सरिता तृतीय रहीं। 100 मीटर दौड़ में केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज की छात्राओं में वर्षा ने प्रथम, शांति ने द्वितीय और मोना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालकों में अजान ने प्रथम, मोनू ने द्वितीय और सजीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी दौड़ में हनुमत इंटर कॉलेज और साबिर अली इंटर कॉलेज बरवर के छात्रों में नितिन राजपूत प्रथम, शुभम मिश्रा द्वितीय और सत्यम तृतीय रहे। खो-खो में केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज की टीम विजेता बनी। लक्ष्मी बाई के नेतृत्व में टीम में कल्पना, शांति, सोहिनी, सुषमा, दिव्यांशी, सोनम, झलक, अंजू, सलोनी और उन्नति शामिल रहीं। कैरम प्रतियोगिता में लक्ष्मीबाई और अंशिका प्रथम रहीं। बैडमिंटन में केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज की सृष्टि प्रथम और सौम्या दूसरे, एसआर डिग्री कॉलेज की नंदनी पहले और कोमल दूसरे, बालक वर्ग में नितिन गुप्ता पहले और नमन गुप्ता दूसरे स्थान पर रहे। स्पून रेस में केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज की अनुष्का गुप्ता, शांती और कल्पना क्रमशः पहले दूसरे व तीसरे स्थान पर और एसआर डिग्री कालेज की सरिता, सोनल और आयुषी क्रमशः पहले दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। फ्राग रेस में साबिर अली के नितिन राजपूत पहले और एसआर डिग्री कालेज की कामना दूसरे स्थान पर रही। इस मौके पर कॉलेज के प्रबंधक प्रज्यांशु गर्ग, उनके माता-पिता पिता ललित गर्ग व सुनीता गर्ग व केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज के प्रवक्ता पीके राय ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। प्रधानाचार्य राजीव पांडे, उप प्रधानाचार्य अरविंद कुमार, रमेश चंद्र गुप्ता, अनुज कुमार, अनूप सिंह, पप्पी गुप्ता, सोनी वर्मा, रविकांत राठौर और इंद्रपाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

## उठो बिटिया... तुम्हें स्कूल जाने के लिए स्कूटी दिलाऊंगा

संवाददाता, धौरहरा

- बंगलुरु से लौटा दुष्कर्म पीड़िता का पिता फूट फूटकर रोया
- नम आंखों से दी मुखाग्नि, विलाप देख हर आंख हुई नम

**अमृत विचार:** गुरुवार की सुबह बंगलुरु से घर पहुंचे दुष्कर्म पीड़िता का पिता शव देख फफक कर रो पड़े। शव से लिपटकर बोले कि उठो बिटिया, मैं आ गया हूं.. स्कूल जाने के लिए स्कूटी दिलाऊंगा। पिता का विलाप देख वहां मौजूद हरेक व्यक्ति की आंखे नम हो गईं। दोपहर करीब 12 बजे शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की दुष्कर्म पीड़िता 17 वर्षीय छात्रा ने मेडिकल परीक्षण से पूर्व बुधवार सुबह अपने मामा के घर में आत्महत्या कर ली थी। पोस्टमार्टम के बाद बुधवार शाम शव गांव पहुंचा, लेकिन पिता के बंगलुरु से वापस न आ पाने के कारण अंतिम संस्कार नहीं हो सका था। गुरुवार की सुबह बंगलुरु से लौटे पिता ने बेटी का शव देखते ही विलाप करते हुए कहा कि उठो बिटिया, मैं आ गया हूंतुम्हें स्कूल जाने के लिए स्कूटी दिलाऊंगा। यह दृश्य देख मौके पर मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो उठा। पिता के गांव पहुंचने के बाद दोपहर करीब 12 बजे मामा के खेत में ही छात्रा का अंतिम संस्कार किया गया। पिता ने बेटी को मुखाग्नि दी। इस दौरान वे फूट-फूटकर रोते रहे और बेटी को अंतिम विदाई देते समय उनका करुण विलाप देख वहां मौजूद लोगों की आंखें भर आईं। अंत्येष्टि के दौरान गांव सहित आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल बना रहा। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ सीओ शमशेर बहादुर सिंह, ईसानगर एसओ निर्मल तिवारी, खमरिया प्रभारी निरीक्षक ओपी राय, थानाध्यक्ष रविन्द्र सोनकर सहित तीन थानों की पुलिस फोर्स मौजूद रही। बता दें कि 26 जनवरी को किशोरी के साथ गांव के ही दूसरे समुदाय के एक युवक ने गन्ना के खेत में दुष्कर्म किया था। आरोप है कि घटना के समय आरोपी का चाचा कुछ दूरी पर निगरानी कर रहा था। पीड़िता की मां और मामा का आरोप है कि घटना के बाद आरोपी का चाचा मामले को दबाने तथा धर्मांतरण कर आरोपी से शादी कराने का दबाव बना रहा था। मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी चाचा-भतीजे को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

गांव में पुलिस बल के साथ सीओ शमशेर बहादुर सिंह। ● अमृत विचार

## सड़क सुरक्षा गोष्ठी का किया आयोजन

धर्मसभा इंटर कॉलेज में एनसीसी छात्रों के साथ एआरटीओ शांति भूषण पांडेय। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

**अमृत विचार** : परिवहन विभाग ने धर्मसभा इंटर कॉलेज में एनसीसी के छात्रों के साथ सड़क सुरक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में यात्रीकर अधिकारी डॉक्टर कौशलेंद्र ने छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी।

छात्रों को बताया गया कि हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग हमारे जीवन की सुरक्षा के लिए कितना आवश्यक है। साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं कभी ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन नहीं करेंगे, न ही दूसरों को करने देंगे तथा अपने परिवार के किसी भी सदस्य को बिना हेलमेट वाहन चलाने नहीं देंगे। उधर, सड़क सुरक्षा माह के दृष्टिगत एआरटीओ शांति भूषण पांडेय ने कार्रवाई करते हुए ओवरलोड एवं ओवर हाइट गन्ना संचालन में बिना फिटनेस एवं परमिट के एक वाहन को निरुद्ध किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रपत्रों के फेल पाए जाने पर कुल 15 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई कर 08 वाहनों को निरुद्ध किया गया। एआरटीओ ने बताया कि ओवरलोड वाहनों के संचालन को लेकर वाहन स्वामियों को पूर्व में कई बार चेतावनी दी जा चुकी है, इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने वाहन स्वामियों को सख्त चेतावनी दी कि यदि पुनः ऐसी स्थिति पाई गई तो कड़ी कार्रवाई करते हुए वाहन निरुद्ध किए जाएंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### जमीन बिक्री विवाद में पति-पत्नी घायल

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचार :** पदुआ थाना क्षेत्र के गांव मल्लबेहड़ निवासी छोटकन्ने ने बताया कि शाम करीब 7 :30 बजे घर और परिवार की जमीन को बिना बताए बेचने के विवाद से नाराज होकर रामकिशुन, उसके पुत्र कलमेश, राकेश, दिनेश व सहयोगी रूपचंद ने गाली-गलौज शुरू कर दी। मना करने पर आरोपियों ने उसे और उसकी पत्नी गुड्डी को लाठी-डंडों से मारापीटा। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग पहुंचे, जिसके बाद आरोपी भाग गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### जमीन के विवाद में मारपीट, तीन घायल

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचार :** कोतवाली धौरहरा के गांव लालजी पुरवा मजरा अमेठी निवासी चंद्रशेखर ने बताया कि उसके परिवार की जमीन पर नीरज, टाहलू, मुक्ता और सुशीला जबरन खंडा लगाकर कब्जा किए हुए हैं। बुधवार को उसका चार वर्षीय पुत्र उस खंडे के पास से निकल गया।, इसी बात को लेकर आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए बेटे के साथ मारपीट की। शोर सुनकर उसे बचाने पहुंचीं उसकी बहन विन्देश्वरी और माता मैकिन को भी मारा पीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### हमलावरों की पिटाई से दंपती घायल

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचार :** थाना फरधान के गांव जगदीशपुर मजरा सैदापुर भाऊ निवासी सरोजनी देवी ने बताया कि उनके पति वीरपाल गांव की दुकान से सामान लेने गए थे। इसी दौरान रास्ते पर गांव के ही अनिकेत, शिवशंकर व कौशल ने पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि तीनों ने मिलकर वीरपाल को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा।

# गन्ना भरा ट्रक स्कूल की बोलेरो पर पलटा, बाल-बाल बचे 19 बच्चे

## मोहम्मदी-पुवायां मार्ग पर सुआताली मोड़ पर हुआ हादसा, लोगों ने बच्चों को बोलेरो से खींचकर बचाया फिर भी एक बच्चा चपेट में आकर घायल

**संवाददाता, मोहम्मदी (लखीमपुर खीरी)**

पलटे ट्रक से गन्ना निकालती जेसीबी। ● अमृत विचार

ओवरलोड गन्ना भरा ट्रक पलटने के बाद पिचकी बोलेरो। ● अमृत विचार

मोहम्मदी-पुवायां मार्ग पर पलटे गन्ना भरे ओवरलोड ट्रक को देखने उमड़ी भीड़।

> वैन में सवार सभी 19 बच्चे बिचपुरी गांव के निवासी हैं। ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।
> **-उमेश चंद्र चौरसिया**, इंस्पेक्टर मोहम्मदी।

> गन्ना भरे ओवरलोड वाहनों के खिलाफ समय समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है। मोहम्मदी में हुए हादसे की जांच कराई जा रही है। यदि कोई दोषी पाया जाएगा तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।
> **-संकल्प शर्मा**, एसपी

**अमृत विचारः** गुलरिया परवसत नगर गन्ना खरीद केंद्र से कुंभी चीनी मिल जा रहा ओवरलोड गन्ना लदा ट्रक गुरुवार को स्कूल की बोलेरो पर पलट गया। यह हादसा गुरुवार दोपहर बाद मोहम्मदी-पुवायां मार्ग पर सुआताली मोड़ पर हुआ। ट्रक पर लदा पूरा गन्ना स्कूल गाड़ी पर आ गिरा, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। गनीमत रही कि चालक की सूझबूझ और स्थानीय लोगों की तत्परता से 19 बच्चों की जान बच गई। हादसे में बिचपुरी गांव निवासी 12 वर्षीय सम्राट पुत्र अजीत सिंह घायल हो गया, जिसे सीएचसी मोहम्मदी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी छुट्टी कर दी गई।

बताते हैं कि कुंभी चीनी मिल को जाने वाले गन्ने भरे ट्रक और ट्राले ओवरलोड होते हैं। इसको लेकर कई बार शिकायत की गई, लेकिन किसी भी जिम्मेदार ने ध्यान नहीं दिया। नतीजतन गुरुवार को सुआताली मोड़ पर बड़ा हादसा होते बचा। तेज मोड़ पर ट्रक का राफ्टर टूटते ही संतुलन बिगड़ा और ट्रक सीधे एक स्कूली बोलेरो के ऊपर पलट गया। ट्रक पर लदा पूरा गन्ना बोलेरो पर आ गिरा, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। हादसे के वक्त सत्यम पब्लिक स्कूल की बोलेरो में बिचपुरी गांव के 19 बच्चे सवार थे। बोलेरो पूरी तरह पिचककर क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक से राफ्टर टूटने की तेज आवाज आते ही स्कूल बोलेरो चालक सतर्क हो गया और तुरंत बच्चों को नीचे उतारने लगा। इसी दौरान ट्रक पलटने लगा, तो आसपास मौजूद दुकानदारों और मोहल्ले के लोगों ने शीशे तोड़कर बच्चों को बाहर खींच लिया। कुछ ही पलों में ट्रक पूरी तरह बोलेरो पर आ गिरा, लेकिन तब तक सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। चालक भी बाल-बाल बच गया, जबकि ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई। एसडीएम चलुबुराज आर, तहसीलदार अरुण कुमार, इंस्पेक्टर उमेश चंद्र चौरसिया और विधायक मौके पर पहुंचे। दो जेसीबी मशीनें लगवाकर गन्ना हटवाया गया। एहतियातन कई एंबुलेंस भी मौके पर मौजूद रहीं। गौरतलब है कि इसी सुआताली मोड़ पर पिछले साल भी ओवरलोड गन्ना लदा ट्रक पलटा था, जिसमें तीन मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। बावजूद इसके न तो मोड़ को सुरक्षित किया गया और न ही ओवरलोडिंग पर लगाम लगी।

### रस्सियों से बांधा ही नहीं गया था गन्ना

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि ट्रक पर गन्ना रस्सियों से बांधा ही नहीं गया था। यदि गन्ना नियमों के अनुसार बंधा होता तो राफ्टर टूटने के बावजूद ट्रक से इस तरह गन्ना नहीं गिरता और हादसा टल सकता था। गन्ना ढुलाई में हो रही लापरवाही को लेकर लोगों में भारी मात्रा में रोष है।

### विधायक ने दिखाई तत्परता, बाइक से पहुंचे

ओवरलोड गन्ना भरा ट्रक स्कूली वैन पर पलटने की सूचना मिलते हुए मोहम्मदी विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह बिना किसी देरी के बाइक से मौके पर पहुंचे। विधायक ने स्वयं रेस्क्यू कार्य में हिस्सा लिया और पुलिस व स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकलवाया। मौके पर मौजूद लोगों से बातचीत में विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने ओवरलोड ट्रकों पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ओवरलोड गन्ना ट्रक लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं और इससे आमजन, खासकर बच्चों की जान खतरे में पड़ती है। विधायक ने स्पष्ट किया कि कल ही गन्ना ढुलाई करने वाले ट्रकों के लिए सख्त गाइडलाइन तय की जाएगी। तय मानकों से इतर चलने वाले ट्रकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, चाहे वह किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति से जुड़ा क्यों न हो।

### पलिया चीनी मिल जा रहा ओवरलोड गन्ना ट्रक पलटा

**महंगापुर, अमृत विचार :** पलिया-संपूर्णानगर मार्ग पर पलिया चीनी मिल जा रहा ओवरलोड गन्ना लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। संयोग अच्छा रहा कि हादसे के समय सड़क से कोई राहगीर या वाहन नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ा हादसा बच गया। गदनिया चौराहे से पूर्व गन्ना क्रय केंद्र से पलिया चीनी मिल को गन्ना लेकर जा रहा एक ओवरलोड ट्रक मार्ग पर ही पलट गया, जिससे कुछ देर मार्ग जाम रहा है। ट्रक व बिखरे पड़े गन्ने को आनन फानन में क्रेन से मार्ग से हटाया गया। ग्रामीणों के अनुसार चालक को हल्की चोटें आईं। एक हफ्ते पूर्व भी इसी जगह एक ओवरलोड गन्ना ट्रक पलट चुका है।ओवरलोड गन्ना वाहनों के चलते बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। घटना के बाद मार्ग पर कुछ देर के लिए आवागमन बाधित रहा।

# सकेथू गांव में मनरेगा मजदूर मिस्त्री महामेला में सरकार की प्रशंसा

**संवाददाता, केशवापुर**

एसओ हैदराबाद को ज्ञापन देते संतोष शर्मा। ● अमृत विचार

सकेथू में महामेला के समापन पर बोलते विधायक अमन गिरि। ● अमृत विचार

● **मेला में पहुंचे भाजपा के कई नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष के तीखे सवालों से असहज दिखे भाजपाई**

**अमृत विचारः** सदर ब्लाक की ग्राम पंचायत सकेथू में 18वें राष्ट्रीय ग्रामीण मनरेगा मजदूर मिस्त्री महामेला के दूसरे दिन समापन पर भाजपा के कई दिग्गज नेता पहुंचे, जिन्होंने राज्य व केंद्र सरकारों के कार्यों की सराहना की। दूसरी ओर सरकार पर हमलावर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि संतोष कुमार शर्मा ने 25 सूत्रीय मांगों पर केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधा।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष शरद बाजपेयी, विधायक अमन गिरि, गोला पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू, ईश्वरदीन वर्मा मेला स्थल पर पहुंचे, जिनका स्वागत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शर्मा द्वारा फूल माला पहनाकर किया। महासंघ ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा अध्यक्ष, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री, राज्यपाल को संबोधित 25 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिला अधिकारी खीरी के प्रतिनिधि थाना प्रभारी हैदराबाद सुनील कुमार मलिक को सौंपा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शर्मा ने गरीबों की बेटियों की शादी के लिए सोने चांदी के रेट कम करने, मजदूरों की सरकारी पोस्टिंग, मजदूरी 600 रुपये करने, गांव में ग्रामीण न्यायालय बनाने, ठेकेदारी प्रथा खत्म करने, मालियों की पोस्टिंग करने, चकमार्गा को 16 फीट चौड़ा कराने, प्रत्येक ग्राम पंचायत में हाईवे सड़क बनाने, बेलगाम अधिकारियों पर कार्रवाई करने जैसे तीखे सवालों की बौछार कर दी, जिससे भाजपा नेता सहित गोला विधायक अमन गिरि हताश हो गए।

मेला में वेदप्रकाश शर्मा, सरदार सुखविंदर सिंह, शिवकुमार, राजेंद्र प्रसाद बरेठा, रामपाल श्रीवास्तव, अनीस अहमद, मुन्नालाल मिश्रा, अनुपम तिवारी, नीरज दीक्षित, कृष्ण कुमार मौर्य, रामकुमार मौर्य, तेजबली राजवंशी, प्रमोद पांडे, अंजनी कुमार शर्मा, अवध बिहारी शुक्ला, राजकुमार शर्मा, संतोष शर्मा, अनुज शर्मा, श्याम सिंह, मनोज मिश्रा, तेजपाल, श्रीकृष्ण शर्मा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# दो लेखपाल हटाए, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमा होगा खत्म

**संवाददाता, पलिया कलां**

● **प्रशासन और अधिवक्ताओं के बीच चला आ रहा गतिरोध टूटा, हड़ताल समाप्त**

**अमृत विचारः** पलिया बार एसोसिएशन और तहसील प्रशासन के बीच करीब एक पखवाड़े से चला आ रहा विवाद आखिरकार गुरुवार को शांत हो गया। तहसील के दो लेखपालों का स्थानांतरण किए जाने व अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो पर दर्ज मुकदमे को समाप्त किए जाने के निर्णय के बाद गतिरोध समाप्त हो गया।

14 जनवरी की शाम पलिया तहसील परिसर से एक ई-रिक्शा पर पांच गांठ कंबल ले जाते समय की गई पूछताछ के बाद संबंधित लेखपाल रजनीश कुमार सिंह ने बार एसोसिएशन अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो के विरुद्ध पलिया थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। इसी घटना को लेकर तहसील प्रशासन और अधिवक्ताओं के बीच विवाद उत्पन्न हो गया था। विवाद के समाधान को लेकर पलिया के अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल लखीमपुर अधिवक्ता संघ के साथ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल से मिला था और पूरे प्रकरण से अवगत कराते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की थी। इसके अलावा विधायक रोमी साहनी ने भी मामले में हस्तक्षेप किया। प्रशासनिक कार्रवाई के तहत मोहम्मदी तहसील से आए दोनों लेखपाल रजनीश कुमार सिंह एवं अखिलेश पुष्कर को पुनः मोहम्मदी स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अधिवक्ता संघ अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमे को वापस लिए जाने का एफिडेविट भी दिया गया। इसके बाद गुरुवार को पलिया तहसील परिसर में अधिवक्ताओं की एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में बार एसोसिएशन अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो ने डीएम व विधायक से हुई वार्ता और उसके बाद की गई कार्रवाई की जानकारी अधिवक्ताओं को दी। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रशासन के आश्वासन और कार्रवाई के बाद जारी हड़ताल समाप्त की जाए और पूर्ववत न्यायिक कार्यों में भाग लिया जाए। बैठक का संचालन महामंत्री विष्णु कुमार शुक्ला ने किया। इस दौरान रामप्रकाश पाल, जीवन प्रकाश मेनरो, राजेंद्र राठौर, राजीव शुक्ला, दीपक पांडेय, अमित महाजन, सुनील शुक्ला, विकास गुप्ता, संजय कुमार, मुकेश कुमार, जावेद अख्तर, फजल अहमद, बनारसी लाल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

# जबरन छुड़ाई ट्रैक्टर-ट्रॉली गन्ना समेत जब्त

**संवाददाता, मझगईं**

● **पुराने मुकदमे में वन विभाग की कार्रवाई, रेंज कार्यालय पर ग्रामीणों का विरोध**

**अमृत विचारः** मझगई वन रेंज क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े एक पुराने मामले में वन विभाग की कार्रवाई गुरुवार को उस समय सामने आई। जब गन्ना लादकर जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को सलीमाबाद चौराहे पर रोककर वन विभाग की टीम ने जब्त कर लिया। ट्रैक्टर-ट्रॉली को मझगई वन रेंज कार्यालय में खड़ा करा दिया गया।

मझगई रेंज के मुर्गहा क्षेत्र में अक्टूबर 2025 में अवैध खनन के दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को वन विभाग ने पकड़ा था। उस समय गदियाना गांव के करीब 20 से 25 लोगों ने वन विभाग की टीम को घेरकर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जबरन छुड़ा लिया था। इस मामले में वन विभाग की ओर से संबंधित धाराओं में सुरेश, संदीप, ढिल्लन, गणेशी, सूरज, कुमित राम के खिलाफ वन विभाग ने केस दर्ज किया था। गुरुवार को उसी मुकदमे से संबंधित ट्रैक्टर-ट्रॉली, जो मुर्गहा गांव के पूर्व प्रधान सुरेश कुमार की बताई जा रही है, गन्ना लादकर सलीमाबाद चौराहे पर पहुंची। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर मझगई वन रेंज कार्यालय ले जाकर जब्त कर लिया। ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़े जाने की सूचना गांव पहुंचते ही सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष वन रेंज कार्यालय के बाहर एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मझगई रेंजर अंकित सिंह ने बताया कि अक्टूबर 2025 में अवैध खनन के मामले में पकड़ी गई ट्रैक्टर-ट्रॉली को भीड़ द्वारा जबरन छुड़ाने का मुकदमा दर्ज है। उसी प्रकरण के तहत संबंधित ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

# नीलकण्ठ मैदान में लगा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

**संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ**

नेत्र परीक्षण शिविर का फीता काटकर उद्घाटन करते पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला।

● **डाक्टरों ने की 237 लोगों की आंखों की जांच**

**अमृत विचारः** मां अन्नपूर्णा रसोई सेवा समिति संचालक गौरव ज्ञान त्रिपाठी के आयोजन में मोहल्ला तीर्थ स्थिति नीलकंठ मैदान में लगाये गये नेत्र परीक्षण शिविर में 237 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिसमें 67 लोग मोतियाबिंद से ग्रसित पाये गये।

शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, विशिष्ट अतिथि सत्यप्रकाश अग्रवाल ने फीता काटकर किया। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म नही होता है। हम सभी को निःस्वार्थ भाव से जरुरतमंदों की सेवा करना चाहिए। शिविर में 237 लोगों ने आँखों की जांच की गई, जिसमें 67 लोगों के मोतियाबिंद की शिकायत मिली। सभी को डॉ. श्राफ चौरिटी आई हास्पिटल गोला शाखा कार्यालय बुलाया जाएगा, वहीं से मोहम्मदी में निःशुक आपरेशन होगा। डॉ. श्रॉफ चौरिटी के डॉ अंकुर अवस्थी, मोहित कनौजिया, आलोक कुमार शुक्ला, श्रद्धा वर्मा, दिग्विजय सिंह ने लोगों की जांच की। मां अन्नपूर्णा रसोई सेवा समिति द्वारा संचालित रसोई संचालक एवं कैम्प आयोजक गौरव ज्ञान त्रिपाठी ने डॉ. श्राफ चौरिटी आई हास्पिटल की गोला शाखा के डॉक्टरों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। विकाश मिश्रा, अशोक सक्सेना, गीता विश्वकर्मा, अविनाश गुप्ता, हिमांशु मिश्रा, रविन्द्र कटियार, लवकुश अवस्थी, राजेश राठौर, शत्रोहन मिश्रा, विजय मिश्रा आदि मौजूद रहे।

# ग्राहक सेवा केंद्र से दो लाख से अधिक रुपये लेकर टप्पेबाज फरार

**संवाददाता, मैगलगंज**

सीसीटीवी फुटेज खंगालती पुलिस। ● अमृत विचार

घटनास्थल पर पूछताछ करती पुलिस। ● अमृत विचार

> आरोपियों की पहचान करने और उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें बनाई गई हैं, जो अपना काम कर रही हैं। जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर खुलासा किया जाएगा।
> **- यादवेंद्र सिंह** सीओ

**अमृत विचार :** मैगलगंज थाना क्षेत्र में मैगलगंज-औरंगाबाद रोड स्थित इंडियन बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र पर गुरुवार को दिनदहाड़े टप्पेबाजी की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। कार सवार संदिग्धों ने ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक को 10 हजार का लालच देकर बातचीत में उलझाया और मौका पाते ही दो लाख 6 हजार रुपये से भरा बैग लेकर कार समेत भाग निकले। घटना के बाद कस्बे में दहशत व्याप्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

घटना औरंगाबाद रोड पर स्थित इंडियन बैंक ग्राहक सेवा केंद्र पर दोपहर करीब 12:20 बजे हुई। बीसी संचालक राम लखन के अनुसार उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। इसने अपने पास फुटकर रुपये होने की बात कही और बदले में 500 रुपये के नोट लेने की इच्छा जताई। साथ ही कुछ अतिरिक्त रुपये देने का लालच भी दिया गया। कॉल करने वाले ने ग्राहक सेवा केंद्र के सामने खड़ी कार का जिक्र किया। लालच में आकर राम लखन केंद्र के बाहर पहुंचे और फुटकर रुपये लेने के लिए दो लाख 600 रुपये कार सवार युवकों को सौंप दिए। इस दौरान आरोपियों ने उन्हें धक्का दिया और रुपयों से भरा बैग लेकर भाग निकले। अचानक हुई घटना से बीसी संचालक कुछ देर तक स्तब्ध रह गए। होश आने पर उन्होंने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही कस्बा इंचार्ज झारिया सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। क्षेत्राधिकारी मितौली यादवेंद्र यादव भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित से घटना की जानकारी ली।

### कुछ देर बाद साइकिल चोरी

टप्पेबाजी की घटना के कुछ ही समय बाद मुख्य चौराहे पर एक और चोरी की घटना सामने आई। मैगलगंज निवासी कृष्ण कुमार शुक्ला सब्जी लेने साइकिल से मुख्य चौराहे पहुंचे थे। सब्जी खरीदकर लौटने पर उनकी साइकिल चोर चोरी कर ले गए। लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से कस्बेवासियों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है।

अधिकारियों ने जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। कैमरों में कार की फुटेज कैद भी हुई है, जिसके आधार पर पुलिस ने अपनी जांच और तेज कर दी है। उधर दिनदहाड़े हुई इस वारदात से व्यापारियों और आम नागरिकों में भारी दहशत है।

### प्राणघातक हमले का आरोपी गिरफ्तार

**कुकरा, अमृत विचारः** मैलानी थाना के अंतर्गत कस्बा कुकरा निवासी मतीन पुत्र जबीउल्ला पर 11 जनवरी को हुए प्राणघातक हमले का तीसरा आरोपी नसीम पुत्र वसीम निवासी भुड़वारा कोतवाली गोला को पुलिस चौकी प्रभारी कुकरा अबलीश पवार ने अपने पुलिस बल के साथ दबिश देकर गिरफ्तार कर चालान भेज दिया है। धारदार हथियार से घायल मतीन अभी भी लखनऊ मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती है, जिसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। वारदात में नामज़द दो आरोपी मौलाना मोहम्मद इरफान और हाफिज अब्दुल रहमान का 19 जनवरी को चालान भेजा जा चुका है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र तौकीर रजा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **तबस्सुम पुत्र नसीर अहमद निवासी मो. नम्बर 4 कस्बा व थाना बिल्सी, तह. बिल्सी, जिला बदायूं (उ.प्र.)**

**सूचना**

मैंने अपना नाम AJAZ AHMAD से बदलकर EJAJ AHAMAD रख लिया है भविष्य में मुझे EJAJ AHAMAD (एजाज अहमद) पुत्र ABDUL QADEER (अब्दुल कदीर) ग्राम टांडा सादात पोस्ट सेंथल नवाबगंज बरेली के नाम से जाना व पहचाना जाये।

**सूचना**

मैंने अपने पुत्र अवधपाल एवं उसकी पत्नी आरती से गलत आचरण के चलते संबंध विच्छेद कर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। **जयपाल सिंह यादव पुत्र सुराज सिंह नि ग्राम खेमूनगला तहसील व थाना फरीदपुर, बरेली।**

**वैधानिक सूचना :-** समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

## न्यूज ब्रीफ

### केन ग्रोवर्स में 31 को होगा भूगोल का प्रैक्टिकल

**पसगवां, अमृत विचार :** केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज जंगबहादुरगंज में भूगोल विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा अब 31 जनवरी को होगी। पहले यह परीक्षा 29 जनवरी को होनी थी, लेकिन परीक्षक में बदलाव होने के कारण परीक्षा स्थगित कर दी गई थी। प्रधानाचार्य हरिश्चंद्र ने बताया कि भूगोल प्रैक्टिकल के लिए नये परीक्षक की नियुक्ति हो गई है और डेट भी आ गई है। अब यह परीक्षा 31 जनवरी को कालेज में होगी।

### ध्रुव प्रसंग सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध

**बिलहरी, अमृत विचार :** गांव कैमहरा में श्रीमद् भागवत कथा में कथा व्यास ने ध्रुव प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कथाव्यास ने बताया कि श्रीमद् भागवत महापुराण के अनुसार एक बार की बात ध्रुव जी अपने पिता की गोदी में बैठे हुए थे इतने में ध्रुव की सौतेली मां ने ध्रुव का अपमान कर दिया। कहा कि अगर पिता की गोदी में बैठना है तो जाओ तपस्या करो फिर मेरे गर्भ में आकर जन्म लो, तब तुम राजगद्दी पर बैठने लायक होंगे। ध्रुव ने रोते हुए माता सुनीति को बताया। तब सुनीति ने ध्रुव को परमपिता परमात्मा की गोदी के बारे में बताया। ध्रुव ने भगवान की तपस्या कीऔर भगवान ने 36 हजार वर्षों तक आकंटक राज्य करने का वरदान दिया।

### एससीडीआई हटाए गए

**भीरा, अमृत विचार :** गन्ना विकास परिषद के एससीडीआई सूर्य नारायण द्विवेदी को जिला गन्ना अधिकारी ने हटा दिया है। उन्हें पलिया गन्ना विकास समिति का सचिव बनाया है। इससे समिति परिक्षेत्र के किसानों के तमाम गन्ना सर्वे, बीज वितरण आदि कार्य बाधित होने लगे हैं। समिति के अध्यक्ष डॉ राकेश सिंह ने बताया कि एससीडीआई के हटने से समिति के कई काम बाधित हो गए हैं। इससे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

# यूजीसी के विरोध में सवर्ण समाज ने किया प्रदर्शन, नारेबाजी

## ब्राह्मण संगठनों के आह्वान पर भारी संख्या में पहुंचे लोग, निर्णय वापस लेने की उठाई मांग

**कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी**



डीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते वक्ता। ● अमृत विचार



डीएम को ज्ञापन देते प्रदर्शनकारी संगठनों के लोग। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए नए नियमों के विरोध में गुरुवार को जिला मुख्यालय पर सवर्ण संगठनों और छात्र प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। कायस्थ महासभा, ब्राह्मण महासभा, स्वर्ण महासभा तथा विभिन्न छात्र संगठनों के नेतृत्व में सैकड़ों लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम कार्यालय पर यूजीसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए आक्रोश जताते हुए

हुए प्रशासन के समक्ष अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को सौंपा।

ब्राह्मण समाज की समन्वय समिति के बैनर तले कायस्थ महासभा, ब्राह्मण महासभा, स्वर्ण महासभा तथा विभिन्न छात्र संगठन के बड़ी संख्या में लोग सुबह कलेक्ट्रेट पहुंचे और सरकार व यूजीसी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि नए नियमों के कारण उच्च शिक्षा में सामान्य वर्ग के छात्रों के अवसर लगातार कम किए जा रहे हैं। उनका आरोप था कि चयन और नियुक्ति प्रक्रिया में योग्यता की अनदेखी की जा रही है, जिससे मेहनती और योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हो रहा है। वक्ताओं ने कहा कि समान अवसर की अवधारणा को कमजोर किया जा रहा है, जिससे शिक्षा व्यवस्था का मूल उद्देश्य ही प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान जब मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ज्ञापन लेने के लिए पहुंचे तो संगठनों के पदाधिकारियों ने साफ कहा कि ज्ञापन केवल जिलाधिकारी को ही सौंपा जाएगा। साथ ही प्रदर्शनकारी और अधिक उग्र हो गए। जमकर नारेबाजी करने लगे। इसके काफी देर बाद डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह के साथ प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंची। प्रदर्शनकारियों की तरफ से ब्राह्मण सभा की तरफ से नंद कुमार मिश्रा ने सभी लोगों के साथ प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। ज्ञापन में नए यूजीसी नियमों को निरस्त करने या उनमें व्यापक संशोधन करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने यह भी कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए न तो पर्याप्त छात्रवृत्ति व्यवस्था है और न ही कोई ठोस संरक्षण नीति, जिससे आने वाले समय में शिक्षा में असमानता और गहरी हो सकती है। उन्होंने मांग की कि सभी वर्गों के लिए समान और न्यायपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही वक्ताओं ने कानून व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ कानूनों का दुरुपयोग कर निर्दोष लोगों को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। ऐसे मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई से व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा, रोजगार और आर्थिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

● **प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंपा**

**झूठे मुकदमों की निष्पक्ष जांच की मांगः** वक्ताओं ने झूठे मुकदमों की निष्पक्ष जांच, दोषमुक्त होने पर मुआवजा और कानूनी सुरक्षा दिए जाने की मांग की। कायस्थ महासभा के अध्यक्ष अनूप सिंह, ब्राह्मण महासभा के नंद किशोर मिश्रा, मोहन बाजपेई सहित अन्य नेताओं ने कहा कि शिक्षा और कानून दोनों ही क्षेत्रों में संतुलन और न्याय आवश्यक है। प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात रहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, हालांकि संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।



### यूजीसी के विरोध में जुलूस, सौंपा ज्ञापन

**पलिया कलां, अमृत विचार :** ब्राह्मण नव चेतना मंच एवं ब्राह्मण महासभा सहित सवर्ण समाज के सैकड़ों लोगों ने नगर की प्रमुख स्टेशन रोड पर जबरदस्त नारेबाजी करते हुए यूजीसी के नए कानून के विरोध में जुलूस निकाला। इससे पहले पलिया मोंटेसरी स्कूल के निकट बड़ी संख्या में ब्राह्मण नवचेतना मंच व ब्राह्मण महासभा से जुड़े तमाम लोगों के अलावा बड़ी संख्या में सवर्ण समाज के लोगों ने पहुंचकर पहले से तैयार ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यूजीसी का विरोध कर आक्रोश जताया। इसके बाद जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे। जहां बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं अन्य नगरवासी भी जुलूस में शामिल हो गए। राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार को सौंपा गया। इस दौरान समाजसेवी आलोक मिश्रा, सक्षम शुक्ला, रतना बाजपेई, विश्वकांत त्रिपाठी, आशीष अग्निहोत्री, राजेश मिश्रा, अनूप गुप्ता, डॉ आशीष पांडेय, डॉ अंशुल शुक्ला, दिनेश पांडेय, मधुसूदन तिवारी, विष्णु शुक्ला, सुरेश ओझा, राजेश गुप्ता, आयुष बाजपेई, कपिल मिश्रा, धर्मेंद्र शर्मा, अमित त्रिवेदी, अरुण अवस्थी, गोपाल गर्ग, महेंद्र सिंह, अमित तोमर, अजय शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

### मारपीट में परिवार के तीन लोग घायल

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचार :** थाना भीरा के गांव पलिया पुरवा में रंजिश को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। उनके बीच पहले जमकर गाली गलौज हुई। फिर मारपीट होने ली और जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। इस संघर्ष में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों को अस्पताल भेजा है। पलिया पुरवा निवासी मेलाराम ने बताया कि बुधवार की शाम करीब सात बजे पड़ोसी धीरज, अजय, मीतराम, राधेश्या आदि से पुरानी रंजिश चल रही है। रंजिश के चलते आरोपी उसके दरवाजे पर आए और गालियां देने लगे।

# पेड़ से लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

**संवाददाता, बेहजम**

घटनास्थल पर लगी ग्रामीणों की भीड़ व मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** नीमगांव थाना क्षेत्र के बढ़रिया गांव में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। परिवार वालों ने हत्या कर शव लटकाए जाने की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव बढ़रिया के कुछ लोग सुबह खेतों की तरफ गए थे। तभी उनकी नजर गांव के बाहर लगे पेड़ से एक युवक के लटक रहे शव पर पड़ी। शव लटका होने की सूचना गांव में आग की तरह फैल गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। शव की पहचान बढ़रिया गांव निवासी अंजेश शुक्ला उर्फ अनुज शुक्ला (36) के रूप में हुई है। सूचना पाकर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। शव देख कर उनमें चीख पुकार मच गई। परिजनों के मुताबिक अंजेश गांव के बाहर मोटर के पास रहता था। मोटर से कुछ दूरी पर स्थित एक पेड़ पर उसका शव लटकता मिला। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव नीचे उतारा और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने भी मौके से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। मृतक के बड़े भाई पिंकू शुक्ला ने चार लोगों पर अंजेश की हत्या करने की आशंका जताई है। हालांकि उनका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पुलिस को लिखित तहरीर दी जाएगी। कार्यवाहक थाना अध्यक्ष चौकी प्रभारी सिद्धांत पवार ने बताया कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। सभी पहलुओं पर गहन जांच की जा रही है। फॉरेंसिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। फिलहाल कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, तहरीर मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

● **परिजनों ने चार लोगों पर जताई आशंका, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य**

# लापता युवक का शव बंधे के पास पेड़ से लटका मिला

**संवाददाता, धौरहरा**

**अमृत विचारः** थाना शारदा नगर क्षेत्र के झाला ओदारा गांव निवासी एक लापता युवक का शव धौरहरा क्षेत्र में शारदा बंधे के पास जनार्दनपुरवा गांव के बाहर नदी के कछार में लगे एक पेड़ से फंदे पर लटका मिला। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

मृतक की पहचान संतोष कुमार (24) पुत्र पैकरमा निवासी झाला ओदारा थाना शारदानगर के रूप में हुई है। परिवार वालों ने बताया कि संतोष कुमार 24 जनवरी को घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद मृतक के पिता पैकरमा ने मंगलवार को थाना शारदानगर में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। तभी से पुलिस युवक की तलाश में जुटी हुई थी। परिजनों के अनुसार संतोष मंदबुद्धि का था। बुधवार को जनार्दनपुरवा गांव के बाहर शारदा बंधे के अंदर नदी के कछार में लगे बबूल के पेड़ से एक युवक का शव लटका देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त गुमशुदा संतोष कुमार के रूप में की। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष रविन्द्र सोनकर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट स्थिति सामने आ सकेगी।

● **गुमशुदगी दर्ज होने के बाद मिली लाश, पोस्टमार्टम से खुलेगा मौत का राज**


## कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
## बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 442/76सी0(ए0)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांकः 19.01.2026

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के कार्यक्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई–निविदा दिनांक 03.02.2026 से दिनांक 19.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विशिष्टियाँ, बिल ऑफ क्वांन्टिटी आदि एवं बिड की संशोधित/परिशिष्ट शर्तें इत्यादि का भली–भाँति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक .19 02 2026 को अपरान्ह 12 30 बजे खोली जायेगी।

| कार्य का नाम | लागत (लाख रू0 में) | | | विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में) | बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने का समय |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | अनुमानित निर्माण लागत | 05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत | कुल अनुमानित लागत | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| वित्तीय वर्ष 2025–26 जनपद पीलीभीत में रा0स0नि0 के अंतर्गत परेवा वैष्य से ड्यूनीडाम मार्ग (चैनेज 9.380 से 19.080) एवं मझोला रोड से ड्यूनीडाम मार्ग (चैनेज 8.100 से 9.00) (अ0जि0मा0) का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य। | 1392.00 | 33.50 | 1425.50 | 28.60 | 2714.00 | 12 माह |

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(राजेश चौधरी) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

(के0 के0 सिंह) अधीक्षण अभियन्ता बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP - 244784 दिनांक: 28/01/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।



## कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
## बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक /533सी0(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दि0 /01/2026

अल्पकालीन ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–1, लोनिवि, पीलीभीत क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र साईट/पोर्टल पर दिनांक 30.01.2026 से दिनांक 11.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 11.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

2.

| क्र0 सं0 | कार्य का नाम | लागत (लाख रू0 में) | | | विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में) | बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने का समय | फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अनुमानित लागत | 05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत | कुल अनुमानित लागत | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 7 | 7 |
| 1 | गांव चौसरा मार्ग से सादिया लाडपुर के पास नहर के पास पुलिया तक नवनिर्माण कार्य। | 64.00 | 4.80 | 68.80 | 5.44 | रू0 2714.00 | 09 माह | ए0, बी0, सी0 |
| 2 | गांव दौलतपुर हीरा से गांव मानपुर मरौरी तक नवनिर्माण कार्य। | 80.00 | 6.00 | 86.00 | 6.30 | रू0 2714.00 | 09 माह | ए0, बी0 |
| 3 | गांव भीकमपुर उर्फ परानपुर मार्ग से परासी रामकिशन सम्पर्क का नवनिर्माण कार्य। | 105.00 | 7.90 | 112.90 | 7.65 | रू0 2714.00 | 12 माह | ए0, बी |
| 4 | गांव अरिवाड़ा से गांव दुवहा होते हुए शाहजहॉपुर की सीमा तक नवनिर्माण कार्य। | 134.00 | 10.00 | 144.00 | 9.20 | रू0 2714.00 | 12 माह | ए0, बी0 |
| 5 | बी0डी0यू0एस0 मार्ग से मधुपुरी मार्ग का नवनिर्माण कार्य। | 128.00 | 9.50 | 137.50 | 8.88 | रू0 2714.00 | 12 माह | ए0, बी0 |
| 6 | गांव गोछ से कनाकोर सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य। | 125.00 | 9.00 | 134.00 | 8.70 | रू0 2714.00 | 12 माह | ए0, बी0 |
| 7 | गांव गौनेरा से चांदडांडी मार्ग का नवनिर्माण कार्य। | 108.00 | 8.00 | 116.00 | 7.80 | रू0 2714.00 | 12 माह | ए0, बी0 |
| 8 | खानपुर बीरमपुर से गांव कढैला मार्ग का नवनिर्माण कार्य। | 236.00 | 5.90 | 241.90 | 14.10 | रू0 2714.00 | 12 माह | ए0 |

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(एस.के. जैन) अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–1, लोनिवि, पीलीभीत

(के0के0 सिंह) अधीक्षण अभियंता बदायूँ/पीलीभीत वृत, लोनिवि, बरेली

UP - 244793 दिनांक: 28/01/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।


# भाजपा सरकार ने गरीबों से छीना रोजगार : अजमानी

**कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी**

**अमृत विचार :** जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में चलाए जा रहे मनरेगा बचाओ महासंग्राम के तहत जनपद की विभिन्न विधानसभाओं में चौपालों का आयोजन किया गया। इन चौपालों में कांग्रेस के क्षेत्रीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से संवाद कर मनरेगा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

विधानसभा पलिया के ब्लॉक बिजुआ की ग्राम पंचायत मटहिया में आयोजित चौपाल में पूर्व विधायक सतीश अजमानी ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार गरीबी हटाने के बजाय गरीबों को ही खत्म करने पर तुली हुई है। कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई मनरेगा योजना के माध्यम से गरीब मजदूरों को 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई थी, जिससे उन्हें सम्मानजनक जीवन मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासनकाल में जॉब कार्ड धारकों को काम नहीं दिया जा रहा है और मजदूर बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। उधर, श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोठिया में रामपाल शाक्य, आफताब अहमद एवं योगेश वर्मा के नेतृत्व में चौपाल का आयोजन किया गया। मनरेगा मजदूरों को वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा लागू किए गए मजदूर विरोधी कानूनों की जानकारी दी। चौपालों में ललित वाल्मीकि, सत्तन गुप्ता, रामगोपाल वर्मा, शादी रानी, शिवकुमार, लाल मोहन, शालिग्राम, रामकिशोर, पुरुषोत्तम, सतपाल सिंह, पुरुषोत्तम वर्मा, अमृतलाल लोधी, आकाश वर्मा, श्याम विष्णु, अंकित, करण सिंह, शिवपाल, छोटेलाल आदि रहे।

● **मनरेगा बचाओ महासंग्राम के तहत कांग्रेस ने गांव-गांव लगाई चौपालें**

# हिंदुओं से संगठित होने का आह्वान

**संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ**



गोला के हिंदू सम्मेलन में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

**अमृत विचारः** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में जीवनलाल कमला देवी कन्या महाविद्यालय में हुये हिंदू सम्मेलन में समाज को एकजुट, जागरूक और संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता नगर प्रचारक अभिषेक ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रबोध को सुदृढ़ करना है। भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों पुरानी जीवंत सांस्कृतिक परंपरा है। विगत दो हजार वर्षों में विश्व में अनेक सामाजिक, राजनीतिक और वैचारिक प्रयोग हुए, किंतु वे मानवता को स्थायी सुख और शांति नहीं दे सके। आज पूरा विश्व आशा की दृष्टि से भारत की ओर देख रहा है। सम्मेलन में भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनि अपने समय के महान वैज्ञानिक और विचारक थे।

कार्यक्रम में पांच प्रमुख संकल्पों एक मंदिर, एक श्मशान, एक जलाशय और एक पंगत की भावना भाषा, भूषा, भोजन, भ्रमण का आह्वान किया गया। भवन में सांस्कृतिक चेतना पूरे परिवार के साथ रात्रि भोजन सिंगल यूज़ प्लास्टिक का त्याग, जल संरक्षण एवं पौधरोपण तथा प्रत्येक नागरिक द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन। युवाओं की भूमिका पर विशेष चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की रीढ़ है।

संचालन मुनेंद्र शुक्ल ने किया। सम्मेलन में उर्मिला शर्मा, विजय, डॉ. हिमांशु मिश्र, प्राचार्य डॉ. वेदप्रकाश अग्निहोत्री, सर्वेश गुप्ता, गौरव जायसवाल, आदेश ठाकुर, सुशील चौधरी, नंदकिशोर शर्मा, आदेश मिश्र, सूरज गुप्ता, अभिषेक गौतम सहित काफी संख्या में हिंदू समाज के लोग मौजूद रहे।


## किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर–खीरी

अल्पकालीन निविदा सूचना

वर्ष 2025-26 हेतु व्यापारकर में पंजीकृत अनुभवी आपूर्तिकर्ताओं से निम्नांकित सामानों के आपूर्ति हेतु सम्मुख अंकित तिथि को अपरान्ह 3:00 बजे तक मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है।

| क्रमांक | विवरण | धरोहर धनराशि (रू0 में) | निविदा तिथि |
|---|---|---|---|
| 01 | Supply of DC Machine Spares/Automation Spaces | 5000.00 | 05.02.2026 |

निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में रू0 590/- (जीएसटी सहित) मिल कोषागार में जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। प्राप्त निविदायें निर्धारित तिथि को अपरान्ह 3:30 बजे खोली जायेगी। यदि आवश्यक हुआ तो नेगोशिएसन भी किया जा सकता है।

अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक



## कार्यालय नगर निगम, शाहजहांपुर

NOTICE FOR INVITATION OF TENDER

पत्रांक: 692/PRO/नि.वि./न.नि.शाह./2025–26 दिनांक: 29.01.2026

ई-निविदा सूचना

नगर निगम, शाहजहांपुर द्वारा 15वां वित्त आयोग अन्तर्गत 01 निर्माण कार्यो की द्वितीय बार अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा प्रणाली की समस्त कार्यवाही वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर की जायेगी। कार्य की समस्त नियत व शर्ते वेबसाइट पर उपलब्ध है जिनका अवलोकन करने उपरान्त ही निविदा प्रक्रिया में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। बिना कारण बताये टेण्डर को स्वीकृत / अस्वीकृत / निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी में निहित होगा। उक्त निविदा के संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना वेबसाइट पर अपलोड कर जायेगी।

| | |
|---|---|
| ई–निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय | 02.02.2026 - 03:00 PM |
| ई–निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय | 02.02.2026 - 04:00 PM |
| ई–निविदा अपलोड की अंतिम तिथि/समय | 07.02.2026 - 03:00 PM |
| ई–निविदा खोली जाने की तिथि/समय | 07.02.2026 - 04:00 PM |
| फाईनेंशियल ई–निविदा खोली जाने हेतु | After Technical Evaluation |

ई–निविदा लिंक एवं ई–पोर्टल www.etender.up.nic.in पर किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नगर आयुक्त
नगर निगम, शाहजहांपुर



## पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0: 1 ई–प्रापण निविदा संख्याः उप मु0इं0–नि0–पुल–जीकेपी–01–2026 दिनांकः 24.02.2026 कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन में सहजनवा–दोहरीघाट नई लाइन परियोजना के अन्तर्गत सहजनवा–दोहरीघाट के बीच सहजनवा, मगहर, जगतबेला, पिपरौली, खजनी, उनवल, बैदौली बाबू हाल्ट और बांसगांव में स्टेशन बिल्डिंग, स्टाफ क्वार्टर ओवर हेड टैंक, प्लेटफॉर्म, सबवे टो वॉल, रिटेनिंग वॉल, पी0पी0 शेल्टर का निर्माण, सर्कुलेटिंग एरिया का डेवलपमेंट और सड़क का कार्य। **अनुमानित निविदा मुल्य :** 152,17,40,938.78/– **बयाना राशि (रु0) :** 77,58,700.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0):** शून्य **कार्य पुर्ण करने की अवधि :** 18 (अठारह माह) ● बिड प्रारम्भ करने की तिथि : दिनांक 10.02.2026 ● उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अंतिम तिथिः दिनांक 24.02.2026 15:00 बजे तक। ● उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथिः दिनांक 24.02.2026 15.00 बजे। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगे।

उप मुख्य इंजी./निर्माण/सामान्य, गोरखपुर

मुजाधि/डब्लू–439

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें


# ग्राम समाज की भूमि से नौ सेमल के पेड़ कटे मिले

**संवाददाता, सिंगाही**

**अमृत विचारः** ग्राम पंचायत बंगलहा तकिया में ग्राम समाज की भूमि पर खड़े पेड़ों के अवैध कटान का मामला सामने आया है। ग्रामीणों द्वारा मुख्यमंत्री को की गई शिकायत के बाद राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें नौ सेमल के पेड़ कटे हुए पाए गए।

ग्राम पंचायत बंगलहा तकिया निवासी जगेसर ने मुख्यमंत्री को भेजी शिकायत में आरोप लगाया था कि परिन्दखां पुरवा के पूरब दिशा में स्थित राजस्व भूमि पर खड़े सेमल के पेड़ों को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आजाद ने नियमों को दरकिनार कर चोरी-छिपे कटवाकर बेच दिया है। शिकायत के क्रम में लेखपाल श्याम किशोर एवं वन विभाग के कर्मचारी अखिलेश रावत ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत बंगलहा तकिया के मजरा परिन्दखां पूर्व स्थित राजस्व की गाटा संख्या 2414 पर लगे सेमल के पेड़ों के कटान की शिकायत प्राप्त हुई थी। निरीक्षण में उक्त स्थल पर कुल नौ सेमल के पेड़ कटे पाए गए।

### ये है प्रक्रिया:

नियमों के अनुसार यदि ग्राम पंचायत की भूमि पर पेड़ खड़े होते हैं, तो उनकी बिक्री के लिए सबसे पहले ग्राम पंचायत की बैठक में प्रस्ताव पारित किया जाना आवश्यक होता है। इसके बाद तहसील स्तर से लेखपाल द्वारा पेड़ों की गिनती कराई जाती है, वन विभाग द्वारा उनका मूल्यांकन किया जाता है, फिर खुली बोली के माध्यम से नीलामी होती है। नीलामी से प्राप्त धनराशि ग्राम पंचायत की निधि में जमा की जाती है। एसडीएम राजीव निगम ने बताया कि मामले की जांच के लिए राजस्व कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया था। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

फैसले एक नजर में

## गोरखपुर में 721.40 करोड़ की सीवरेज परियोजना को मंजूरी

**अमृत विचार, लखनऊ :** अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) के अंतर्गत गोरखपुर में सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बड़ी परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। गुरुवार को मंत्रिपरिषद ने नगर निगम क्षेत्र के सीवरेज जोन-ए-3 से संबंधित 721.40 करोड़ की परियोजना को स्वीकृति दी। परियोजना के पूर्ण होने पर 17 वार्डों की 1.95 लाख से अधिक आबादी को सीवेज सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा। स्वीकृत लागत में जीएसटी और सेंटेज की राशि शामिल है। इस परियोजना की कुल अनुमोदित लागत 721.40 करोड़ है, जिसमें 27.28 करोड़ सेंटेज शामिल हैं। लागत साझा व्यवस्था के तहत भारत सरकार का अंश 231.35 करोड़, राज्य सरकार का अंश 435.00 करोड़ तथा निकाय का अंश 27.76 करोड़ तय किया गया है। सेंटेज की पूरी राशि राज्य सरकार वहन करेगी। केंद्र, राज्य और निकाय की संयुक्त भागीदारी से परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन को गति मिलेगी। योजना के तहत 43,604 गृह संयोजनों से जुड़े सीवेज का शोधित निस्तारण किया जाएगा।

## गंगा किसान सहकारी चीनी मिल का होगा आधुनिकीकरण

**अमृत विचार, लखनऊ :** सरकार ने मुजफ्फरनगर के मोरना स्थित गंगा किसान सहकारी चीनी मिल के आधुनिकीकरण और पेराई क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट की मंजूरी के अनुसार मिल की मौजूदा क्षमता 2500 टीसीडी से पहले 3500 टीसीडी और इसके बाद 5000 टीसीडी तक बढ़ाई जाएगी। पुराने प्लांट और तकनीक के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था। नई आधुनिक मशीनरी लगने से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और संचालन अधिक कुशल होगा। इससे गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और समय से गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि क्षमता विस्तार से किसानों की आय बढ़ेगी, सहकारी चीनी मिल मजबूत होगी और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

# परिवहन विभाग के तीन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

### यूपी कैबिनेट बैठक : 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित, फेसलेस सेवाएं और ई-वाहनों को दी गई राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में परिवहन विभाग के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित करने और इसके लिए उप्र. परिवहन (अधीनस्थ) प्राविधिक सेवा (षष्ठम संशोधन) नियमावली, 2026 के प्रख्यापन को मंजूरी दी। इससे शीघ्र ही भर्ती/चयन प्रक्रिया शुरू होगी और सड़क सुरक्षा, प्रवर्तन व राजस्व वसूली को बल मिलेगा।

इसके साथ ही परिवहन सेवा ढांचे को विधिक मान्यता देने को उ.प्र. परिवहन सेवा (सप्तम संशोधन) नियमावली, 2026 को स्वीकृति मिली। परिक्षेत्रों का पुनर्गठन करते हुए गोरखपुर, बुंदेलखंड (झांसी) और अयोध्या में नए परिक्षेत्र गठित होंगे, जिससे निगरानी, क्रियान्वयन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। तीसरे प्रस्ताव में कर संरचना में सुधार, शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को पंजीकरण शुल्क/रोड टैक्स में 100 फीसदी छूट (नीति अवधि के 4वें-5वें वर्ष के लिए कार्योत्तर अनुमोदन) तथा परिवहन विभाग की चार सेवाओं- डीएल में जन्मतिथि संशोधन, पहाड़ी क्षेत्र में वाहन अनुमति, पंजीकरण संख्या रिटेंशन और गैर-उपयोग सूचना परमिट को फेसलेस मोड में लागू करने हेतु उप्र. मोटरयान (32वां संशोधन) नियमावली, 2026 को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक के बाद लोकभवन में पत्रकारों को निर्णयों की जानकारी देते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह।

## शहरी सुविधाओं के लिए विकास शुल्क प्रणाली में संशोधन

**अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में शहरी क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए विकास शुल्क की संशोधित प्रणाली लागू करने और इससे जुड़ी नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास नियमावली-2014 (यथा संशोधित 2021) में बदलाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से शहरी विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन अधिक प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से उपलब्ध हो सकेंगे। संशोधित विकास शुल्क प्रणाली के लागू होने से विकास प्राधिकरणों को अपनी विकास परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए स्थायी एवं मजबूत वित्तीय आधार मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार को गति मिलेगी।

## योगी कैबिनेट ने अजित पवार को दी श्रद्धांजलि

**अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिपरिषद ने विगत बुधवार को बारामती (महाराष्ट्र) में हुई विमान दुर्घटना में अजित पवार व अन्य लोगों के निधन को अत्यंत दुःखद बताया। कैबिनेट ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्माओं की शांति की कामना की। कैबिनेट ने कहा कि अजित पवार का असामयिक निधन अपूर्णीय क्षति है। स्व. पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्रिपरिषद ने कहा कि अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र की जनता से गहरा जुड़ाव रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने तथा महाराष्ट्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी।

## पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित 99 हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन का निर्णय

- प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश में रह रहे हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन को लेकर अहम और मानवीय निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जनपद मेरठ से जुड़े इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

यह प्रकरण मेरठ जिले की तहसील मवाना के ग्राम नंगला गोसाई से संबंधित है, जहां झील की भूमि पर लंबे समय से अवैध रूप से निवास कर रहे 99 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वासन का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, इन सभी परिवारों को जनपद कानपुर देहात की रसूलाबाद तहसील में बसाया जाएगा। पुनर्वासन के तहत ग्राम भैंसाया में पुनर्वास विभाग के नाम दर्ज 11.1375 हेक्टेयर (27.5097 एकड़) भूमि पर 50 परिवारों तथा ग्राम ताजपुर तरसौली में पुनर्वास विभाग के नाम अंकित 10.530 हेक्टेयर (26.009 एकड़) भूमि पर शेष 49 परिवारों को बसाया जाएगा। प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। यह भूमि प्रीमियम अथवा लीज रेंट पर 30 वर्ष के पट्टे पर दी जाएगी, जिसे आगे 30-30 वर्ष के लिए नवीनीकृत किया जा सकेगा। इस प्रकार पट्टे की अधिकतम अवधि 90 वर्ष होगी। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित होगा और विस्थापित परिवारों को सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी जीवन मिलेगा।

## कैबिनेट से स्वीकृत प्रस्ताव

- अमृत नगरीय एवं शहरी पर्यावरण मिशन 2.0 के अंतर्गत नगर निकायों में जलापूर्ति, सीवर एवं संबंधित शहरी अवसंरचना कार्यों हेतु केंद्रीय व राज्यांश सहित वित्तीय स्वीकृति।
- अमृत-2.0 के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में सीवरेज, ड्रेनेज एवं जल प्रबंधन परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान को मंजूरी।
- उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026 को लागू किए जाने की स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में जर्जर, अविकसित एवं अव्यवस्थित बस्तियों के पुनर्विकास एवं नियोजित विकास के प्रस्ताव को मंजूरी।
- शहरी गरीबों एवं मलिन बस्तियों के सर्वांगीण विकास हेतु अवसंरचना आधारित योजनाओं को स्वीकृति।
- मुरादाबाद जनपद में विज्ञान पार्क एवं तारामंडल की स्थापना हेतु मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था नामित करने का निर्णय।
- राज्य में विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा देने से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति।
- गन्ना किसान सहकारी चीनी मिलों की पेराई क्षमता बढ़ाने, तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिकीकरण से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी।
- गन्ना किसानों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी मिलों से संबंधित वित्तीय एवं प्रबंधन संबंधी निर्णय।
- राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना तथा मौजूदा मिलों के विस्तार से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति।
- जनपद लखीमपुर-खीरी में पेयजल आपूर्ति योजना के अंतर्गत जलशोधन संयंत्र, पाइपलाइन एवं संबंधित कार्यों को मंजूरी।
- वाराणसी में राज्य मार्ग संख्या-120 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य को स्वीकृति।
- देवरिया में राज्य मार्ग संख्या-79 के चौड़ीकरण एवं सड़क सुधार कार्य को मंजूरी।
- लोक निर्माण विभाग से संबंधित प्रमुख सड़कों के उन्नयन एवं यातायात सुधार प्रस्ताव को स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के निस्तारण/नियमन से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी।
- मुख्यमंत्री द्वारा घोषित राजस्व ग्रामों में आपदा/परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े प्रस्ताव।
- विस्थापित परिवारों को आवास, भूखंड एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित निर्णय।
- पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित हिंदू परिवारों के पुनर्वासन से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी।
- राज्य के विभिन्न विकास प्राधिकरणों से जुड़े प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति।
- शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने से संबंधित निर्णय।
- नगरीय एवं अधोसंरचना विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के नीतिगत एवं प्रशासनिक संशोधनों को मंजूरी।
- विभागीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण से जुड़े प्रस्ताव।
- राज्य सरकार की घोषणाओं के अनुपालन से संबंधित प्रस्ताव।
- विकास परियोजनाओं के लिए भूमि उपयोग/प्रबंधन से जुड़े निर्णय।
- पुनर्विकास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े विशेष मामलों को स्वीकृति।
- केंद्र सरकार से समन्वय से संबंधित योजनाओं के प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के वित्तीय दायित्वों से संबंधित प्रस्ताव।

## बहराइच के आपदा प्रभावित 136 परिवारों का होगा पुनर्वास

- नदी-वन्य क्षेत्र से घिरे भरथापुर गांव का होगा विस्थापन
- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मिलेंगे पक्के मकान

**अमृत विचार, लखनऊ :** बहराइच के राजस्व ग्राम भरथापुर में आपदा के स्थायी खतरे को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 136 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के क्रम में गुरुवार को कैबिनेट ने गांव को विस्थापित कर सुरक्षित स्थान पर बसाने की योजना को मंजूरी दे दी। पुनर्वास के बाद नई बसाई जाने वाली बस्ती का नामकरण मुख्यमंत्री की अनुमति से किया जाएगा।

भरथापुर गांव एक ओर गेरुआ नदी, दूसरी ओर कौड़ियाल नदी से घिरा है, जबकि उत्तर दिशा में वन्य जीव क्षेत्र और नेपाल सीमा स्थित है। सड़क संपर्क न होने के कारण ग्रामीणों को नाव से आवाजाही करनी पड़ती है, जिससे जान-माल का लगातार खतरा बना रहता है। 29 अक्टूबर 2025 को कौड़ियाल नदी में नाव पलटने से नौ लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने 2 नवंबर 2025 को हवाई सर्वेक्षण कर प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की घोषणा की थी, जिस पर अब कैबिनेट की औपचारिक मुहर लग गई है। आपदा प्रभावित परिवारों को ग्राम पंचायत सेमरहना, तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में पुनर्वासित किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1.70 हेक्टेयर भूमि राजस्व विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। प्रत्येक परिवार को आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान मिलेगा।

## हज के लिए स्वयं उड़ान बुक कर सकेंगे यात्री

- सुविधा 29 से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** आगामी हज-2026 के लिए हज यात्री अब अपनी व्यक्तिगत लॉगइन के माध्यम से हज कमेटी की वेबसाइट (hajcommittee.gov.in) या हज सुविधा ऐप के जरिए उड़ानें स्वयं बुक कर सकते हैं। यह सुविधा पूरी तरह वैकल्पिक है और इसका उद्देश्य केवल यात्रियों को अपनी पसंद के अनुसार उड़ान बुक करने का अवसर देना है।

यह जानकारी गुरुवार को उप्र. हज यात्रा कमेटी के सचिव-कार्यपालक अधिकारी एसपी तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2026 के लिए हज यात्रियों के लिए ऑनलाइन सेल्फ बुकिंग सुविधा शुरू की है। सीईओ एसपी तिवारी ने बताया कि यह सुविधा 29 जनवरी से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध रहेगी और बुकिंग सीट की उपलब्धता व उड़ान क्षमता के अनुसार ही होगी। एक बार बुकिंग हो जाने के बाद यात्रा या उड़ान की तिथि में कोई बदलाव संभव नहीं होगा। इस दौरान किसी प्रकार के विशेष अनुरोध पर हज कमेटी विचार नहीं करेगी।

## राष्ट्रपति के अभिभाषण में व्यवधान लोकतंत्र का अपमानः चौधरी

**अमृत विचार, लखनऊ :** केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संसद के बजट सत्र के प्रथम दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान हुए व्यवधान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन द्वारा किया गया हंगामा न केवल संसदीय मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र का भी अपमान है। चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों, प्राथमिकताओं और उपलब्धियों का संवैधानिक प्रस्तुतीकरण होता है। ऐसे गरिमामय अवसर पर जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करना सर्वोच्च संवैधानिक पद के प्रति असम्मान को दर्शाता है।

## एफएलसीआरपी को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

- ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत-2047 विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण वित्तीय साक्षरता को सशक्त बनाया जा रहा है। उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रदेशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत 1650 वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (एफएलसीआरपी) को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को बताया कि यह दो दिवसीय रिफ्रेशर एवं ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित जिलों के ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता, तकनीकी ज्ञान और डिजिटल बैंकिंग की समझ को मजबूत करना है, ताकि वे सरकारी वित्तीय योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं को प्रभावी ढंग से आम लोगों तक पहुंचा सकें। यह प्रशिक्षण उन एफएलसीआरपी को दिया जाएगा, जो कम से कम एक वर्ष से निरंतर सेवा दे रहे हैं।

## फरवरी से फिर चलेगा 100 दिन का सघन टीबी रोगी खोज अभियान

राज्य स्तरीय कार्यशाला में मौजूद अपर मुख्य सचिव अमित घोष, एनएचएम मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल व अन्य अधिकारी।

- टीबी मुक्त उप्र. विषयक राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने सीएसआर अंतर्गत आईओसीएस के सहयोग से राज्य को चार मॉड्यूल के साथ 74 टूनैट मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे त्वरित और सटीक टीबी जांच को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 75 एआई-सक्षम हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनों के लिए क्रय आदेश (परचेज ऑर्डर) जारी किए जा चुके हैं, जो भविष्य में टीबी स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान की क्षमता को और मजबूत करेंगे।

यह जानकारी अपर मुख्य सचिव ने गुरुवार को राजधानी स्थित निजी होटल में राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में दी। इस अवसर पर टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश पर आधारित ई-न्यूजलेटर का विमोचन भी किया गया। उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान को नई गति देने के लिए प्रदेश में फरवरी से एक बार फिर 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 930 नैट मशीनें कार्यरत हैं, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित की जा रही है। एनएचएम मिशन निदेशक डॉ.पिंकी जोवेल ने बताया कि वर्ष 2015 की तुलना में प्रदेश में टीबी की नई दर में 17 प्रतिशत कमी आई है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने बताया कि फरवरी से शुरू होने वाले अभियान में सांसदों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य और निकट आएगा। कार्यशाला में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन, परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ.पवन कुमार अरूण, समेत अन्य संबन्धित विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

## उप्र. हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ टॉप पर, टीकाकरण में शत प्रतिशत स्कोर

**अमृत विचार, लखनऊ :** स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी उत्तर प्रदेश हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ ने दिसंबर 2025 में प्रदेश भर में पहला स्थान हासिल किया है। राजधानी लखनऊ को इस रैंकिंग में 0.68 का कंपोजिट स्कोर प्राप्त हुआ है। प्रयागराज, श्रावस्ती, गोरखपुर, महाराजगंज और हाथरस क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि मातृ स्वास्थ्य, बच्चों के टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन के चलते लखनऊ को यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि पूर्ण टीकाकरण और गर्भावस्था के दौरान एचआईवी जांच के मामले में जनपद को शत-प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। ब्लॉकों के प्रदर्शन की बात करें तो बख्शी का तालाब, माल और मोहनलालगंज ब्लॉक सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले रहे हैं।

इसके साथ ही कई ब्लॉकों ने पिछले महीने की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। चिनहट ब्लॉक ने रैंकिंग में सबसे अधिक सुधार किया है, वहीं माल ब्लॉक में परिवार नियोजन के स्थायी साधनों को अपनाने के संकेतक में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि इस उपलब्धि के लिए जिला स्तर से लेकर फील्ड में कार्य कर रहे सभी स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। यह सफलता टीमवर्क, नियमित निगरानी और डाटा आधारित योजना का परिणाम है।

## सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा शिकायती ज्ञापन

**अमृत विचार, लखनऊ :** सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत की है। उन्होंने मांग की है कि संबन्धित मामलों का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। गुरुवार को दिए गए ज्ञापन में रायबरेली की ऊंचाहार और सरेनी विधान सभा क्षेत्रों में नो-मैपिंग मतदाताओं को गंभीर परेशानियों का सामना करने का आरोप लगाया गया है। दीनशाह गौरा विकास खंड में प्रतिदिन सैकड़ों मतदाताओं को बिना सुनवाई के लौटाया जा रहा है।

उपलब्धि | बागपत में 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी प्रतिकृति बनी यूपी के नवाचार की नई पहचान

# कचरे को रिसाइकिल कर बना अनोखा संविधान पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** संविधान को जन-जन तक सहज और जीवंत रूप में पहुंचाने की दिशा में बागपत ने नई मिसाल कायम की है। बड़ौत नगर पालिका परिसर में विकसित संविधान पार्क में बच्चे खेल-खेल में संविधान के मूल्यों को समझ रहे हैं, युवा अपने अधिकारों-कर्तव्यों से जुड़ रहे हैं और आमजन स्वस्थ जीवन के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा ले रहा है। कचरे को रिसाइकिल कर तैयार यह पार्क "वेस्ट टू वेल्थ" की अवधारणा को साकार करता है।

बागपत के बड़ौत नगर पालिका परिसर में बना संविधान पार्क।

पार्क की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित संविधान की विराट प्रतिकृति है। पूरी तरह रिसाइकल्ड सामग्री से बनी 600 किलोग्राम वजनी यह संरचना 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी है, जिसमें संविधान की मूल प्रस्तावना को प्रभावशाली ढंग से उकेरा गया है। यह प्रतिकृति न्याय, समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के संदेश को प्रतीकों के माध्यम से सरलता से समझाती है। संविधान पार्क को केवल हरियाली या टहलने की जगह तक सीमित नहीं रखा गया है। इसे ओपन क्लासरूम और स्ट्रीट लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया गया है, जहां अधिकारों-कर्तव्यों के बोर्ड, बुक प्वाइंट, पुस्तकालय और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां मौजूद हैं। बच्चों के लिए यह सीखने का आनंददायक माध्यम है, तो बुजुर्गों और युवाओं के लिए मानसिक-बौद्धिक समृद्धि का केंद्र। पार्क में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चरखा आत्मनिर्भर भारत की भावना को जीवंत करता है। वहीं बागपत के प्राचीन नाम 'व्याघप्रस्थ' की थीम पर बना वाटर कियोस्क इतिहास और संस्कृति से जुड़ाव का संदेश देता है।

### देश के लिए प्रेरक मॉडल : डीएम

जिलाधिकारी अस्मिता लाल के अनुसार, यह पहल बेहतर सेहत के साथ नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की समझ देती है। यह सोच योगी आदित्यनाथ की उस विकास दृष्टि को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें आधुनिकता के साथ संस्कार, सेहत के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और विकास के साथ संविधान को जोड़ा गया है। बागपत का संविधान पार्क आज केवल जिले की पहचान नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरक मॉडल बनकर उभर रहा है।

## संपत्ति पंजीकरण में आधार प्रमाणीकरण 1 फरवरी से

- सभी उप निबंधक कार्यालयों में आधार आधारित पहचान सत्यापन अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** प्रदेश सरकार संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इसके तहत आधार आधारित प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से लागू की जा रही है, जिससे फर्जी रजिस्ट्रियों और छद्म व्यक्तियों के जरिए होने वाले भूमि घोटालों पर प्रभावी रोक लगेगी।

स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा-69 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2024 को प्रवृत्त किया गया है। इसके तहत आधार संख्या धारकों की पहचान ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और ई-हस्ताक्षर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विलेख पंजीकरण के दौरान निष्पादकों, पक्षकारों और गवाहों की पहचान के लिए आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों में अनिवार्य रूप से लागू कर दी जाएगी।

# अमृत विचार

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अगर तुम सूरज के चले जाने पर रोओगे, तो तुम्हारे आंसू तुम्हें तारे देखने से रोक देंगे।
–**रवींद्रनाथ टैगोर**, साहित्यकार



## दुर्घटना और सवाल

महाराष्ट्र को उपमुख्यमंत्री के बतौर सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अजित पवार का हवाई दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। उनके साथ स्टॉफ पायलट, को-पॉयलट समेत पांच लोगों की मृत्यु ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सीबीआई और अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा गहन जांच की मांग को 'राजनीति प्रेरित' करार देना उचित नहीं। किसी भी वीआईपी विमान हादसे में पारदर्शी, बहु-एजेंसी तथ्य-आधारित और समयबद्ध जांच विश्वास बहाली का आवश्यक साधन होती है। लीयरजेट अपेक्षाकृत सुरक्षित जेट विमान माने जाते हैं। संबंधित भारतीय निजी कंपनी को भी डीजीसीए के फरवरी 2025 के ऑडिट में बेदाग पाया गया था। मुख्य पायलट के 15 हजार घंटे और सह-पायलट के 1500 घंटे का अनुभव कम नहीं है। अंतिम क्षणों में विमान गिर पड़ा।

यह परिदृश्य तीन आशंकाओं की ओर इशारा करता है। पहला- अचानक तकनीकी खराबी जैसे कंट्रोल सरफेस या हाइड्रोलिक्स या इंजन का असंतुलन, दूसरा-माइक्रोबर्स्ट या विंड-शियर जैसी चुनौती, तीसरा- अंतिम क्षण में निर्णय या कॉन्फ़िगरेशन की त्रुटि। निष्कर्ष के लिए एफडीआर-सीवीआर विश्लेषण ही निर्णायक होगा, लेकिन एयर इंडिया की त्रासदी के महज सात महीने बाद यह हादसा उड्डयन सुरक्षा पर सवाल तो खड़े ही करता है। देश में रोज़ाना पांच लाख से अधिक यात्री उड़ान भरते हैं। हवाई यात्रा अब भी सबसे सुरक्षित परिवहन है, पर जुलाई 2012 से नवंबर 2025 के बीच 112 एक्सीडेंट और 128 गंभीर घटनाएं दर्ज हुईं; छोटे विमानों में जानलेवा हादसों की दर वाणिज्यिक विमानों से 10 से 50 गुना अधिक बताई जाती हैं। इसका अर्थ है कि जनरल एविएशन के मानक शायद छोटे विमानों के लिए कमर्शियल एविएशन के समकक्ष कठोर नहीं हैं। लीयरजेट-45 के 1998 से अब तक आठ बड़े हादसों और 29 मौतों का रिकॉर्ड, तथा सितंबर 2023 में मुंबई में रनवे से फिसलने की घटना, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है, पारदर्शिता की कमी की ओर संकेत करती है। समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो सुधारात्मक कदम और सीख सामने आते। बारामती एयरपोर्ट की लोकेशन, सीमित संसाधन और बार-बार प्रशिक्षण विमानों की दुर्घटनाएं यह संकेत है कि बुनियादी ढांचे और जोखिम-आकलन में तत्काल सुधार जरूरी है। मैंगलोर, कोझिकोड, इंफाल, लेह जैसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डों पर रनवे सेफ्टी एरिया, ईएमएएस, उन्नत आईएलएस और जीपीएस-आधारित एप्रोच, रियल-टाइम वेदर रडार और विंड-शियर अलर्ट अनिवार्य किए बिना नित नए एयरपोर्ट खोलना विवेकपूर्ण नहीं है।

डीजीसीए को जनरल एविएशन के लिए अनिवार्य सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा-शेयरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट, पुराने विमानों की चरणबद्ध समीक्षा, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण की न्यूनतम घंटों की बाध्यता और 'नो-फॉल्ट' सेफ्टी रिपोर्टिंग संस्कृति को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार को एएआई और राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में प्राथमिकता तय करके काम करना होगा, पहले सुधार, फिर विस्तार। यदि इससे सबक लेकर सुरक्षा ढांचा सुदृढ़ किया जाए, तो यही दुर्घटना के दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

### प्रसंगवश

## जन भवनः लोकतांत्रिक चेतना का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश में 'राजभवन' का 'जन भवन' के रूप में पुनर्संस्कार, स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन नागरिक गरिमा और सहभागिता को शासन के केंद्र में स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है। राजनीति के व्याकरण को 'अधिकार' से 'कर्तव्य' की ओर मोड़ने वाला यह निर्णय, दरअसल सत्ता के चरित्र को 'शासक' से 'सेवक' के रूप में ढालने का वह वैचारिक साहस है, जो लोकतंत्र को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'राजभवन' को 'जन भवन' के रूप में नामित किया जाना मात्र एक प्रतीकात्मक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को पुनः स्मरण कराने वाला एक सशक्त वैचारिक संकेत है। यह निर्णय शासन और जनता के बीच संबंधों को नई, अधिक मानवीय परिभाषा देने की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जो सत्ता के चरित्र और उद्देश्य पर गहन पुनर्विचार की मांग करता है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
लेखक

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह समाज की चेतना और दृष्टि को भी आकार देती है। 'राजभवन' शब्द अपने भीतर सत्ता की भव्यता, कठोर प्रोटोकॉल और शासक-शासित के बीच खिंची एक अदृश्य किंतु सुदृढ़ दीवार का बोध कराता है। इसके विपरीत 'जन भवन' उस दीवार को भेदते हुए शासन के केंद्र में 'लोक' की प्रतिष्ठा का संकेत देता है। यह परिवर्तन सत्ता को उत्तरदायित्व, सहभागिता और सेवा से जोड़ता है तथा यह प्रश्न करता है कि स्वतंत्रता के अमृत काल में हमारी सत्ता अब भी 'राज' का विस्तार बनी हुई है या वह वास्तव में 'जन' की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बन पाई है।

आचार्य चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' में यह स्पष्ट किया है कि शासक का सुख जनता के सुख में और उसका हित जनता के हित में निहित है। यह सूत्र सत्ता को नैतिक अनुशासन और उत्तरदायित्व के कठोर मानकों से बांधता है। सम्राट अशोक इस दर्शन के सर्वाधिक प्रेरक उदाहरण हैं। कलिंग युद्ध के पश्चात उन्होंने विजय और दमन की नीति त्यागकर प्रशासन को जनकल्याण की दिशा में मोड़ा और यह घोषणा की कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकती है। 'जन भवन' की अवधारणा इसी संवेदनशील परंपरा का आधुनिक रूपांतरण प्रतीत होती है।

आधुनिक भारत में महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसी विचार को सामाजिक न्याय के धरातल पर उतारा। उनके लिए राजनीति का उद्देश्य महलों की चमक बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के दुख को कम करना था। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि किसी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन महलों की रोशनी से नहीं, बल्कि गरीब की झोपड़ी में घटते अंधकार से होना चाहिए। इसी वैचारिक यात्रा की निरंतरता में सत्ता के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा स्वयं को 'प्रधान सेवक' के रूप में परिभाषित करना इस बात का संकेत है कि जब सत्ता स्वयं को स्वामी के स्थान पर सेवक मानने लगती है, तब नीतियां कागजों से निकलकर सीधे जनजीवन की पीड़ा और आवश्यकताओं से जुड़ने लगती हैं।

'जन भवन' की सार्थकता केवल नाम परिवर्तन से सिद्ध नहीं होगी। इसे वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए प्रशासनिक कार्यशैली में बुनियादी और जमीनी सुधार अनिवार्य हैं। वास्तविक परिवर्तन तब दिखाई देगा, जब अधिकारियों के आचरण में जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता झलके और नीति-निर्माण में केवल आंकड़ों के बजाय सक्रिय जन-भागीदारी को स्थान मिले।

# आम बजट 2026 खुशहाली की आस में मध्यवर्ग

विवेक सक्सेना
अयोध्या

आम बजट 2026 में महज कुछ ही दिन शेष हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार हो रहे बजट में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। हर साल बजट का दिन आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। इस बार भी 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है। पिछले बजट में कई मांगें अधूरी रह गई थीं, अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार आम जनता को क्या बड़ी राहत देती है।

आम आदमी को आयकर में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के बावजूद टैक्स ग्रोथ केवल 6.8% रही, जबकि उम्मीद 21.6% थी। इससे सरकार को खर्च के लिए नए स्रोत तलाशने पड़े। हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसके लिए एक आधार बनाकर समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं।

वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा। ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहन हमारी नीतियों के केंद्र में होना चाहिए। सरकार की मंशा एक सीमित वर्ग से कर वसूली के बजाय करों के दायरे का विस्तार करने की होनी चाहिए। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

टैक्स कलेक्शन उम्मीद से कम रहने पर सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ा। ऐसे में इस बार टैक्स रिबेट या बड़े स्लैब बदलाव की संभावना कम है। सरकार छोटे-छोटे सुधार, लिमिटेड कटौती और रिबेट ट्यूनिंग के जरिए आम आदमी को थोड़ी राहत दे सकती है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण और राजस्व जुटाने की प्राथमिकता पहले रहेगी। दूसरी ओर, राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ वैट या सेवा शुल्क में बदलाव की संभावना है, जिससे रोजमर्रा की चीजों की कीमत पर असर पड़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी और टैरिफ में संभावित बदलाव के चलते पेट्रोल-डीजल, गैस और बिजली पर राहत कम दिख रही है। ऐसे संकेत हैं कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ेगा, जिससे सड़क, रेल, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। यह आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। सरकार स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल स्किल्स पर जोर दे सकती है। छोटे-मध्यम व्यवसायों के लिए आसान क्रेडिट पॉलिसी और निवेश पैकेज ला सकती है। इसका सीधा असर नौकरी और व्यवसाय के नए अवसरों में दिखेगा।

लग्जरी और इम्पोर्टेड आइटम महंगे हो सकते हैं, ताकि कैपेक्स और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सके। एक संभावना यह है कि सरकार विनियमन यानी नियमों को और सरल-सुगम बनाने की राह पर ही आगे बढ़े। अच्छे परिदृश्य पर चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी।

कुछ ही दिन पहले आए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में 8.2 प्रतिशत की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। कुछ अपवाद को छोड़ दिया जाए तो महंगाई का रुख भी नरम है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है, लेकिन असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कॉरपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। ऐसे में सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है।

जाहिर है कि सरकार को या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। बाहरी मोर्चे पर स्थितियां नियंत्रण में अवश्य, लेकिन जोखिम से मुक्त नहीं हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं कभी भी संकट खड़ा कर सकती हैं। तमाम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पूंजी प्रवाह को लेकर अस्थिरता का सामना कर रही हैं।

डालर के मुकाबले गिरता रुपया भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ ने भी चिंताओं को और बढ़ाने का काम किया है। बजट में वित्त मंत्री को इन चिंताओं का संज्ञान लेना होगा। इसमें कर वृद्धि अनुमान को लेकर बहुत सावधानी बरतनी होगी। उधारी की योजनाओं को लेकर भी सतर्कता आवश्यक होगी, ताकि ब्याज अदायगी को लेकर अतिरिक्त बोझ न बढ़े।

आम बजट आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है।

### आमने

मुझे अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। जब राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा की क्या बात की जाए। दो दिन पहले मुझे पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं और आज यह घटना हो गई।
–**ममता बनर्जी**
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

### सामने

ममता बनर्जी निराश और हताश लग रही हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले पश्चिम बंगाल चुनावों में उनकी हार होने वाली है, इसीलिए वह इतने गुस्से में प्रतिक्रिया दे रही हैं। अपनी निराशा और हताशा में वह ऐसे कदम उठा रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
–**नरेश बंसल**
भाजपा सांसद

# विकास की वेदी पर 'निकोबार' के आदिवासी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप समूह आज एक ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं और दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार। केंद्र सरकार की 72,000 करोड़ की 'ग्रेट निकोबार होलिस्टिक डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' को लेकर स्थानीय 'निकोबारी जनजातीय परिषद' ने जो मोर्चा खोला है, वह केवल पर्यावरण बचाने की मुहिम नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और कानूनी अधिकारों को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

यह स्थान समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों की एक असाधारण विविधता का घर है। सरकार के अनुसार, यह दुनिया में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में से एक है। यहां धरती की सबसे पुराने आदिवासी आबादी रहती है। क्या विकास का नया मॉडल इन सभी नैसर्गिक उपहारों का दुश्मन बन जाएगा? भूमि से दूर हिंद महासागर के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित 572 द्वीपों का समूह अंडमान निकोबार इन दिनों ऐसे ही द्वंद से गुजर रहा है है। ये द्वीप इंडोनेशिया और थाईलैंड के निकट स्थित हैं। 2013 में इसे यूनेस्को के जैवमंडल कार्यक्रम (ह्यूमन एंड बायोस्पियर प्रोग्राम) में शामिल किया गया था। आज वहां कंक्रीट के साथ बाहरी लोगों को बसाने की योजना तैयार की जा रही है, वह भी पर्यावरणीय कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं।

निकोबारी आदिवासियों के विरोध का सबसे बुनियादी और भावुक मुद्दा उनकी पैतृक भूमि है। 2004 की सुनामी ने निकोबार के भूगोल और समाज को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने तटीय गांवों, विशेष रूप से चिनगेनह (Chingenh), पुलो बाहा (Pulo Baha), और कोकेओन (Kokeon) के निवासियों को अस्थायी शिविरों और पुनर्वास बस्तियों (जैसे कैंपबेल बे) में भेज दिया था।

ग्रेट निकोबार के जनजातीय परिषदाध्यक्षों का आरोप है कि उन्हें द्वीप के पश्चिमी तट पर अपनी पुश्तैनी ज़मीनें छोड़ देने के प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, ताकि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के विकास को अनुमति दी जा सके। 22 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्वीप पर जनजातीय समितियों के प्रमुखों की तरफ से श्री बरनबास मंजु ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें सात जनवरी को एक बैठक के लिए बुलाया और फिर द्वीप के विकास के समर्थन के रूप में दिखाने के लिए उन्हें सरेंडर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने को कहा गया, जिसका वे 2022 से विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट, एक बड़ा टाउनशिप, एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 81,000 करोड़ (810 अरब) बताई गई है। यह भूमि 2004 के सुनामी तक 27 गांवों में निकोबारी लोगों द्वारा आबाद थी, जिसके बाद उन्हें फिर से बसाया गया और कैंपबेल बे के निकट ऊपरी पूर्वी तट पर राजीव नगर और न्यू चिंगेनह बस्तियों में स्थानांतरित किया गया। 'जब हमें पुनर्वासित किया गया था, तो हमें वादा किया गया था कि हम वापस आ सकेंगे।"

निकोबारी जनजातीय परिषद का तर्क है कि दो दशकों से वे अपनी इन पैतृक जमीनों पर वापस लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके लिए ये जमीनें केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की समाधियां, उनके पवित्र नारियल के बागान और उनकी सांस्कृतिक विरासत हैं। सरकार की नई योजना के तहत, इन्ही जमीनों पर अब 'कंटेनर टर्मिनल' और 'हवाई पट्टी' प्रस्तावित है। परिषद का आरोप है कि उन्हें अपनी ही जमीन से हमेशा के लिए बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

हाल ही में विरोध तब और उग्र हो गया जब यह बात सामने आई कि स्थानीय प्रशासन आदिवासियों से उनकी पैतृक भूमि के अधिकार छोड़ने के लिए 'सरेंडर सर्टिफिकेट' पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है। जनजातीय परिषद ने स्पष्ट किया है कि सुनामी के बाद उन्हें केवल 'सुरक्षा' के लिए हटाया गया था, न कि उन्होंने अपनी जमीन का मालिकाना हक सरकार को सौंप दिया था। परिषद का कहना है कि प्रशासन यह भ्रम पैदा कर रहा है कि आदिवासी अपनी मर्जी से जमीन छोड़ रहे हैं, जबकि हकीकत में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है या विकास का झूठा लालच दिया जा रहा है।

निकोबारी परिषद के विरोध का सबसे मजबूत कानूनी आधार 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' है। कानून के अनुसार, किसी भी विकास कार्य के लिए ग्राम सभा की 'स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति' (Free, Prior and Informed Consent) अनिवार्य है। परिषद ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को लिखे पत्रों में आरोप लगाया है कि प्रशासन ने फर्जी तरीके से यह रिपोर्ट दी कि आदिवासियों के अधिकारों का निपटारा कर दिया गया है।

ग्रेट निकोबार द्वीप समूह ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं, दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार।

### सोशल फोरम

## ऋत्विक की 'मेघे ढाका तारा'

ऋत्विक घटक की कालजयी फिल्म 'मेघे ढाका तारा' को उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर देखना एक सिनेमाई अनुभव भर नहीं है, वह एक गहरा, लगभग आध्यात्मिक पुनर्मिलन था— जैसे बरसों से बिछुड़ी किसी आत्मीय आवाज़ की प्रतिध्वनि अचानक भीतर के सबसे शांत कोने तक पहुंच जाए। यह फिल्म एक कथा भर नहीं कहती, यह उस सभ्यता की सामूहिक चीख है, जो अपने विकास की अंधी दौड़ में सबसे करुण, सबसे समर्पित आत्माओं को ही बलि वेदी पर चढ़ा देती है। यह उन दबे हुए रुदनों का कोलाज है, जिन्हें समाज ने अपनी सुविधाजनक चुप्पियों की दीवारों में चुन दिया है। नीता की अनसुनी सिसकियां, उसका निरंतर टलता हुआ जीवन, उसका त्याग जो किसी पुण्य की तरह नहीं, एक धीमी आत्म-क्षरण की तरह घटित होता है।

डॉ. उर्वशी
लेखिका

'मेघे ढाका तारा' देश-विभाजन की त्रासदी पर बनी घटक की त्रयी का पहला अध्याय है, पर यहां विभाजन भूगोल से अधिक मनुष्य के भीतर घटता है। नक्शों की रेखाएं यहां दिलों की दरारों में बदल जाती हैं। पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर कोलकाता के उपनगर में बसे एक शरणार्थी परिवार की कहानी में नीता एक साधारण पात्र नहीं, पूरे परिवार की रीढ़ है। पढ़ी-लिखी, स्वप्नशील, पर परिस्थितियों से जकड़ी हुई।

वह पिता की बीमारी का खर्च उठाती है, भाइयों की पढ़ाई चलाती है, घर की आर्थिक धुरी बनी रहती है। मां की कटुता सहती है और अपने प्रेम को बार-बार टाल देती है— जैसे अपने जीवन के हिस्सों को मोमबत्ती की तरह पिघलाकर दूसरों को उजाला देती जा रही हो। पर यह उजाला उसे नहीं बचाता; उसका शरीर, जो आत्मा का मंदिर होना चाहिए था, त्याग की नमी से गलने लगता है।

क्षय रोग उसकी देह में उसी तरह घर करता है जैसे अवहेलना उसके जीवन में। और प्रेम? वह भी उसके लिए कोई शरण नहीं बनता। उसकी ही बहन गीता चुपचाप उसके प्रिय को अपने हिस्से कर लेती है। यहां प्रेम नियति नहीं, अवसर है और अवसर हमेशा संवेदनशीलों के हिस्से नहीं आते।

घटक इस कथा को रचते नहीं, वे उसे जीते हैं। प्रकाश और अंधकार का उनका शिल्प किसी शास्त्रीय संगीत की रचना-प्रक्रिया जैसा है। कहीं संगीत अचानक फट पड़ता है, कहीं एक गहरी चुप्पी पूरे दृश्य का बोझ उठा लेती है। नीता की धीमी सिसकी, मां की खीझती सांसें, शंकर का स्वर— सब मिलकर एक ऐसा समवेत विलाप रचते हैं जो निजी होकर भी सामूहिक है, जैसे युगों से दबा कोई स्त्री-राग पहली बार खुलकर सुनाई दे रहा हो।

### सामयिकी

## समय को बांध लेने वाले अजित का असमय जाना

पिछले एक दशक में भाजपा के तूफान में देश के कई राजनीतिक जहाज क्रैश होते दिखे। महाराष्ट्र की राजनीति का पर्याय शिवसेना भी टूट-फूट कर बिखर गई। कांग्रेस का भी बुरा हाल हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बिखराव का शिकार हो गई। सूबे में दशकों से जमे-जमाए नेताओं का जनाधार बौना पड़ने लगा। ऐसे में अपने अपने क्रैश जहाज से जिंदा बचने का एक ही रास्ता था। बग़ावत कर भाजपा के साथ आ जाना। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार अपने चाचा और देश के सबसे वरिष्ठ सक्रिय नेता शरद पवार से बगावत कर भाजपा के कुनबे में शामिल हो गए। ऐसा ही कुछ शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने किया। ये लोग विपक्ष के मरुस्थल से सत्ता की ताकत में बने रहे।

महाराष्ट्र सहित पूरे देश के सबसे वरिष्ठ और सक्रिय राजनीतिज्ञ शरद पवार की राजनीतिक दक्षता से भी चार कदम आगे थे उनके भतीजे अजित पवार। भाजपा की सुनामी ने जब महाराष्ट्र में शिवसेना तक को निगल लिया, ऐसे में सत्ता में खुद का राजनीतिक अस्तित्व टॉप टू में क़ायम रख पाना कोई मामूली बात नहीं थी। राजनीति में तोड़ना, जोड़ना, क्षमा, वफ़ा, दगा, छल-कपट सब जायज है। सियासत की यही खूबियां हैं। यहां कभी-कभी नकारात्मकता ही सकारात्मकता बन जाती है। अनैतिक फैसलों के बिना नेता न आगे बढ़ सकते हैं और न विरोधी से बच सकते हैं। सियासत के यही सिद्धांत हैं कि अपनी ताकत और नीतियों से सामने वाले को खत्म कर दो, दूसरा अधिक ताकतवर है और उसे पराजित करने में फिलहाल सक्षम नहीं हो, तो उससे हाथ मिला लो। उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह बन जाओ।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

दादा कहे जाने वाले अजित पवार जानते थे कि सियासत में जनता से कनेक्ट रहें, जन विश्वास बनाए रहे तो जनाधार बना रहेगा और जनाधार व जनसमर्थन हो तो विचारधारा, पार्टी और सिद्धांतों को भी बदल लें तो भी फर्क नहीं पड़ता। अजित पवार कम बोलते थे, लेकिन उनका काम ज्यादा बोलता था। उनके करीबी संबंध हर पार्टी के नेता से थे। जनता से जुड़े रहना और अपनी जमीन से रिश्ता कायम रखना दादा की खूबी थी।

जब महाराष्ट्र के बड़े-बड़े दिग्गजों की राजनीति खत्म हो गई, सबका राजनीतिक जहाज क्रैश हो गया, ऐसे में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार की सियासत के क्रैश जहाज से जिंदा बच निकलकर उप मुख्यमंत्री पद पर काबिज थे। वाकई दिवंगत अजित दादा में अदभुत खूबियां थीं। जनता के बीच रहने वाले जमीनी जनाधार वाले नेता तो थे ही, सियासत के सबसे बड़े हुनर दांव-पेंच और उलटफेर में माहिर थे। उन्होंने साबित किया था कि पार्टी और पार्टी की विचारधारा से कहीं ज्यादा जनाधार की ताकत होती है।

जब कभी महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र होगा तो कांग्रेस तोड़ कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार और एनसीपी के दो फाड़ करने वाले उनके भतीजे अजित पवार ज़रूर याद किए जाएंगे। चाचा बड़े पवार से अजित ने सियासत के सारे दांव-पेच सीखे। यही वजह रही कि चाचा से अलग होने के बावजूद वह अपना वजूद बनाए रखने में कामयाब रहे। यह बात दीगर है कि समय की नब्ज को पहचानने वाले अजित असमय दुनिया से विदा हो गए।

**हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है**
**जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा**

इस पुराने शेर को सत्य साबित कर अजित दादा राजनीति के विद्यार्थियों को संदेश दे गए कि खुद में दम हो तो सत्ता आपके कदमों की आहट का इंतजार करती है।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

## खोज

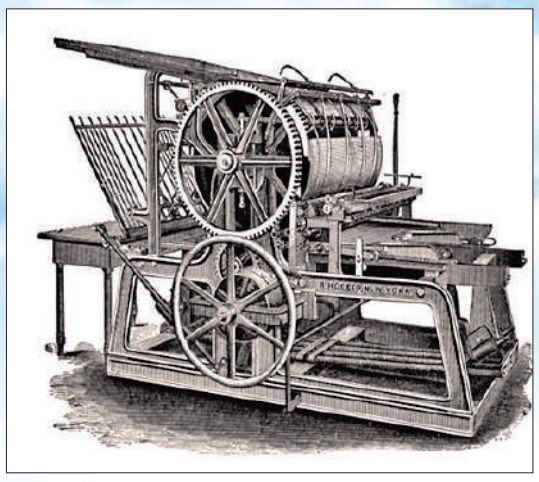

# प्रिंटिंग मशीन

जर्मनी के मेंज (माइंस) शहर में वर्ष 1398 में जन्मे योहानेस गटेनबर्ग ने मानव इतिहास की सबसे क्रांतिकारी खोजों में से एक प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। पंद्रहवीं सदी तक पुस्तकों की दुनिया पूरी तरह हाथ से लिखी गई पांडुलिपियों और लकड़ी के गुटकों से होने वाली छपाई पर निर्भर थी। यह प्रक्रिया न केवल अत्यंत धीमी थी, बल्कि महंगी और सीमित भी थी। गटेनबर्ग ने इसी जटिल और श्रमसाध्य व्यवस्था को बदलने की नींव रखी। वर्ष 1439 में गटेनबर्ग ने मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। यह तकनीक अपने समय से कहीं आगे थी, क्योंकि इसमें लकड़ी के अक्षरों के स्थान पर धातु (मेटल) से बने अलग-अलग अक्षरों का उपयोग किया गया था। इन अक्षरों को जरूरत के अनुसार बदला और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। यही विशेषता इस मशीन को पहले की सभी छपाई तकनीकों से अलग और अधिक प्रभावशाली बनाती थी।

गटेनबर्ग की प्रिंटिंग प्रेस की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि 1456 में सामने आई, जब जर्मनी के माइंस शहर में उनकी प्रेस से बाइबिल की पहली मुद्रित प्रति प्रकाशित हुई। इसे आज भी मुद्रण इतिहास की अमूल्य धरोहर माना जाता है। इस मशीन की एक बड़ी खासियत यह थी कि इससे किसी भी प्रकार के कागज पर साफ, स्पष्ट और तेज छपाई संभव हो सकी। जहां पहले की तकनीकों से दिनभर में केवल 40 से 50 पृष्ठ ही छप पाते थे, वहीं गटेनबर्ग की प्रिंटिंग मशीन से प्रतिदिन 1,000 से अधिक पृष्ठों की छपाई संभव हो गई। इस आविष्कार ने न केवल पुस्तकों को सस्ता और सुलभ बनाया, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और विचारों के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी। यह आविष्कार केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक क्रांति की शुरुआत भी था। मुद्रण के कारण ज्ञान सस्ता हुआ, शिक्षा का प्रसार हुआ और विचारों का आदान-प्रदान तेज हुआ।

### वैज्ञानिक के बारे में

योहानेस गटेनबर्ग को यूरोप के इतिहास में उस व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ज्ञान की दुनिया को आम लोगों तक पहुंचाने का रास्ता खोला। वे जर्मनी के मेंज (Mainz) शहर में जन्मे थे और पेशे से सुनार, आविष्कारक और मुद्रक थे। गटेनबर्ग का सबसे बड़ा योगदान था चल अक्षरों (Movable Type) वाली मुद्रण मशीन का विकास, जिसने पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया। उनका आविष्कार मानव सभ्यता के उन दुर्लभ मोड़ों में से एक है, जिसने सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

# स्फीयर: रोमांचकारी अनुभव और मनोरंजन का मंच

कल्पना कीजिए आप एक विशाल सभागार में बैठे हैं। रोशनी धीमी पड़ती है और अचानक ऐसा लगता है मानो छत गायब हो गई हो। आपके ऊपर अनंत ब्रह्मांड फैल जाता है- तारे, आकाशगंगाएं, घूमते ग्रह। आप सिर्फ देख नहीं रहे, बल्कि उस दृश्य के भीतर मौजूद हैं। चेहरे पर ठंडी हवा का अहसास होता है, कुर्सी के नीचे हल्का कंपन महसूस होता है और कानों में आती आवाज इतनी साफ कि लगता है कोई आपके बिल्कुल पास खड़ा होकर बोल रहा हो। यह न तो किसी विज्ञान-कथा फिल्म का दृश्य है और न ही भविष्य की कोरी कल्पना- यह यथार्थ है। अमेरिका के लास वेगास में बना स्फीयर (Sphere) मनोरंजन की दुनिया में इसी यथार्थ को संभव बनाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

## तकनीक जो लगती है जादू जैसी

स्फीयर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 16K रैपअराउंड एलईडी स्क्रीन है, जो दर्शकों को चारों ओर से घेर लेता है। लगभग 1,60,000 वर्ग फुट में फैला यह दृश्य-परिदृश्य यह सुनिश्चित करता है कि दर्शक जहां भी बैठा हो, अनुभव का केंद्र वही हो। इमारत की बाहरी सतह करीब 5,80,000 वर्ग फुट खुद एक विशाल डिजिटल कैनवस है, जो रात के समय पूरे लास वेगास के आकाश को एक चलती-फिरती दृश्य-कला में बदल देती है। दृश्य जितने भव्य हैं, ध्वनि तकनीक उससे भी आगे जाती है। जर्मन कंपनी HOLOPLOT द्वारा डिजाइन की गई प्रणाली में 1,64,000 से अधिक साउंड ड्राइवर्स लगे हैं, जो उन्नत तकनीक के जरिए हर सीट तक सटीक ध्वनि पहुंचाते हैं। इसका परिणाम यह है कि एक ही कार्यक्रम में बैठे दो दर्शकों को भी आवाज का अनुभव थोड़ा अलग लग सकता है। इसके साथ सीटों में कंपन, तापमान और अन्य सेंसरी प्रभाव दर्शक को सिर्फ देखने-सुनने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे अनुभव का सक्रिय हिस्सा बना देते हैं।

## थिएटर नहीं, एक जीवंत अनुभव

स्फीयर कोई साधारण थिएटर या स्टेडियम नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां दर्शक कार्यक्रम को सिर्फ देखते नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रवेश कर जाते हैं। वे उसे जीते हैं। मनोरंजन के इतिहास में इसे तकनीक और अनुभव के मेल की एक असाधारण छलांग कहा जा सकता है। जिस तरह कभी मूक फिल्मों से 'टॉकीज' और श्वेत-श्याम से रंगीन सिनेमा तक का सफर एक ऐतिहासिक मोड़ था, उसी तरह स्फीयर उस दौर का संकेत है, जहां मनोरंजन सिर्फ देखा नहीं जाता- महसूस किया जाता है, जिया जाता है।

## एक महत्वाकांक्षी परियोजना और विशाल संरचना

करीब 2.3 अरब डॉलर की लागत से निर्मित यह संरचना दुनिया की सबसे बड़ी गोलाकार मनोरंजन इमारतों में गिनी जाती है। 2018 में मेडिसन स्क्वायर गार्डन समूह के प्रमुख जेम्स डॉलन की परिकल्पना के रूप में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट महामारी और वैश्विक सप्लाई-चेन संकट जैसी बाधाओं के बावजूद 2023 में पूरा हुआ। 366 फीट ऊंचाई और 516 फीट व्यास वाली यह इमारत केवल वास्तुकला की उपलब्धि नहीं, बल्कि 'अनुभव-आधारित तकनीक' का प्रतीक भी है।

## विज्ञापन और शहर का नया चेहरा

स्फीयर की बाहरी सतह, जिसे 'एक्सोस्फीयर' कहा जाता है। तकनीकी रूप से और भी अधिक क्रांतिकारी है। लगभग 5,80,000 वर्ग फुट की यह पूर्ण-रंग एलईडी स्क्रीन दिन-रात सक्रिय रहती है। कभी यह पृथ्वी का रूप ले लेती है, कभी मंगल ग्रह का, तो कभी किसी उत्सव या कल्पनालोक का दृश्य बन जाती है। मार्केटिंग के लिहाज से यह दुनिया के सबसे दृश्यमान और प्रभावशाली विज्ञापन माध्यमों में शामिल हो चुकी है। लास वेगास आने वाला लगभग हर व्यक्ति इसे देखता है- चाहे वह पर्यटक हो, चालक हो या केवल आकाश की ओर देखने वाला राहगीर।

## उद्घाटन से वैश्विक पहचान तक

सितंबर 2023 में आयरिश बैंड यू-2 के उद्घाटन कार्यक्रम ने दुनिया को पहली बार इस मंच की पूरी क्षमता से परिचित कराया। इसके बाद फिल्म निर्देशक डैरेन एरोनोफस्की की फिल्मपोस्टकार्ड फ्रॉम अर्थ ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्फीयर सिर्फ संगीत या शो का मंच नहीं, बल्कि कहानी कहने और सिनेमा की भाषा को नए सिरे से गढ़ने का एक बिल्कुल नया माध्यम है। कुछ ही महीनों में बड़े आयोजनों और वैश्विक ब्रांड अभियानों ने इसे तकनीकी कौतूहल से आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से व्यवहार्य मंच बना दिया।

## भव्यता के साथ आती चुनौतियां

इतनी विशाल और अत्याधुनिक संरचना अपने साथ चुनौतियां भी लाती है। अत्यधिक लागत और लगातार उच्च-स्तरीय कंटेंट की जरूरत इसे एक साहसिक और जोखिम भरा प्रयोग बनाती है। इतनी विशाल डिजिटल संरचना के संचालन के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी नियोजन के संदर्भ में इस तरह की परियोजनाएं गंभीर समीक्षा की मांग करती हैं। हालांकि सौर ऊर्जा और सीमित प्रकाश मोड जैसे उपायों के जरिए इन समस्याओं को कम करने की कोशिश की जा रही है।

## भविष्य की दिशा

स्फीयर यह संकेत देता है कि भविष्य का मनोरंजन निष्क्रिय नहीं होगा। आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा केवल स्टेडियमों, सिनेमाघरों या शो की नहीं होगी, बल्कि उन अनुभवों की होगी, जो मानव मन और शरीर दोनों को गहराई से छू सकें। तकनीक तैयार है, मंच सजा हुआ है। अब चुनौती रचनात्मकता की है कि इस विशाल कैनवास पर हम कौन-सी कहानियां रचते हैं। क्योंकि जब तकनीक संस्कृति से मिलती है, तब इतिहास लिखा नहीं जाता, जिया जाता है।

## भारतीय परिप्रेक्ष्य: अवसर और प्रश्न

भारत के संदर्भ में यह अनुभव कई अहम सवाल खड़े करता है। हमारे पास तकनीकी दक्षता, युवा प्रतिभा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत-तीनों मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि भारत स्फीयर जैसी संरचना बना सकता है या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या हम इसे केवल पश्चिमी मॉडल की नकल के रूप में अपनाएंगे या अपनी कला, मिथक, इतिहास, विज्ञान और भविष्य-दृष्टि को वैश्विक मंच पर नए रूप में प्रस्तुत करेंगे। यदि ऐसे केंद्रों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक नवाचार के रूप में देखा जाए, तो वे पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों में नई ऊर्जा भर सकते हैं।

## जंगल की दुनिया

# मंदारिन बत्तख: पंखों पर उतरती बसंत ऋतु

बसंत और ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति मानो अपने सबसे चमकदार रंगों में सज उठती है और इसी रंगीन उत्सव का जीवंत प्रतीक है मंदारिन बत्तख। प्रजनन काल में नर मंदारिन बत्तख के पंख असाधारण रूप से आकर्षक हो जाते हैं। लाल, नारंगी, नीले, हरे और सफेद रंगों का अनूठा संयोजन इसे दूर से ही पहचानने योग्य बना देता है।

मंदारिन बत्तख सजीली कलगी, पंखों की विशिष्ट बनावट और चमकदार चोंच इसे दुनिया की सबसे सुंदर बत्तखों में स्थान दिलाती है। इसके विपरीत मादा मंदारिन अपेक्षाकृत साधारण होती है। उसके भूरे रंग के पंख और सादी चोंच उसे प्राकृतिक वातावरण में छिपने में मदद करते हैं, जो प्रजनन और सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी है। प्रजनन काल समाप्त होते ही नर मंदारिन के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। उसके पंख भूरे और धूसर रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा के समान दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन प्रकृति की उस व्यवस्था को दर्शाता है, जहां सौंदर्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व और संतुलन का हिस्सा भी है। मंदारिन बत्तख का वैज्ञानिक नाम ऐक्स गैलेरिकुलता (Aix galericulata) है। इसकी पहचान सबसे पहले वर्ष 1758 में स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और प्राणी विज्ञानी कार्ल लिनिअस ने की थी।

अपने अद्वितीय रंगों और सीमित प्राकृतिक खतरों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में 'संकट मुक्त' श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: मंदारिन बत्तखें रूस, कोरिया, जापान और चीन के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रजनन करती हैं। समय के साथ इनका विस्तार पश्चिमी यूरोप और अमेरिका तक भी देखा गया है। भारत में इसका पहला रिकॉर्ड वर्ष 1902 में असम के तिनसुकिया जिले के रोंगगोरा क्षेत्र में, डिब्रू नदी के तट पर दर्ज किया गया था। चीन और जापान की मूल निवासी मंदारिन बत्तख न केवल जैव विविधता का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नर मंदारिन के मनोहारी रंगों ने सदियों से कलाकारों को प्रेरित किया है।

# आर्द्रभूमि: विज्ञान, जीवन और संस्कृति का संगम

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदायिनी और पूजनीय सत्ता के रूप में देखा गया है। जल, भूमि, वन और जीव-जंतु—सभी को धर्म, दर्शन और जीवन पद्धति से जोड़ा गया। इसी सांस्कृतिक दृष्टि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन आज उपेक्षित पक्ष हैं आर्द्रभूमियां- तालाब, झीलें, सरोवर, नदी किनारे के दलदली क्षेत्र, बाढ़ के मैदान और तटवर्ती जलक्षेत्र। भारतीय सभ्यता के विकास, धार्मिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और आजीविका में आर्द्रभूमियों की भूमिका केंद्रीय रही है। प्राचीन भारत में आर्द्रभूमियों को केवल जलस्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र का दर्जा प्राप्त था। वेदों में जल को जीवन का मूल तत्व कहा गया है- 'आप: प्राणा:'। ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में जलाशयों, नदियों और सरोवरों की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में आर्द्रभूमियां जीवन के संरक्षण और संतुलन का प्रतीक रही हैं।

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में आर्द्रभूमियों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश के लगभग हर प्रमुख तीर्थ का संबंध किसी न किसी नदी, सरोवर या जलाशय से जुड़ा हुआ है। काशी में गंगा, प्रयाग में संगम, पुष्कर का सरोवर और अमृतसर का अमृत सरोवर इस तथ्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये आर्द्रभूमियां केवल जल स्रोत नहीं थीं, बल्कि पूजा, तप, संस्कार और आत्मशुद्धि का माध्यम भी थीं। मंदिरों के साथ निर्मित पुष्करणी, कुंड और बावड़ियां स्थापत्य की उत्कृष्ट कृतियां होने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक जीवन का अभिन्न अंग थीं।

भारतीय ग्रामीण जीवन की धुरी भी आर्द्रभूमियां ही रही हैं। गांव का तालाब सिर्फ पानी भरने की जगह नहीं था, बल्कि सामूहिक चेतना का केंद्र था। वहीं से सिंचाई होती थी, पशुओं को पानी मिलता था, मछली पालन होता था और अनेक लोक परंपराएं जन्म लेती थीं। छठ पूजा, कार्तिक स्नान, गंगा दशहरा और मकर संक्रांति जैसे पर्व सीधे तौर पर जल और आर्द्रभूमियों से जुड़े हुए हैं। ये उत्सव दर्शाते हैं कि भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान था।

भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत सिद्धांत में जल और पृथ्वी के संतुलन को जीवन का आधार माना गया है। आर्द्रभूमियां इसी संतुलन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जहां जल और भूमि का समन्वय होता है। इसी कारण तालाब या सरोवर को पाटना पाप और जलाशय निर्माण को पुण्य कार्य माना गया। इतिहास भी इस सोच की पुष्टि करता है। मौर्य, गुप्त, चोल और विजयनगर काल में तालाबों और जलाशयों का व्यापक निर्माण हुआ। दक्षिण भारत का एरी सिस्टम, राजस्थान की जोहड़ और उत्तर भारत की बावड़ियां भारतीय समाज की वैज्ञानिक और सामुदायिक जल-संरक्षण परंपरा का प्रमाण हैं।

लोक साहित्य और परंपराओं में भी आर्द्रभूमियों की गहरी छाप दिखाई देती है। लोकगीतों और कथाओं में तालाब, कमल, मछली और पक्षियों का बार-बार उल्लेख मिलता है। दलदली जल में खिलने वाला कमल भारतीय संस्कृति में पवित्रता और सौंदर्य का प्रतीक बना। लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियों का कमल पर विराजमान होना आर्द्रभूमियों के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

आधुनिक विज्ञान जिन गुणों को आज आर्द्रभूमियों की विशेषता मानता है। जल संरक्षण, जैव विविधता, बाढ़ नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण, उनका अनुभव भारतीय समाज ने सदियों पहले अपने जीवन में उतार लिया था। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार आर्द्रभूमियां पृथ्वी की कुल भूमि का लगभग छह प्रतिशत क्षेत्र घेरती हैं, लेकिन इसके बावजूद विश्व की लगभग चालीस प्रतिशत जैव विविधता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहारा देती हैं। ये प्राकृतिक स्पंज की तरह कार्य करती हैं, जो अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ को नियंत्रित करती हैं और सूखे में नमी बनाए रखती हैं।

भूजल पुनर्भरण में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आर्द्रभूमियां नष्ट होती हैं, तो इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ता है। इसके अलावा ये प्राकृतिक जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती हैं। पौधे और सूक्ष्म जीव प्रदूषकों को अवशोषित कर जल को स्वच्छ बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी आर्द्रभूमियां कार्बन सिंक के रूप में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर मैंग्रोव और पीटलैंड क्षेत्र। दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आर्द्रभूमियां अतिक्रमण, प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पिछली एक सदी में विश्व की लगभग पैंतीस प्रतिशत आर्द्रभूमियां नष्ट हो चुकी हैं। जब तालाब सूखते हैं, तो केवल जल नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति भी समाप्त हो जाती है।

अंततः यह समझना होगा कि आर्द्रभूमियां प्रकृति का कोई अलग-थलग हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वही कड़ी हैं, जो जल, भूमि, वायु और जीवन को एक सूत्र में बांधती हैं। यदि आर्द्रभूमियां सुरक्षित हैं, तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल स्थिर रहेगा, जैव विविधता फलती-फूलती रहेगी और जलवायु संतुलन बना रहेगा, लेकिन यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि आर्द्रभूमियों पर ही प्रकृति का संतुलन टिका है और उनका संरक्षण हमारे भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

## वैज्ञानिक फैक्ट

# मानव मस्तिष्क जला सकता है 20 वॉट का बल्ब

मानव मस्तिष्क अपनी जटिलता और शक्ति के कारण प्रकृति का सबसे अद्भुत अंग माना जाता है। यह लगातार विद्युत और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करता है। हमारे मस्तिष्क में लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स हैं, जो निरंतर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। इस संचार प्रक्रिया में हर न्यूरॉन विद्युत आवेग (Electrical Impulse) उत्पन्न करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा लगभग 20 वॉट होती है, जो एक छोटे लैंप को जलाने के लिए पर्याप्त है। यह ऊर्जा केवल बिजली का उत्पादन नहीं करती, बल्कि हमारी सोचना, सीखना, याददाश्त और भावनाओं की गतिविधियों का आधार भी है।

न्यूरॉन्स में सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान शरीर के हर अंग को नियंत्रित करता है। मस्तिष्क के इस नेटवर्क की जटिलता इतनी है कि एक ही समय में हम कई कार्य कर सकते हैं-सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और शरीर की क्रियाओं को संतुलित रख सकते हैं। हालांकि यह विद्युत ऊर्जा हमारे प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, फिर भी यह हमारे मस्तिष्क की अद्भुत कार्यप्रणाली और जैविक डिजाइन की शक्ति को प्रमाणित करती है। हर पल जब हम सोचते, याद करते या महसूस करते हैं, तब हमारे भीतर लगभग 20 वॉट की निरंतर ऊर्जा काम कर रही होती है। इस ऊर्जा का अध्ययन न केवल मानव मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें जीवन की जटिल प्रक्रियाओं और हमारे शरीर के अद्भुत संतुलन का एहसास भी कराता है। मस्तिष्क का यह विद्युत नेटवर्क यह दर्शाता है कि सोचने और महसूस करने की क्षमता केवल जैविक मशीनरी का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति की सटीक योजना और अद्भुत रचना का प्रतीक है।

| बाजार | सेंसेक्स ↑ | निफ्टी ↑ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 82,566.37 | 25,418.90 |
| बढ़त | 221.69 | 76.15 |
| प्रतिशत में | 0.27 | 0.30 |

**सोना** 1,83,000 प्रति 10 ग्राम

**चांदी** 4,04,500 प्रति किलो


# अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

www.amritvichar.com




## बरेली मंडी

**वनस्पति तेल तिलहन :** तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

**किराना :** हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवाइन 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, **प्रति कि. :** लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किशमिश पीली 300-400, मखाना 800-1100

**चावल प्रति कु. :** डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

**दाल दलहन :** मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9800, अरहर कोरा मोटा 10100, अरहर पटका छोटा 11500-12000, अरहर कोरी छोटी 13200

**चीनी :** पीलीभीत 4400, बहेड़ी 4220

## हल्द्वानी मंडी

**चावल :** शरबती- 3200, मसूरी- 720, बासमती- 5400, परमल- 1000

**दाल दलहन :** काला चना- 2100, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8200-11000, दाल उड़द- 5200, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 150, उड़द साबुत- 3400, काबुली चना- 7700, अरहर दाल- 10400, लोबिया/करमानी- 1600

# वैश्वीकरण का अंत करीब, स्वदेशी को टाल नहीं सकते

## बजट सत्र: आर्थिक समीक्षा में समय की बर्बादी से बचने पर जोर, कहा- देश के लिए मैराथन को भी तेजी से दौड़ने जैसी स्थितियां

**नई दिल्ली, एजेंसी**

बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों की ओर से प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक हो गया है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में इस पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती और रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को तेजी से दौड़ना दौड़ना है। कहा गया कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। निर्यात नियंत्रण, प्रौद्योगिकी प्रतिबंध, कार्बन सीमा तंत्र और पश्चिम एवं पूर्व दोनों देशों की औद्योगिक नीतियां सीधे तौर पर वैश्वीकरण के खात्मे का संकेत है।

समीक्षा में कहा गया है, ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आक्रामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है और आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

### सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए तय हो उम्र सीमा

नई दिल्ली। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के वैश्विक संकेतों का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक समीक्षा में बृहस्पतिवार को कहा गया कि ऑनलाइन मंच का इस्तेमाल करने के लिए उम्र आधारित सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण में भी कटौती की जानी चाहिए।

समीक्षा में कहा गया कि बच्चों को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच को सरल उपकरणों जैसे साधारण फोन या टैबलेट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ उम्र आधारित पहुंच सीमा को लेकर नीतियों पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि कम उम्र के उपयोगकर्ता अनिवार्य उपयोग और हानिकारक सामग्री के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मंच को उम्र के सत्यापन और उम्र के अनुरूप डिफॉल्ट सेटिंग लागू करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। यह विशेष रूप से सोशल मीडिया, जुए वाले एप, 'ऑटो-प्ले' फीचर्स और लक्षित विज्ञापनों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

### मुफ्त रेवड़ी : केंद्र की तारीफ, राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता

**नई दिल्ली।** आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई गई है कि राज्यों की ओर से लोकलुभावन घोषणाओं, नकद अंतरण के कारण पूंजीगत व्यय प्रभावित होने से उनका राजस्व घाटा बढ़ रहा है। कहा गया कि राज्य स्तर पर किसी भी प्रकार की राजकोषीय अनुशासनहीनता का सीधा असर देश की उधारी लागत पर पड़ता है। कहा गया, जहां केंद्र ने रिकॉर्ड सार्वजनिक निवेश के साथ अपने खर्च को संतुलित रखा है, वहीं कई राज्यों में बढ़ते राजस्व घाटे और बिना शर्त नकद अंतरण वृद्धि को बढ़ावा देने वाले खर्च को प्रभावित कर रहे हैं, जो नए जोखिम पैदा कर रहे हैं। कई राज्यों में बिना शर्त नकद अंतरण योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब राज्य-स्तरीय कल्याणकारी खर्च का एक बड़ा हिस्सा बन गई हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रही इन योजनाओं पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

### जंक फूड के विज्ञापन सुबह से देर रात तक रोकने की सिफारिश

**नई दिल्ली।** अधिक वसा एवं चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत पर गंभीर चिंता जताते हुए सुबह से देर रात तक इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि शिशु और छोटे बच्चों के इस्तेमाल वाले दूध एवं पेय पदार्थों के विपणन पर भी सख्त पाबंदियों की जरूरत है। उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों के लिए चेतावनी के साथ पैकेट के सामने वाले हिस्से पर पोषण संबंधी सूचना देने और बच्चों को लक्षित विपणन पर लगाम लगाने का सुझाव दिया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि व्यापार समझौते किसी भी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को कमजोर न करें। समीक्षा के मुताबिक, नुकसानदेह खाद्य उत्पाद (जंक फूड) के रूप में चिह्नित बर्गर, नूडल्स, पिज्जा एवं शीतल पेय का बढ़ता सेवन दुनियाभर में दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। 2009 से 2023 के बीच भारत में यूपीएफ की खुदरा बिक्री 2006 के 90 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में लगभग 38 अरब डॉलर हो गई जो करीब 40 गुना अधिक है। इस दौरान पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा लगभग दोगुना हो गया।

### यूरिया की कीमतों को बढ़ाने और किसानों को डीबीटी का सुझाव

**नई दिल्ली।** आर्थिक समीक्षा में यूरिया की खुदरा कीमत में मामूली बढ़ोतरी करने की बात कही गई है जो मार्च 2018 से 242 रुपये प्रति 45 किलो बैग है। इसके समान राशि किसानों को प्रति एकड़ आधार पर हस्तांतरित की जाएगी। कहा गया है कि लागत सब्सिडी से आय सहायता की ओर प्रस्तावित बदलाव का लक्ष्य उर्वरक के उपयोग में तीन दशक पुराने असंतुलन को ठीक करना है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और फसल की पैदावार को कम कर रहा है। आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम (एनपीके) अनुपात वर्ष 2009-10 में 4:3.2:1 से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.9:4.1:1 हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी वाले यूरिया के माध्यम से अत्यधिक नाइट्रोजन का उपयोग है। कृषि संबंधी मानक अधिकांश फसलों और मिट्टी के प्रकारों के लिए 4:2:1 के करीब अनुपात का सुझाव देते हैं।

## आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी, सेंसेक्स 222 अंक मजबूत

**मुंबई।** टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में निफ्टी 25,159.80 अंक तक फिसल गया था। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की।

# देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले 95 करोड़ के पार

**बेंगलुरु, एजेंसी**

- **ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की संख्या 57 प्रतिशत, पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि**

ग्रामीण संपर्क में तेजी, शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण वर्ष 2025 में भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 95 करोड़ के पार पहुंच गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 57 प्रतिशत यानी लगभग 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं। इन रुझानों पर आधारित 'इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2025' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव मंजुला एन की उपस्थिति में 'इंडिया डिजिटल समिट' में जारी किया गया। रिपोर्ट को 'इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और कांतार ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 95.8 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजारों में भारत की स्थिति को और पुख्ता करती है। बताया गया है कि भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। करीब 44 प्रतिशत लोग वॉयस सर्च, इमेज-आधारित सर्च, चैटबॉट और एआई फिल्टर जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

### युवा कर रहे हैं सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवाओं (15-24 वर्ष) में एआई का सबसे अधिक 57 प्रतिशत उपयोग देखा गया है। इसके बाद 25 से 44 वर्ष के लोग हैं, जिसमें 52 प्रतिशत लोगों ने एक साल के दौरान एआई का इस्तेमाल किया है। इसी तरह, शॉर्ट वीडियो मंच भी विकास के मुख्य चालक बनकर उभरे हैं। वर्ष 2025 में 61 प्रतिशत यानी लगभग 58.8 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने शॉर्ट-वीडियो देखे, जिनमें ग्रामीणों की संख्या शहरी लोगों से थोड़ी अधिक रही। ईकॉमर्स और डिजिटल आदतें रिपोर्ट में बताया गया है कि पारंपरिक ऑनलाइन बाजारों के अलावा अब 'क्विक कॉमर्स' और 'सोशल कॉमर्स' का चलन भी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों के 23 करोड़ लोगों ने एक साल में ऑनलाइन खरीदारी की।

# केरल सरकार ने पेश किया चुनावी बजट

**तिरुवनंतपुरम, एजेंसी**

केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जनकेंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए 14,500 करोड़ रुपये की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालागोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये माह जबकि आंगनबाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों के वेतन में 1,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइयों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपये प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

- **पेंशनभोगियों के लिए14,500 करोड़, आशा और आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाया**

बजट में मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपये की घोषणा भी की गई है। इसके अलावा बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है। बजट में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली से संबंधित प्रारंभिक कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये के आवंटन की भी घोषणा की गई।

## राष्ट्रीय

# देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियन नेता जिम्मेदार

## घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाली याचिका खारिज की

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी के व्यापक कानूनी ढांचे और इसे लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से यह कहते हुए बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया कि वह केंद्र और राज्यों को मौजूदा कानूनों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद काफी हद तक जिम्मेदार रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, देश में ट्रेड यूनियनों की वजह से कितनी औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जरा हकीकत बताइए।। देश के सभी पारंपरिक उद्योग, इन झंडा यूनियनों की वजह से पूरे देश में बंद हो गए हैं। वे काम नहीं करना चाहते। देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ये ट्रेड यूनियन नेता काफी हद तक जिम्मेदार हैं। सीजेआई ने कहा, निस्संदेह शोषण होता है, लेकिन शोषण से निपटने के उपाय भी हैं। लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए था, लोगों को अधिक कुशल बनाया जाना चाहिए था, और भी कई सुधार किए जाने चाहिए थे। देश भर में लाखों घरेलू सहायकों की दुर्दशा की बात को मानते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायपालिका कानूनों को लागू करने के लिए विधायिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकती।

### सेवा प्रदाता एजेंसियां श्रमिकों की वास्तविक शोषक

कोर्ट ने सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा श्रमिकों के शोषण पर अफसोस जताते हुए कहा कि ये एजेंसिया शहरी क्षेत्रों में वास्तविक शोषक के रूप में उभरी हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुशल कर्मचारियों के एक विशेष समूह को नियुक्त करने के लिए एक एजेंसी को 40,000 रुपये का भुगतान किया, जबकि वास्तव में उन गरीब लड़कियों को केवल 19,000 रुपये ही मिल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सभी प्रमुख शहरों में सेवा प्रदाता एजेंसियों ने पैर फैला लिए हैं। उन्होंने कहा, इनके लिए एक शब्द है, जिसका प्रयोग मैं खुले न्यायालय में नहीं कर सकता। सभी प्रमुख शहरों में ये बड़ी संस्थाएं मौजूद हैं, जो इन लोगों का शोषण कर रही हैं। असली शोषक यही हैं।

### बिहार में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से दायर याचिका भी शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, अभिषेक सिंघवी, प्रशांत भूषण और गोपाल शंकरनारायण सहित कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी की। इस मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह उपस्थित हुए। अदालत ने पिछले साल 12 अगस्त को इस मामले में अंतिम बहस शुरू की थी।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, जब तक विधायिका से उपयुक्त कानून बनाने का अनुरोध नहीं किया जाता, तब तक कोई भी लागू करने योग्य आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस अदालत द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने घरेलू सहायकों के संघ 'पेन थोजिलालार्गल संगम' समेत अन्य याचिकाकर्ताओं से राज्यों और केंद्र सरकार के समक्ष घरेलू सहायकों की दुर्दशा को उजागर करने का आग्रह किया ताकि इस मामले में उचित निर्णय लिया जा सके। अदालत ने कहा कि पत्राचार से पता चलता है कि राज्यों द्वारा इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि उनकी सहायता और शोषण को रोकने के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैनात किया जाएगा। पीठ ने इसके साथ जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

# स्वाट कमांडो को पति ने मार डाला, भाई को फोन कर सुनाईं चीखें

**नई दिल्ली।** दिल्ली में 27 वर्षीय महिला स्वाट कमांडो की उसके पति द्वारा निर्मम हत्या से पहले के क्षण और भी भयावह थे, जब पीड़िता का भाई फोन पर अपनी बहन की चीखें सुनकर भी कुछ नहीं कर पाया।

मृतका काजल चौधरी के भाई निखिल ने 22 जनवरी की उस भयावह घटना के बारे में कांपती आवाज में बताया, जब काजल के पति अंकुर ने भारी डंबल से उसके सिर पर वार किया था। उन्होंने कहा, अंकुर ने मुझे फोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने को कहा और कहा कि इसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर उसने मुझे बताया कि वह काजल को मार रहा है। और फिर, मैंने उसकी चीखें सुनीं।

दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ में तैनात काजल, हमले के समय मोहन गार्डन स्थित अपने आवास पर थीं और वह चार महीने की गर्भवती थी। रक्षा मंत्रालय में क्लर्क उसके पति अंकुर को हमले के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह दिल्ली छावनी में तैनात था। काजल ने पांच दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद, 27 जनवरी की सुबह गाजियाबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

### भाजपा के सौरभ जोशी बने चंडीगढ़ के महापौर

**चंडीगढ़।** भाजपा के पार्षद सौरभ जोशी बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ नगर निगम के नये महापौर चुने गए। पार्टी ने वरिष्ठ उपमहापौर और उपमहापौर के पद भी जीत लिए।

त्रिकोणीय मुकाबले में जोशी को 18, आप के उम्मीदवार योगेश ढिंगरा को 11 वोट मिले, कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह को सात वोट मिले। इस बार महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप ने गठबंधन नहीं किया। परिणाम के बाद, दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे पर भाजपा की मदद का आरोप लगाया।

### शंकराचार्य सदानंद सरस्वती सरकार पर भड़के, कहा-शासक नहीं, जनता के सेवक

**भिंड।** प्रयागराज माघ मेले से जुड़े प्रकरण को लेकर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने भिंड में सरकार पर तीखा हमला बोला। भिंड जिले के खनेता धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ताधारी शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक होते हैं। धार्मिक आस्था को दबाने या कुचलने का दुस्साहस किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

भिंड जिले के खनेता धाम स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने प्रयागराज धरना प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सत्ता के कुछ हिस्सों में खुद को सेवक नहीं बल्कि शासक समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतंत्र और सनातन परंपरा दोनों के लिए घातक है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान से रोका जाना और ब्राह्मण विद्यार्थियों व साधु-संतों के साथ बल प्रयोग चूक नहीं, बल्कि आस्था पर सीधा प्रहार है। शंकराचार्य ने प्रयागराज की घटना को हठधर्मिता और संवेदनहीनता का प्रतीक बताया। शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि शिखा हिंदू समाज की धार्मिक पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे पकड़कर अपमानित करना केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है।

### खरगे और राहुल से मिले थरूर, कहा-सब कुछ ठीक

**नई दिल्ली।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि सब कुछ ठीक है तथा सब एकसाथ हैं।

संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा।

### एसआईआर: भारत के लिए खेल चुके फुटबॉलर को नोटिस, बोले- देश के लिए खेलना क्या व्यर्थ

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मेहताब हुसैन को सुनवाई के लिए तलब किया गया है जो भारत के लिए कई मैच खेल चुके हैं। देश के लिए करीब 30 मैच खेल चुके मेहताब हुसैन ने इस नोटिस पर गहरी व्यथा जताई है।

कोलकाता की दिग्गज टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल दोनों की कप्तानी कर चुके हुसैन ने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ियों को नागरिकता साबित करने की बाध्यता पर सवाल उठाया है। हुसैन को दक्षिण 24 परगना जिले के मल्लिकपुर के एक स्कूल में एक फरवरी को सुनवाई के लिए पेश होने का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि वह इस समन से दुखी हैं। वह अभी यहां के पास न्यू टाउन में रहते हैं और मल्लिकपुर उनका पैतृक स्थान है और वह वहां के पंजीकृत मतदाता हैं। बताया जा रहा है कि उनकी मां से संबंधित दस्तावेजों में विसंगति पाए जाने के बाद नोटिस जारी किया गया था।

नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा, मैंने राष्ट्रीय जर्सी पहनकर इतने मैच खेले हैं और देश के लिए अपना पसीना बहाया है। इसके बाद भी क्या मुझे यह साबित करने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ेगा कि मैं भारतीय नागरिक हूं, क्या हमारा योगदान व्यर्थ हो गया। उन्होंने इस प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, मेरे मामले को छोड़ दें तो ऐसे बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार लोग भी हैं जिन्हें कतारों में खड़ा किया जा रहा है। कुछ लोग व्हीलचेयर पर आ रहे हैं। उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए इतनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हुसैन से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और पूर्व क्रिकेटर और बंगाल रणजी टीम के कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला को भी एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

# राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार

**बारामती, एजेंसी**

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

- **शाह-नवीन समेत कई नेता हुए शामिल गूंजे अजित दादा अमर रहे के नारे**

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राकांपा प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया। पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर बारामती हवाई पट्टी के पास बुधवार सुबह एक 'लियरजेट' विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमित कपूर का दिल्ली के पंजाबी बाग श्मशान घाट और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली का मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव का अंतिम संस्कार बुधवार देर रात सतारा जिले में उनके पैतृक स्थान पर किया गया।

**विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद :** मुंबई। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए लियरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी इस दुर्घटना की जांच तेजी से कर रहा है।

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ किया गया अजित पवार का अंतिम संस्कार।

# कोलंबिया में यात्री विमान हादसे का शिकार, 15 लोगों की गई जान

बोगोटा, एजेंसी

- विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य थे सवार

उत्तर-पूर्वी कोलंबिया में बुधवार को एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जिसमें सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोलंबियाई सांसद डियोजेनेस क्विंटरो अमाया और एक अन्य नेता कार्लोस साल्सेडो भी शामिल हैं यह दुर्घटना तब हुई जब कोलंबियाई एयरलाइन साटेना द्वारा संचालित विमान बीचक्राफ्ट 1900 वेनेजुएला की सीमा के पास स्थित कुकुटा से ओकांया जा रहा था।

साटेना ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, साटेना एयरलाइन को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि कुकुटा से ओकांया के लिए उड़ान भरने वाला बीचक्राफ्ट विमान, भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया है। विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। इसमें एक कोलंबियाई सांसद और एक चुनावी प्रत्याशी शामिल थे। कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान का मलबा एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में मिला है, और घने जंगल के कारण खोज एवं बचाव कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

### थाईलैड में विमान क्रैश, दो की मौत

**बैंकाक।** थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से गुरुवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किमी दूर चोम थोंग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

## देश के अर्थतंत्र का रोडमैप

# केंद्रीय बजट

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द बोगेट से हुई है, जिसका अर्थ है चमड़े का थैला। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत इसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। सरल शब्दों में, यह सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए अनुमानित कमाई (राजस्व) और खर्च (व्यय) का लेखा-जोखा है। बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का दर्पण है। यह बताता है कि सरकार देश के किन क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, शिक्षा या स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए धन कहां से आएगा। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। आइए जानते हैं बजट कैसे बनता है, कौन बनाता है और आय-व्यय का अर्थशास्त्र..।

### कहां से आता है धन

- प्रत्यक्ष कर : इसमें इनकम टैक्स और कॉर्पोरेट टैक्स से मिलने वाली आय शामिल होती है।
- अप्रत्यक्ष कर : इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और सीमा शुल्क का होता है।
- गैर-कर राजस्व : पीएसयू (जैसे रेलवे, सेल) से मिला मुनाफा, आरबीआई से प्राप्त डिविडेंड और ब्याज।
- ऋण : जब खर्च कमाई से ज्यादा हो जाता है, तो सरकार कर्ज लेती है, जिसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

### कैसे तैयार होता है बजट

- प्रारंभिक अनुमान (सितंबर-अक्टूबर) : वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों और विभागों को सर्कुलर भेजकर उनके खर्चों का अनुमान मांगता है।
- बैठकें और चर्चा (नवंबर-जनवरी) : मंत्रालयों और विभिन्न हितधारकों (उद्योग जगत, किसान, अर्थशास्त्री) के साथ चर्चा की जाती है कि किसे कितना फंड चाहिए और टैक्स में क्या बदलाव होने चाहिए।
- हलवा सेरेमनी : बजट दस्तावेज की छपाई शुरू होने से पहले वित्त मंत्रालय में हलवा सेरेमनी होती है। इसके बाद बजट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी बाहरी दुनिया से कटकर 'नार्थ ब्लॉक' के बेसमेंट में तब तक रहते हैं जब तक बजट पेश न हो जाए।
- संसद में प्रस्तुति : 1 फरवरी को वित्त मंत्री लोकसभा में बजट भाषण देती हैं और बजट दस्तावेज पेश करती हैं।

### कौन-कौन विभाग शामिल

- वित्त मंत्रालय : बजट का मुख्य जिम्मा वित्त मंत्रालय का होता है, जिसके अंतर्गत कई विभाग सक्रिय रहते हैं।
- आर्थिक मामलों का विभाग : आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) बजट बनाने वाला नोडल विभाग है।
- व्यय विभाग : यह खर्चों की निगरानी करता है।
- राजस्व विभाग : यह टैक्स, कमाई का हिसाब रखता है।
- नीति आयोग और आरबीआई : ये संस्थाएं आर्थिक परामर्श और डेटा प्रदान करती हैं।

### विशेषताएं

- 2019 में निर्मला सीतारमण ने बजट को लाल कपड़े में लिपटे बही-खाता में लाना शुरू किया। 2021 से यह डिजिटल हो गया। मुख्य रूप से राजस्व बजट और पूंजीगत बजट पेश किए जाते हैं। वर्तमान बजटों में विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास की थीम पर जोर दिया जा रहा है।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### चीनी नागरिक को अमेरिका में शरण

**वाशिंगटन।** अपने देश में मानवाधिकार हनन को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश ने अमेरिका में शरण की इजाजत दे दी। प्रवासियों के खिलाफ आव्रजन की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए चीनी नागरिक ने आशंका जताई थी कि अगर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया तो उन्हें चीन में यातनाएं झेलनी पड़ सकती हैं। चीनी नागरिक 38 वर्षीय गुआन हेंग ने 2021 में अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के बाद शरण के लिए आवेदन किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से जारी व्यापक निर्वासन अभियान के तहत अगस्त में आव्रजन प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से गुआन हेंग हिरासत में हैं।

### संग्रहालय से चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

**लंदन।** दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक संग्रहालय में भारत से लाई गईं कई कलाकृतियों की चोरी के मामले की जांच के तहत गुरुवार को 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। एवन और समरसेट पुलिस ने बताया कि पिछले साल सितंबर में ब्रिस्टल संग्रहालय के ब्रिटिश साम्राज्य और राष्ट्रमंडल संग्रह से 600 से अधिक उच्च मूल्य की वस्तुएं चोरी होने के बाद उन्हें ठिकाने लगाने के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले महीने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए चार श्वेत पुरुष संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज जारी किए थे।

### नेपाल के पूर्व पीएम माधव अस्पताल में

**काठमांडू।** नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को हृदय संबंधी समस्या के कारण काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनसीपी के उप-समन्वयक एवं पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए रौतहट-एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार माधव कुमार (72) को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं हैं।

### डेल्सी बने वेनेजुएला के कमांडर इन चीफ

**काराकास।** वेनेजुएला की सेना ने एक सैन्य समारोह के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उन्हें औपचारिक रूप से कमांडर-इन-चीफ के रूप में मान्यता दी। समारोह में गृह, न्याय और शांति मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने राष्ट्र के सभी सुरक्षा बलों द्वारा सहमति प्राप्त एक संयुक्त बयान पढ़ा।

# भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा

## रेजाक बेनिसेफ ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश

अनिल त्रिगुणायत, गोवा

**अमृत विचार :** जैसे जिंदगी के लिए जल अपरिहार्य है, वैसे ही मानव जीवन हेतु भविष्य की ऊर्जा भी अनिवार्य। ऊर्जा के बिना किसी भी देश का विकास अकल्पनीय। आज पूरी दुनिया तेल के खेल में यूं ही नहीं फंसी है। पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत घट रहे हैं। ऐसे में समूचा विश्व नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोतों की ओर ताक रहा है। भविष्य की ऊर्जा को लेकर विश्व आज भारत पर टकटकी लगाए हुए है। उक्त बातें गुरुवार को ऊर्जा विशेषज्ञों ने यहां एक विशेष गोष्ठी में कहीं।

गोवा के बेतूल गांव स्थित ओएनजीसी परिसर में भारत ऊर्जा सम्मेलन के तीसरे दिन वैश्विक ऊर्जा की दिशा-दशा विषय पर परिचर्चा में अंतर्राष्ट्रीय रिन्यूएबल ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमेरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर भारत पर आज दुनिया की नज़र टिकी हुई है। करीब 140 करोड़ आबादी वाला देश अपारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है। ओपेक के ऊर्जा विशेषज्ञ डा. अब्दे रेज़ाक बेनिसेफ ने कहा कि तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में भारत से दुनिया को काफी उम्मीद है। शंघाई सहयोग संगठन के उप महासचिव टीआर मिथुन ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के अलावा ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया के लिए भी प्रेरणादायक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम के महासचिव जस्सीम अल शिरावी ने कहा कि आने वाले दिनों में पारंपरिक ऊर्जा मांग/आपूर्ति में सामंजस्य नहीं बैठा पाएगी। क्योंकि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही। ऐसे में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत। परिचर्चा में यूएई ऊर्जा मंत्री अहमद अल काबी, नीदरलैंड के जलवायु नीति मंत्री डा.माइकल हिजद्रा, डेनमार्क के राजदूत रास्मस एबल्डगार्ड क्रिसटेनसेन तथा अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सहायक सचिव काईले हॉस्टविट समेत अन्य ऊर्जा विशेषज्ञ भी रहे।

### हरित हाइड्रोजन भविष्य का ऊर्जा विकल्प

विश्व में हरित हाइड्रोजन को गंभीरतापूर्वक बढ़ावा दिया जा रहा है। हाइड्रोजन उत्पादन में चीन का स्थान पहला है। चीन वैश्विक क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है, इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी हाइड्रोजन परियोजना का निर्माण कर रहा है। वहीं, भारत में आंध्र प्रदेश को हरित हाइड्रोजन का हब बनाया जा रहा है। हरियाणा के हिसार में देश का पहला आफ ग्रिड हरित हाइड्रोजन संयंत्र कार्य भी कर रहा। यूपी के गोरखपुर में देश का दूसरा हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाने का उपक्रम जारी है। जान लें, हरित हाइड्रोजन का उत्पादन इलेक्ट्रोलिसीस की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

### ऊर्जा क्षेत्र में भारत उभरता बाजार : पुरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत एक बड़ा उभरता बाजार है। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर यहां काफी कुछ किया जा रहा है। खाड़ी के देशों के अलावा एशिया पेसिफिक के देशों में भी भारत ने तेजी से पहुंच बनाई है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि विश्व की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। जिनमें टोटल एनर्जी, बीपी, विटोल हुंडई, एचडी केएसओई, अकेर, लिजा टेक, इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, एक्सलेरेट, वुड मैकेंजी, ट्राफीगुरा, स्टैटसोली, प्राज, रिन्यू व एमओएल के अलावा वेदांता, अदानी, रिलायंस, बिरला, थापर, गैलेंट आदि शामिल हैं।

## ग्रीनलैंड पर नाटो और अमेरिका में कोई समझौता नहीं

**पेरिस।** डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है। जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि यह कोई समझौता नहीं है। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। यह उन सभी चीज़ों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं। फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

# रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे चीन-ब्रिटेन

- स्टार्मर-शी जिनपिंग मुलाकात में संबंधों के सुधार पर जोर

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिटेन और चीन के नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में उठाए गए कई कदमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों के बीच बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की गुरुवार को मुलाकात हुई। हालांकि शी और स्टार्मर ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया।

स्टार्मर ने जिनपिंग से कहा कि मेरे हिसाब से, ऐसे समय में जब दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही है, तब जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करना ही सही मार्ग है, जिसके जरिए हमें अपने रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात तय समय से दोगुने समय 80 मिनट तक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ब्रिटेन में चीन की जासूसी गतिविधियों, यूक्रेन युद्ध में रूस के लिए चीन के समर्थन, और हांगकांग में स्वतंत्रता पर पाबंदियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। जिनपिंग ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चीन-ब्रिटेन के संबंध खास अच्छे नहीं रहे। तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय हालात में दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए चीन व ब्रिटेन को सहयोग मजबूत करने की जरूरत है।

### बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए : जिनपिंग

शी जिनपिंग ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए, वरना दुनिया फिर जंगलराज जैसी स्थिति में चली जाएगी। बैठक के बाद स्टार्मर ने कहा कि दोनों ने 'स्कॉच व्हिस्की' पर चीन द्वारा शुल्क कम करना और ब्रिटिश यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा शुरू करने समेत कई मुद्दों पर वाकई अच्छी प्रगति की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों के संबंध अच्छे दौर में है और मजबूत हैं।

## निष्पक्ष चुनाव के बिना बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ेगी

**ढाका।** भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद देश में होने जा रहे आगामी चुनाव की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि निष्पक्ष और समावेशी चुनाव के बिना देश में अस्थिरता बढ़ेगी। उनके इस बयान से आम चुनाव से पहले तनाव और बढ़ सकता है। शेख हसीना ने पिछले सप्ताह कहा कि यदि समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता झेलनी पड़ेगी। हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन को कुचलने के जुर्म में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। उस कार्रवाई में सैकड़ों की जान चली गई थी और उनका शासन भी खत्म हो गया।

## गाजा का संघर्ष सुलझाने में यूएस के प्रयास सराहनीय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र में बोले भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश

भारत ने गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका (यूएस) के प्रयासों की सराहना की, साथ ही इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भी ध्यान आकृष्ट किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को ये टिप्पणी की।

हरीश ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भारत ने गौर किया है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का समर्थन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

## दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

**जोहानिसबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी क्वाजुलु नताल प्रांत में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर से 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना दक्षिण अफ्रीका में एक अन्य घटना में एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में 14 स्कूली बच्चों के मारे जाने के ठीक एक सप्ताह बाद हुई है।

प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनीसो डुमा ने बताया कि गुरुवार को यह दुर्घटना पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में हुई। हादसे में एक स्कूली छात्र सहित 11 लोगों की मौत हो गई। निजी पैरामेडिक सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमीसन ने बताया कि हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें मिनी बस का चालक भी शामिल है।

# ईयू ने लगाए ईरान के छह संगठनों और 15 अधिकारियों पर प्रतिबंध

ब्रसेल्स, एजेंसी

- रिवोल्यूशनरी गार्ड को घोषित किया आतंकवादी संगठन

यूरोपीय संघ ने तेहरान में देशव्यापी प्रदर्शनों पर हुई हिंसक कार्रवाई के सिलसिले में अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के शीर्ष कमांडरों और अधिकारियों सहित 15 ईरानी अधिकारियों पर प्रतिबंधों की घोषणा की है। ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

ईरान में ऑनलाइन सामग्री की निगरानी के लिए जिम्मेदार निकायों सहित छह ईरानी संगठनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। सत्ताईस देशों के इस समूह का यह निर्णय हिंसा पर पश्चिमी देशों की नवीनतम प्रतिक्रिया है, जिसमें कार्यकर्ताओं का कहना है कि 6,300 से अधिक लोग मारे गए हैं। इन उपायों से ऐसे समय ईरान पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव और बढ़ गया है, जब उसे अमेरिका द्वारा संभावित सैन्य हमले के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी सेना ने यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोतों को पश्चिम एशिया में तैनात कर दिया है, जिनका इस्तेमाल समुद्र से हमले करने के लिए किया जा सकता है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के मारे जाने और संभावित मौत की सजा की आशंकाओं के जवाब में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सैन्य कार्रवाई की धमकी देने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं है कि वह ईरान के खिलाफ बल प्रयोग करेंगे या नहीं।

### ईरान ने अपनी सेना में शामिल किए एक हजार लड़ाकू ड्रोन

**तेहरान।** ईरान ने अपनी सैन्य इकाइयों में देश में बने एक हजार लड़ाकू ड्रोन शामिल किए हैं। सेना प्रमुख अमीर हातेमी के आदेश पर थल सेना, नौसेना और वायु सेना को ये लड़ाकू ड्रोन दिए गए हैं। इन ड्रोनों को सेना के विशेषज्ञों और रक्षा मंत्रालय ने मिलकर विकसित किया गया है। ये ज़मीन, समुद्र और हवा में तय या चलते-फिरते लक्ष्यों पर हमला करने, घुसपैठ, विनाश, जासूसी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध करने में सक्षम हैं।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 11.09 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

### आज का पंचांग

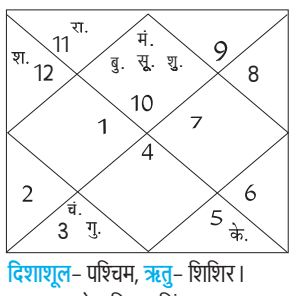


दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शिशिर।
**चन्द्रबल**- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
**ताराबल**- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
**नक्षत्र**- आर्द्रा 31 जनवरी 03.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

**मेष** — आज अपनी मानसिक स्थिति को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

**वृष** — आज विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धन उधार देने से बचें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

**मिथुन** — आज पारिवारिक कार्यक्रमों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। घर के सदस्यों की सुरक्षा की कुछ चिंता हो सकती है। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

**कर्क** — आज व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अज्ञात भय का भाव रहेगा। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण कुछ काम रुक सकते हैं।

**सिंह** — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे।

**कन्या** — आज सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। आप कई लोगों को उचित सलाह देंगे, जिससे उन्हें लाभ होगा। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी।

**तुला** — आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से आप व्यथित हो सकते हैं। जीवनसाथी का अनादर न करें। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

**वृश्चिक** — आज का दिन शांतिपूर्वक बिताएं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से बचें। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

**धनु** — आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आय बढ़ने से मन हर्षित रहेगा। आपको पुराने अनुभव काफी काम आएंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध बेहतरीन रहेंगे। परिवार के प्रति भावुक रहेंगे।

**मकर** — आज आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। विरोधी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। घर और कार्यक्षेत्र में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

**कुंभ** — आज गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक समस्याओं का निराकरण होगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी कठिनाई होगी। आपकी कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

**मीन** — आज गलत कार्यों और संगति से दूर रहें। स्वार्थ की भावना के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को अपयश का सामना करना पड़ सकता है।

## सुडोकू-46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | | | 4 | | 8 | | | |
| 5 | | | 6 | | | | 7 | 1 |
| | | 9 | | 2 | | 6 | | |
| | | | 8 | | 6 | | | 5 |
| | 3 | 4 | | | | 2 | 9 | |
| 1 | | | 9 | | 2 | | | |
| 2 | | 3 | | 1 | | 8 | | |
| 6 | 7 | | | | 4 | | | 3 |
| | | | 3 | | 5 | | | 2 |

### सुडोकू - 45 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 4 | 2 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 8 | 9 | 1 | 5 | 3 | 4 | 6 | 2 | 7 |
| 6 | 3 | 7 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 | 4 |
| 3 | 6 | 5 | 2 | 1 | 9 | 7 | 4 | 8 |
| 1 | 8 | 4 | 7 | 5 | 3 | 2 | 9 | 6 |
| 2 | 7 | 9 | 8 | 4 | 6 | 1 | 3 | 5 |
| 7 | 1 | 3 | 6 | 9 | 5 | 4 | 8 | 2 |
| 4 | 2 | 8 | 3 | 7 | 1 | 5 | 6 | 9 |
| 9 | 5 | 6 | 4 | 2 | 8 | 3 | 7 | 1 |

यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। लगातार मैच खेलने और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से मेरी मानसिकता बेहतर हो रही है। इसलिए मैं यहां समझने लग गया हूं कि आगे क्या होगा और गेंदबाज क्या सोच कर मेरे लिए गेंदबाजी करेगा।
-शिवम दुबे


# स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार ,30 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com


## हाईलाइट

### मेरी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना और विकेट लेना है : सैंटनर

**विशाखापत्तनम।** न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनकी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना, दबाव बनाना और विकेट लेना है तथा भारत के खिलाफ यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इस रणनीति का शानदार परिणाम देखना संतोषजनक रहा। सैंटनर ने इस मैच में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड करके उनकी परेशानियां बढ़ा दी और फिर हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह के विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीता। सैंटनर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा मुझे लगता है कि मेरा काम थोड़ा रक्षात्मक होकर गेंदबाजी करना और इस तरह से विकेट लेना है।

### निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

**नई दिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।

### एरिगैसी की एक और हार, गुकेश ने एर्दोगमस को हराया

**विक ऑन जी (नीदरलैंड्स)।** भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की। काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने बाजी जीती। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं।

जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिलाड़ी।

# आरसीबी ने फाइनल में पक्की की जगह

वडोदरा, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

- यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से हराया

ग्रेस हैरिस (दो विकेट/ 75 रन ) के हरफनमौला प्रदर्शन और कप्तान स्मृति मंधाना (नाबाद 54) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुरुवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 18वें मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली हैं।

144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी के लिए ग्रेस हैरिस और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़े। 10वें ओवर में शिखा पांडे ने ग्रेस हैरिस को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। ग्रेस हैरिस ने 37 गेंदों में 13 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 75 रनों की तूफानी पारी खेली। जीत के करीब 13वें ओवर में जॉर्जिया वॉल (16) के रूप में आरसीबी का दूसरा विकेट गिरा। आरसीबी ने 13.1 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया।स्मृति मंधाना ने 27 गेंदों मे आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 54 रनों की पारी खेली। इससे पहले आज यहां दीप्ति शर्मा (55) और कप्तान मेग लानिंग (41) की 74 रनों की शानदार साझेदारी के दम पर यूपी वॉरियर्ज ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के खिलाफ निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 143 का स्कोर बनाया।

नडीन डी क्लर्क।

### प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगी गुजरात और मुंबई की टीमें

**वडोदरा।** मौजूदा चैंपियन और दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को जब गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी तो दोनों प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेंगी। गुजरात जायंट्स इस मैच में जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगा। गुजरात जायंट्स फिलहाल आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.271 है। वह मुंबई इंडियंस (छह अंक, नेट रन रेट +0.146) और दिल्ली कैपिटल्स (छह अंक, नेट रन रेट -0.164) से दो अंक आगे है।

# महिला ताज के लिए भिड़ेंगी सबालेंका और रिबाकिना

## ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं एरिना

मेलबर्न, एजेंसी

दो बार की चैम्पियन शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा जिनके खिलाफ वह 2023 फाइनल खेली थी। रिबाकिना ने छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 से हराया। सबालेंका ओपन युग में इवोन्ने गूलागोंग और मार्तिना हिंगिस के बाद लगातार चौथी बार आस्ट्रेलियाई ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी है ।

सबालेंका की पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया। सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया।

सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। मुश्किलों के बावजूद, स्वितोलिना ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि सबालेंका ने अपनी ज़बरदस्त हिटिंग फिर से शुरू की और एक ज़बरदस्त फोरहैंड विनर ने उन्हें लगातार चौथे फ़ाइनल में जगह दिलाई। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया।

एरिना सबालेंका।

एलेना रिबाकिना।

2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।
-एलेना रिबाकिना

### इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

**मेलबर्न।** पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं।

जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था।

शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल। एजेंसी

# जुरेल शतक से चूके यूपी ने बनाए 237 रन

नागपुर, एजेंसी

भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिये बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे । इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिये 92 रन की साझेदारी की। जुरेल ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए। विदर्भ के लिये दुबे ने 19 . 5 ओवर में 63 रन देकर छह विकेट लिए।

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में सलेम में सुकीर्त पांडे के 222 गेंद में नाबाद 73 रन और निनाद राठवा के 112 गेंद में 66 रन की मदद से बड़ौदा ने तमिलनाडु के खिलाफ पांच विकेट पर 247 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी की । सुकीर्त ने अतीत सेठ (नाबाद 45) के साथ 90 रन जोड़े। सोविमा में एक अन्य मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट के नाबाद 160 रन की मदद से नगालैंड ने आंध्र के खिलाफ छह विकेट पर 322 रन बनाये । बिष्ट ने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया और डेगा निश्छल (74) के साथ पांचवें विकेट के लिये 167 रन जोड़े। जमशेदपुर में ओडिशा ने झारखंड के खिलाफ छह विकेट पर 242 रन बनाए।

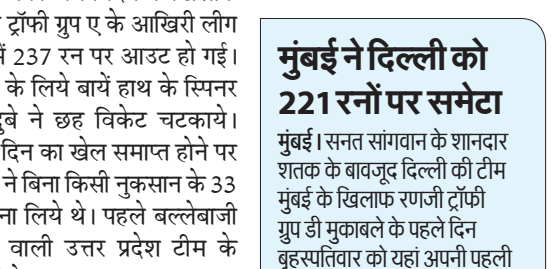


### मुंबई ने दिल्ली को 221 रनों पर समेटा

**मुंबई।** सनत सांगवान के शानदार शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिये थे। सांगवान ने 118 रन की पारी के साथ एक छोर संभाले रखा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। उन्होंने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की जिससे दिन की शुरुआत में दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में थी।

# मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजों ने मेरी गेंदों को अच्छी तरह से समझ लिया : राशिद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और श्रीलंका में अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप तैयारियों में लगी अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान के बल्लेबाजों द्वारा उनकी गेंदों को अच्छी तरह से परखे जाने की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए सफलता की कुंजी नये प्रयोग से ज्यादा सटीक गेंदबाजी करना है। पिछले एक दशक में टी20 क्रिकेट में लेग स्पिनरों की भूमिका को नया आयाम देने वाले राशिद को गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो आईपीएल सत्र में अपेक्षाकृत कम सफलता मिली। इसके बाद उनकी गेंदबाजी को बल्लेबाजों के द्वारा समझ लेने को लेकर चर्चा शुरू हुई। राशिद ने रेड बुल के सहयोग से ''पीटीआई-वीडियो'' से बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे अपनी विविधता या लाइन-लेंथ बदलने की जरूरत है। राशिद आईपीएल के 2023 सत्र में 17 मैचों में 27 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद 2024 में 12 मैचों में 10 और 2025 में 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिये। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। राशिद ने कहा कि टी20 क्रिकेट में मामूली गलती करने का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस प्रारूप में लगातार सटीक गेंदबाजी करना ही सबसे अहम चीज है। कभी-कभी मेरी लाइन थोड़ी चूक जाती है, जिसमें मैं पहले काफी अच्छा था। चिंता की कोई बात नहीं है। जब भी मेरी लाइन-लेंथ सही नहीं रहती तब मेरे खिलाफ रन बनते हैं। राशिद ने कहा कि गेंदबाजों की पढ़े जाने की बात को अक्सर गलत तरीके से समझा जाता है। कोई गेंदबाज मिस्ट्री (अबूझ) से सफल नहीं होता, उसे सटीकता से सफलता मिलती है। सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप-डी में नेपाल, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और यूएई के साथ है। उन्होंने कहा कई गेंदबाज ऐसे हैं जिनके बारे में सबको पता होता है कि वे क्या करेंगे, फिर भी बल्लेबाज आउट हो जाते हैं। राशिद ने मिचेल स्टार्क का उदाहरण देते हुए कहा यह सबको पता होता है कि मिचेल स्टार्क नई गेंद से आमतौर पर इन-स्विंगर डालते हैं, फिर भी वह विकेट लेते हैं।

**टी-20 विश्व कप**

8 दिन शेष

### पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के बहिष्कार की संभावना कम

**लाहौर।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

# मनप्रीत भारतीय हॉकी टीम की सूची से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा।

कोच फुल्टोन ने कहा हॉकी इंडिया लीग के बाद हमें लगा कि टीम में बदलाव करने का यह सही समय है। हमने कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है ताकि काम का बोझ संतुलित रहे, साथ ही उन खिलाड़ियों को भी मौका दिया है जिन्होंने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। राउरकेला और होबार्ट में प्रो लीग के चरण चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

**संभावित टीम**

**गोलकीपर :** पवन, सूरज करकेरा, मोहित शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह। **डिफेंडर :** अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप ज़ेस, अमनदीप लाकड़ा। **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, रोसन कुजूर। **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन, मनिंदर सिंह।

**साक्षात्कार** भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने कहा-परिवार के बलिदान नहीं गए बेकार

# बारंबार अनदेखी के बाद पद्मश्री ने सारे मलाल मिटाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए ।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे। पद्मश्री के लिये चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आए। उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिये ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ।

सविता ने कहा मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी। मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे। ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिये भेजा। उस समय समझ नहीं आया लेकिन आज याद करती हूं तो उनके बलिदान समझ में आते हैं। वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था। अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे। उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपये में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी। मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी। मैंने उस दिन सोचा कि अब अपने माता-पिता के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। मैं पापा को रिटर्न गिफ्ट देना चाहती थी। इसके बाद गोलकीपिंग ट्रेनिंग शुरू की और 2008 में पहली बार भारतीय टीम में चुनी गई जिसने उनके दादाजी को अलग तरह से प्रेरित किया। सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी। अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई। दादाजी पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र पढ़ना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ सकें।

### 10 वर्ष तक रहीं बेरोजगार, टूटने लगी थी हिम्मत

सविता ने कहा मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी। वाकई हालात बहुत खराब थे चूंकि खेल में चोट का डर रहता है, उपकरण महंगे आते हैं। मुझे आज भी याद है जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपये दिये और भाई ने कोने में ले जाकर दो हजार रुपये दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था। वह मेरे लिए दो लाख रुपये से कम नहीं थे। फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जाएगी। रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा। पर परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है।

### खेलरत्न मिलने की थी काफी उम्मीदें

पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी पर इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से मैने तीन बार खेलरत्न के लिये आवेदन किया लेकिन मिला नहीं। मैं पुरस्कारों को लेकर उतना नहीं सोचती लेकिन जब मेरे समान उपलब्धियों पर दूसरों को मिलता है तो लगता है कि मुझे भी अपने परिवार को यह खुशी देनी है। इस साल बहुत उम्मीद थी पर जब नाम नहीं आया तो दिल टूट गया। मैं 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला गोलकीपर बनी थी और लगातार तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई। अब पद्मश्री मिलने के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। माता पिता को अर्जुन पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति भवन ले जाने वाली सविता अब ससुराल पक्ष को खुशी देना चाहती है।